ISSN 2349-6614

जनवरी 2023

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

चंचल पग दीप-शिखा से धर
गृह, मग, वन में आया वसंत।
सुलगा फाल्गुन का सूनापन
सौंदर्य-शिखाओं में अनंत॥
- सुमित्रानंदन पंत

UNIQUE INFRA
ENGINEERING INDIA PVT. LTD.
Since 1994
'AA' CLASS CONTRACTORS
ABOUT US
Since 1994, we are working as Contractors in various fields of Civil Construction work i.e. Industrial Projects, Residential & Commercial Complex, Hotels & Resorts, Institution & Campus Development, Real Estate Projects, Road and Bridge Projects.
R.S YADAV GROUP
Recent Success
Successfully handed over 3 Medical College and Hospital Projects at Udaipur, Raj. during Covid-19 Pandemic.
R.S YADAV GROUP
UNIQUE INFRA ENGINEERING INDIA PVT. LTD.
Unique NRG RMC
मंगलमूर्ति Residency
Mount Litera Zee School UDAIPUR
2ND, FLOOR - MAHAVEER COMPLEX, 5-C MADHUBAN, UDAIPUR (RAJ.)
www.uniqueinfra.co.in

नववर्ष, मकर संक्रांति व गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जनवरी 2023 वर्षः 20, अंकः 9

प्रत्यूष

अंदर के पृष्ठों पर...

जनादेश-22

गुजरात में मोदी मैजिक
पेज 06

वसंतोत्सव

तितली बन उड़े मन
पेज 18

खेल-खिलाड़ी

झारखंड की धरती से चमका एक ओर 'माही'
पेज 36

2023

Happy New Year

जीवन शैली

आनंद में जीना बढ़ा देता है जीवन - पेज 24

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

Happy New Year

SAH POLYMERS LIMITED

(Manufacturer of HDPE/PP Laminated & Unlaminated Woven Fabric, Sacks and F.I.B.C.)

E-260-261, M.I.A., Madri, Udaipur - 313003
Ph. : 0294-2490242, 2493889, TeleFax : 0294-2490534
E-Mail : info@sahpolymers.com, Website : www.sahpolymers.com

जनादेश-22 : न समझे वो...

गुजरात में 156 सीटों की बम्पर जीत से बल्ले-बल्ले हुई भाजपा इस साल चुनाव वाले राज्यों में भी भगवा लहराने की तैयारी में जुट गई है, तो हिमाचल विजय से मिली संजीवनी से कांग्रेस पूरे जोश से भाजपा के साथ मुकाबले के लिए अखाड़े में उतरने के लिए तैयार है। वैसे कांग्रेस की असली परीक्षा कर्नाटक, जम्मू-कश्मीर के साथ इस साल राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक सहित नौ राज्यों में होनी है। कर्नाटक मल्लिकार्जुन खरगे का गृह प्रदेश है, जिन्होंने हाल ही में सोनिया गांधी से अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का दायित्व संभाला है।

कर्नाटक में भाजपा ने कांग्रेस विधायकों में सेंध लगाकर सरकार बनाई थी। राजस्थान में कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व छत्तीसगढ़ में इसी पार्टी के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मप्र में भाजपा के शिवराज चौहान के सामने अपनी-अपनी सरकार बचाने की चुनौती होगी। जो इन राज्यों को जीत लेगा वही 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने दम पर परचम फहराने का दावा पेश करता दिखाई देगा।

गुजरात में भाजपा की धमाकेदार जीत हुई है। दिल्ली में सत्तारूढ 'आप' ने दिल्ली महानगर परिषद के चुनाव में भाजपा का पिछले 15 साल का कब्जा खत्म कर 250 के सदन में 134 सीटें लाकर मेयर का रूतबा भी हासिल कर लिया है लेकिन, गुजरात चुनाव में उसके उतरने से भाजपा पर कोई असर नहीं पड़ा, बल्कि कांग्रेस का जहाज डूब गया। कांग्रेस को वहां पिछले चुनावों में सम्मानजनक 77 सीटें मिली थीं, जबकि इस बार उसे मात्र 17 सीटों पर ही ठहर जाना पड़ा। दरअसल वहां अरविंद केजरीवाल ने चुनाव प्रचार में लोगों के मन में गहरे तक यह विश्वास जगा दिया कि कांग्रेस मुकाबले से बाहर है और टक्कर भाजपा-आप के बीच ही है। इससे कांग्रेस को वे वोट भी नहीं मिल पाए, जिन पर उसे अपने हक में ही बटन दबने का भरोसा था। भाजपा ने पिछले चुनाव से 2.5 प्रतिशत अधिक वोट हासिल किए और 57 सीटों की बढ़ोतरी की। नतीजे बताते हैं कि भाजपा का वोट बैंक स्थिर रहा और विपक्ष के वोट बंट गए। सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में 'आप' ने कांग्रेस को जबर्दस्त नुकसान पहुंचाया। इस बात को गुजरात में पार्टी प्रभारी एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी स्वीकार किया है। कांग्रेस के हक में आए नतीजे यह भी बताते हैं कि वह पिछले 60 साल में इस समय सबसे बुरे दौर में है। उसे यहां लोगों का दिल जीतने के लिए कुछ अतिरिक्त और नया करना पड़ेगा। क्योंकि गुजरात के नतीजे 'मौदी मैजिक' हैं और उसे कांग्रेस आंख-कान बंद कर दर किनार नहीं कर सकती।

भाजपा के गुजरात में बड़ी ताकत बनने के पीछे विपक्ष की कमजोरी को भी अहम कारण माना जाता है। गुजरात में राजनीति हमेशा दो राजनैतिक दलों की आमने-सामने लड़ाई बनी रही है। पिछले तीन दशकों से भाजपा और कांग्रेस के बीच गुजरात में सीधी टक्कर रही है। कांग्रेस ने लम्बे समय तक गुजरात के मतदाताओं को अपने से जोड़कर रखा, लेकिन पिछले दो दशकों से वह लगातार कमजोर होती गई है। अब उसके पास अहमद पटेल जैसे आम आदमी से जुड़े नेता भी नहीं रह गए हैं। कांग्रेस की इसी कमजोरी का लाभ भाजपा को हुआ और वह राज्य में अपराजेय बनती चली गई। कांग्रेस को चुनाव प्रचार का तरीका बदलना होगा। उसे व्यक्तिगत आक्षेपों से हटकर मुद्दों और नीतियों पर तर्क के साथ अपनी बात रखनी होगी। भाजपा ने चुनाव प्रचार में सिर्फ और सिर्फ 'विकास' की ही बात की। भाजपा ने उन सभी चीजों को नजदीक से देखा-परखा जो उसे नुकसान पहुंचा सकती थीं। पहले तो एंटी एनकंबेसी को भांपते हुए 10 माह पहले मुख्यमंत्री के साथ पूरे मंत्रिमंडल को बदला। इसके बाद असन्तुष्टों की बात सुनी और शिकायतों का निस्तारण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह ने अपने गृह राज्य में जमकर चुनाव प्रचार किया। प्रधानमंत्री ने तो इस चुनाव को अपनी और गुजरात की आस्मिता से ही जोड़ दिया था।

हिमाचल की बात करें तो वहां जनता ने हर पांच साल बाद होने वाले चुनाव में सरकार को बदल देने की अपनी पुरानी परम्परा को कायम रखते हुए भाजपा की जयराम ठाकुर सरकार को घर का रास्ता दिखा दिया और अपना हाथ कांग्रेस के हाथ को सौंप दिया। लाख कोशिशों के बावजूद भाजपा इस 'रिवाज' को नहीं तोड़ पाई। कांग्रेस ने 68 के सदन में 40 सीटें हासिल कर धमाकेदार जीत दर्ज की। भाजपा को मात्र 25 सीटों पर सन्तोष करना पड़ा। 'आप' खाता भी नहीं खोल पाई। यहां कांग्रेस ने स्थानीय मुद्दों पर ध्यान देने के साथ भाजपा की कमजोरियों को अच्छे से भुनाया। हिमाचल में भाजपा की ठाकुर सरकार गुटबाजी से भी दो-चार थी। रही-सही 'कसर' उसके विद्रोही प्रत्याशियों ने पूरी कर दी। भाजपा की हालत इस कदर बिगड़ी की पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नुड्डा व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के संसदीय क्षेत्रों में भी पार्टी का प्रदर्शन अत्यन्त निराशा जनक रहा।

हिमाचल में कांग्रेस की जीत ने पार्टी को संजीवनी अवश्य दी है, लेकिन चुनाव प्रचार और घोषणा-पत्र में उसने जो लोक-लुभावन वादे मतदाताओं से किए हैं, उन्हें पूरा करना टेढ़ी खीर होगा।

इन चुनावी नतीजों में इस बार किसी भी पार्टी ने ईवीएम को निशाना नहीं बनाया। हर पार्टी को अपने भीतर झांकने की चुनौती भी मिली है। भाजपा दिल्ली एमसीडी में 15 साल बाद हारी है, गुजरात में कांग्रेस का लगभग सफाया हो गया है और हिमाचल में भाजपा लाख कोशिशों के बाद भी अपनी सत्ता नहीं बचा पाई। हालांकि लोकतंत्र की ताकत किसी भी राज्य में किसी भी राजनैतिक दल के हारने या जीतने से खत्म नहीं हो जाती। राजनैतिक दलों के लिए अलबत्ता ये चुनाव खतरे की घन्टी तो कहे ही जा सकते हैं और इस बात की चुनौती भी देते हैं कि मतदातओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए। मतदाता और चुनाव क्षेत्र उनकी जागीर नहीं है और न ही लोकतंत्र के माध्यम से प्राप्त सम्मान अथवा पद उनकी बपौती है। जनता 'राजा' बनाती है तो 'किंग मेकर' भी वही रहेगी। नेता को अर्श पर पहुंचाने वाली जनता फर्श पर भी ला पटकती है। आने वाले चुनाव में यह बात सभी पार्टियों को समझनी होगी।

गुजरात में मोदी मैजिक

हिमाचल को 'हाथ' का साथ

गुजरात में दस्तक और एमसीडी पर कब्जे के बाद आप बनी राष्ट्रीय पार्टी

अमित शर्मा

गुजरात में भाजपा ने अब तक की सबसे बड़ी विजय हासिल करते हुए राष्ट्रीय राजनीति को नया संदेश दिया है। भाजपा कह सकती है कि इस जीत में नेतृत्व, नीति और नीयत के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की रणनीति शामिल है। कांग्रेस के लिए गुजरात में चुनौती बढ़ गई है, वहीं आम आदमी पार्टी ने वहां अपनी उपस्थिति दर्ज करा त्रिकोणीय राजनीति की प्रबल संभावनाएं पैदा कर दी हैं।

भाजपा के लिए गुजरात की महाविजय और हिमाचल प्रदेश का झटका नई उम्मीदों के साथ भविष्य की चुनौतियों के भी संकेत हैं। यह न केवल आने वाले साल में नौ राज्यों के विधानसभा चुनाव पर असर डालेंगे, बल्कि लोकसभा चुनाव तक इसका असर जाएगा। खासकर भावी सामाजिक–राजनीतिक रणनीति भी इससे प्रभावित होगी। इससे यह भी साफ हुआ है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व और गुजरात मॉडल का जादू बरकरार है। अगर कहीं कमी बेशी है तो राज्यों के नेतृत्व में है और उसे उनको दूर करना होगा, ताकि दिल्ली और हिमाचल प्रदेश जैसी स्थितियां न बनें। चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया है कि नेता, नीति व नीयत में सही सामंजस्य होने और न होने के नतीजे किस तरह के आते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकार्यता तो जनता के सिर चढ़कर बोलती है, पर एकजुटता न होने से कुछ जगह नतीजे प्रभावित भी होते हैं। गुजरात में सातवीं बार चुनाव जीतकर जहां भाजपा ने इतिहास रचा है, वहीं हिमाचल में तीन दशक का रिवाज बदलने में वह विफल रही है। गुजरात में भाजपा ने अपनी बादशाहत कायम रखी है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में उसे सत्ता गंवानी पड़ी है, कांग्रेस ने वहां बड़े अंतर से बहुमत हासिल किया है। तमाम आलोचनाओं के बावजूद गुजरात चुनावों ने साबित किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज भी राज्य में सबसे लोकप्रिय और बड़े नेता हैं, जो 27 साल की एंटी इनकंबेंसी पर भारी पड़ते हैं। गुजरात में यह सबसे बड़ी चुनावी जीत है, कभी माधो सिंह सोलंकी के समय कांग्रेस को 149 सीटें हासिल हुई थीं। हालांकि सोलंकी को मिले मत प्रतिशत का रिकॉर्ड भाजपा नहीं तोड़ पाई है। सोलंकी के समय कांग्रेस को 55.3 प्रतिशत वोट मिले थे, पर इस बार भाजपा को करीब 53 प्रतिशत वोट ही मिले हैं। भाजपा के गठन के समय 1980 में गुजरात में पार्टी को सिर्फ नौ सीटें मिली थीं और 42 वर्ष में वह 150 के पार पहुंच गई है। भूपेन्द्र भाई पटेल को इस बड़ी जीत का इनाम दुबारा मुख्यमंत्री पद के रूप में दिया गया है।

गुजरात

भाजपा	कांग्रेस	आप	अन्य
156	17	05	04
+57	-61	+05	-01

182 कुल सीटें

92 बहुमत

हिमाचल

कांग्रेस	भाजपा	आप	अन्य
40	25	00	03
+19	-19	00	00

68 कुल सीटें

35 बहुमत

कांग्रेस का हिमाचल प्रदेश में बड़ी जीत पर प्रसन्न होना स्वाभाविक है, होना भी चाहिए। भाजपा की झोली से एक राज्य निकल गया और कांग्रेस की झोली में एक राज्य की वृद्धि हो गई। कांग्रेस को अब ज्यादा चिंता इस बात की करनी चाहिए कि उसके वोटों में कोई भी पार्टी सेंध न लगा पाए।

हिमाचल से कांग्रेस को संतोष

गुजरात में पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को तगड़ी चुनौती देने वाली कांग्रेस इस बार 20 से भी कम सीटों पर सिमट गई है तो यह पार्टी के लिए गहरे चिंतन का समय है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में बड़ी जीत पर ज्यादा प्रसन्न होगी और उसे होना भी चाहिए। भाजपा की झोली में एक राज्य बढ़ा है। अब कांग्रेस के पास राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में अकेले दम पर सरकार हो जाएगी, इससे कांग्रेस का मनोबल निश्चित ही बढ़ेगा। वैसे कांग्रेस को अब ज्यादा चिंता इस बात की करनी चाहिए कि उसके वोटों में कोई भी पार्टी सेंध न लगा पाए। सोचना चाहिए, कैसे गुजरात में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस के वोट कब्जाए हैं, जबकि ऐसा हिमाचल प्रदेश में नहीं हो पाया। कांग्रेस विगत वर्षों में अपने वोटों की ज्यादा चिंता करती नहीं दिख रही है, जबकि राजनीति में पूछ-परख उसी की होती है, जिसके पक्ष में ज्यादा वोट होते हैं। प्रदेश में सुखविंदरसिंह सुक्खू को मुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस नेतृत्व ने बेशक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की है, पर इतने छोटे राज्य में पहली बार उप मुख्यमंत्री बनाने का फैसला संतुलन बनाने का ही उदाहरण है। दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह को मुख्यमंत्री बनाने से परिवारवाद को प्रश्रय देने का आरोप लगता, तिस पर दो-दो उपचुनाव भी कराने पड़ते, जिससे कांग्रेस बचना चाहती थी। उपमुख्यमंत्री पद के लिए उनके बेटे के नाम पर भी विचार न कर कांग्रेस नेतृत्व ने शायद यह संदेश देने की कोशिश की है कि विरासत के बजाय पार्टी जमीनी लोगों को महत्व देना चाहती है। इस फैसले को मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस में बदलाव की पहचान भी बताया जा रहा है। पर यह भी याद रखना चाहिए कि पंजाब में चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाकर ऐसा ही संदेश दिया गया था, जो विफल साबित हुआ।

मजबूत होती आप की पकड़

दिल्ली नगर निगम चुनाव के नतीजे पूरे देश के लिए रोचक और गौरतलब हैं। आम आदमी पार्टी ने 250 सीटों वाली निगम में 134 सीटों पर जीत दर्ज करने के साथ भारतीय जनता पार्टी को झटका दिया है। दिल्ली नगर निगम में साल 2007 से ही भाजपा का वर्चस्व था, इसलिए उसकी हार का जो महत्व है, उसे समग्र राजनीति के तराजू पर जरूर परखना चाहिए। भाजपा पहले राष्ट्रीय राजधानी में लोकसभा चुनाव और नगर निगमों में हावी थी, लेकिन अब वह स्थानीय शासन-प्रशासन से पूरी तरह बाहर हो गई है। न निगम पास में हैं, न विधानसभा, अब लोकसभा सांसदों को जो परेशानी होगी, उसका अनुमान लगाया जा सकता है। बहुमत

किसे कितने प्रतिशत वोट

गुजरात

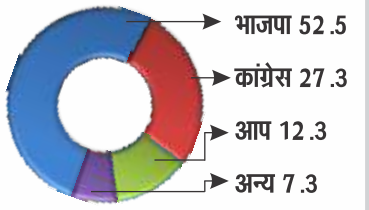

हिमाचल

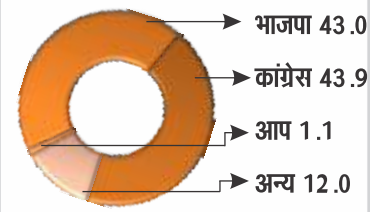

से 22 सीटें कम, मतलब 104 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बात से संतोष कर सकती है कि उसका मत प्रतिशत बढ़ा है, पर नगर निगम में सत्ता का हाथ से निकल जाना, उसे दिल्ली की जमीन पर कुछ कमजोर जरूर कर देगा। भाजपा की सशक्त केंद्रीय सत्ता के ठीक नाक तले आप की यह जीत बहुत चौकाती नहीं है, लेकिन इस जीत से पार्टी को अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों का एहसास जरूर होना चाहिए।

लगभग आठ वर्ष के समय में दिल्ली में यह पार्टी की चौथी चुनावी जीत है। मेहनत और चतुराई भरी राजनीति से ही वह इस मुकाम पर पहुंची है। वर्ष 2022 की शुरुआत में पार्टी ने धमाकेदार जीत के साथ पंजाब में सरकार बनाई थी। नगर निगम के चुनावी नतीजों ने साबित किया है कि दिल्ली में भाजपा भले ही मजबूत है, लेकिन यहां के लोगों को आप से ज्यादा उम्मीदें हैं। दिल्ली में कांग्रेस के लिए भी यह गहरे चिंतन का समय है। शीला दीक्षित के समय की सशक्त कांग्रेस महज नौ सीटों तक सिमट आई हैं, इस बार कांग्रेस के मत प्रतिशत में नौ प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। दिल्ली में आप ने भाजपा की नाक के नीचे से सत्ता छीन ली, जबकि गुजरात में प्रधानमंत्री के गृह राज्य में उसने धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई है। ऐसा करके वह भाजपा के सामने एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी है। हालांकि भाजपा यह सोचकर फिलहाल संतुष्ट हो सकती हैं कि सबसे बड़ा दल होने के कारण वह देश में शीर्षस्थ है, और यह जंग आप और कांग्रेस में विपक्ष की मुख्य धुरी बनने को लेकर है। इससे कुछ समय तक उसे बेशक कोई फर्क न पड़े, लेकिन आगे की राजनीति के लिए उसे संजीदा होना होगा। आम आदमी पार्टी गुजरात चुनाव के बाद अब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल बनकर उभरी है। अपने जन्म से केवल दस साल के अंदर राष्ट्रीय पार्टी की हैसियत हासिल करना किसी भी पार्टी के लिए अभी तक संभव नहीं हुआ था।

अब आठ राष्ट्रीय पार्टियां

पार्टी	स्थापना	राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा
आदमी आदमी पार्टी (आप)	अक्टूबर 2012	2022
नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी)	2013	जून 2019
तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)	1998	सितम्बर 2016
नेशनल कांग्रेस पार्टी (एनसीपी)	1999	2004
बहुजन समाज पार्टी (बसपा)	1984	2004
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)	1980	1980-84 के बीच
कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया-मार्क्सवादी (सीपीआई-एम)	1925	1952
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आईएनसी)	1885	जून 1952

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

4 वर्ष

जनसेवा, सबका सम्मान
आगे बढ़ता राजस्थान

सेवा ही कर्म, सेवा ही धर्म

"राज्य की संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सरकार के सफल 4 वर्ष पूर्ण होने पर, मैं सभी को हार्दिक बधाई देते हुए प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-समृद्धि, स्वस्थ जीवन और चहुंमुखी विकास की कामना करता हूं। आइए, हम सब मिलकर राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं संकल्पबद्धता से अपने कदम बढ़ाएं और मन, वचन व कर्म से इसमें सहभागी बनकर अपनी भूमिका निभाएं।"

अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान

मॉडल स्टेट राजस्थान

मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना
₹10 लाख का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा एवं ₹5 लाख का दुर्घटना बीमा। अब तक 27.60 लाख मरीजों को ₹3195 करोड़ का निःशुल्क इलाज।

ओल्ड पेंशन स्कीम
1 जनवरी 2004 से नियुक्त हुए सभी सरकारी कर्मचारियों को पूर्व पेंशन योजना (ओपीएस) लागू।

सरकारी नौकरी
1.38 लाख सरकारी नौकरी दी गई। 1.21 लाख सरकारी भर्तियां प्रक्रियाधीन। 1 लाख अतिरिक्त पदों पर भर्ती प्रस्तावित।

इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना
शहरों में 100 दिन के रोजगार की गारंटी। अब तक 3 लाख 50 हजार जॉब कार्ड जारी।

राजीव गांधी ग्रामीण ओलम्पिक खेल
दुनिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन। लगभग 30 लाख लोगों ने लिया भाग। शहरी ओलम्पिक खेल 26 जनवरी, 2023 से। ये खेल प्रतिवर्ष आयोजित होंगे।

पालनहार योजना
अनाथ एवं अन्य पात्रतानुसार बच्चों को प्रतिमाह ₹500 से ₹2500 की आर्थिक सहायता। अब तक 5 लाख 54 हजार बच्चे लाभान्वित।

राजीव गांधी स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस
प्रतिवर्ष 200 बच्चों की विदेश में पढ़ाई का खर्च सरकार द्वारा वहन।

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल
राज्य में 1670 अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में गुणवत्तायुक्त शिक्षा।

बालिकाओं को स्कूटी वितरण
स्कूल व कॉलेज जाने वाली 20,000 बालिकाओं को प्रतिवर्ष स्कूटी का वितरण।

मुख्यमंत्री निःशुल्क यूनिफॉर्म वितरण योजना
राजकीय विद्यालयों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के दो सैट निःशुल्क।

मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना
राजकीय विद्यालयों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को हर मंगलवार व शुक्रवार को दूध वितरण।

टेक्नोलॉजी से विकास
यूनीक आईटी इंस्टीट्यूट-राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट, जोधपुर।
मेडि-टेक, क्लाइमेट टेक एवं एग्रीटेक आदि की उन्नत तकनीकों पर रिसर्च के लिए-राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड लर्निंग, जयपुर।
स्टार्टअप्स के लिए प्लग एंड प्ले फेसिलिटी-जयपुर, जोधपुर एवं कोटा में राजीव गांधी नॉलेज इनोवेशन हब।
फिनिशिंग स्कूल-R-CAT.

सामाजिक सुरक्षा पेंशन
वृद्धजन, विशेष योग्यजन, विधवा, एकल नारी सहित लगभग एक करोड़ लोगों को दी जा रही है पेंशन।

सस्ती घरेलू बिजली
38.18 लाख परिवारों का बिजली बिल शून्य।

किसानों को सस्ती बिजली
कृषि बिजली दर में कोई वृद्धि नहीं, इसके लिए ₹16 हजार करोड़ का वार्षिक अनुदान।

मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना
किसानों को कृषि बिजली कनेक्शनों पर ₹1000 प्रतिमाह का अतिरिक्त अनुदान। 8 लाख किसानों का बिजली बिल शून्य।

उड़ान योजना
बालिकाओं व महिलाओं को प्रतिमाह 12 सैनिटरी नैपकिन निःशुल्क। लगभग 1.45 करोड़ किशोरियां एवं महिलाएं लाभान्वित।

इंदिरा रसोई
₹8 में पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन। प्रदेश में 951 इंदिरा रसोई संचालित। राज्य सरकार द्वारा प्रति थाली ₹17 का अनुदान।

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना
दूध उत्पादकों को प्रति लीटर ₹5 का अनुदान। अब तक कुल ₹718 करोड़ का अनुदान।

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

उपलब्धि मूलक चार साल

सरकार के खिलाफ कोई माहौल नहीं

अशोक गहलोत,
मुख्यमंत्री राजस्थान

ओल्ड पेंशन स्कीम का भार 25 साल बाद पड़ेगा। जो कर्मचारी 35 साल सरकार की सेवा करता है, उसकी सुरक्षा क्यों नहीं हो? अब जमाना सोशल सिक्योरिटी का है। विकसित देशों में सप्ताह में पैसा मिलता है। अब वक्त आ गया है कि प्रधानमंत्री मोदी देश में सोशल सिक्योरिटी लागू करें।

राजस्थान में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस फिर सरकार बनाएगी। पिछले चार साल में सरकार के खिलाफ कोई माहौल नहीं है। आमतौर पर सरकार के खिलाफ माहौल बन ही जाता है। लेकिन, यह पहला मौका है जब सरकार के खिलाफ कोई माहौल नहीं है। इससे बड़ी सरकार की उपलब्धि क्या होगी। बावजूद इसके विपक्ष के लोग सरकार के मंत्री और विधायकों के बारे में अफवाहें फैला रहे हैं। योजनाओं के बारे में कई बार विपक्ष के साथी और लोग पूछते हैं कि पैसा कहां से आएगा तो मैं मजाक में कह देता हूं कि 'जादू से आएगा, लेकिन पैसा जादू से नहीं, हमारे शानदार वित्तीय प्रबंधन से आ रहा है और आएगा। पीएम मोदी ने नरेगा को स्मारक कहा था। वह स्मारक ही मुश्किल वक्त में काम आया और आज भी काम आ रहा है। हमने नरेगा से आगे बढ़कर शहरी नरेगा शुरू की है। राजस्थान पहला राज्य है, जहां शहरी रोजगार गारंटी योजना शुरू हुई है। नरेगा ने देश के जरूरतमंद लोगों की मदद करने और मुश्किल वक्त में इकोनॉमी को संभालने, परचेसिंग पावर बढ़ाने में बड़ी भूमिका अदा की है। ईस्टर्न राजस्थान कैनाल (ई.आर.सी.पी.)13 जिलों है, वहां पानी का भारी संकट होने से काम शुरू करने का फैसला किया गया तो अब कह रहे हैं, बंद कर दो। यह कहने की हिम्मत कैसे हो गई उनकी। हमने 9500 करोड़ का प्रावधान कर दिया। ओल्ड पेंशन स्कीम का भार 25 साल बाद पड़ेगा। जो कर्मचारी 35 साल सरकार की सेवा करता है, उसकी सुरक्षा क्यों नहीं हो? अब जमाना सोशल सिक्योरिटी का है। विकसित देशों में सप्ताह में पैसा मिलता है। अब वक्त आ गया है कि प्रधानमंत्री मोदी देश में सोशल सिक्योरिटी लागू करें। केंद्र 200 रूपए की बुजुर्ग पेंशन देता है, 200 रूपए में क्या होता है? पूरे देश में नीति बने और सबको कम से कम 2000 से 3000 रूपए पेंशन मिले। इसमें आधा पैसा केंद्र सरकार और आधा राज्य दे। कर्मचारियों के लिए हमने ओपीएस लागू की, इसका विरोध भी हो रहा है। नीति आयोग ने विरोध किया, वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह ने विरोध भी किया है। दुनिया के कई अर्थशास्त्री इसका विरोध कर रहे हैं। खुद प्रधानमंत्री ओपीएस के खिलाफ हैं। हिमाचल की पूर्व भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री दिल्ली में जाकर सबके सामने गिड़गिड़ाए कि हमें ओल्ड पेंशन लागू करने दो, नहीं तो चुनाव हार जाएंगे। उनकी एक नहीं सुनी गई और हिमाचल के नतीजों के एक दिन बाद एनके सिंह का स्टेटमेंट आ गया इसके खिलाफ। पीएम तो इसके शुरू से खिलाफ हैं।

(राजस्थान सरकार के 17 दिसम्बर को चार साल पूर्ण)

भंवरलाल नागदा
(पूर्व सरपंच, खरका)
Mob. 9460830849
रमेश नागदा
(बीमा अभिकर्ता)
Mob. 9414158306

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

कैलाश नागदा
9799652244
ललित नागदा
9414685029
देवेन्द्र नागदा
9602578599
रवि नागदा
9929966942

रवि मेडिकल स्टोर, उदयपुर

महाराणा भूपाल चिकित्सालय (जनरल हॉस्पिटल)
के सामने, उदयपुर, फोन : 0294-2412464

सम्बन्धित फर्म : रवि मेडिकल स्टोर, सलूम्बर एवं लसाड़िया

दीपक नागदा
मो.: 9602578599

जय इलेक्ट्रीकल्स

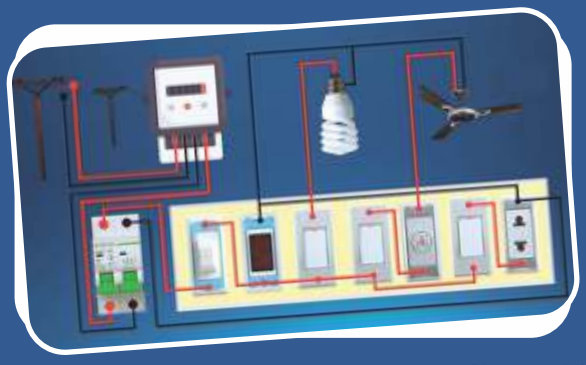

लाइट फिटींग एवं इलेक्ट्रीक
सामान के रिटेल
एवं होलसेल विक्रेता

स्वामी नगर, 100 फीट रोड, पानेरियों की मादड़ी, उदयपुर

अब नहीं करेंगे बर्दाश्त

वेदव्यास

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 26 जनवरी, 1950 को संविधान सभा में अपने अंतिम संबोधन में कहा था कि-'आज से हम अंतर्विरोधों की दुनिया में प्रवेश करने जा रहे हैं। अब से राजनीति के क्षेत्र में समानता होगी लेकिन हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन में असमानता रहेगी। आज से हम राजनीति में एक व्यक्ति, एक वोट और एक मूल्य को अपनाने जा रहे हैं लेकिन हम अब अपने सामाजिक और आर्थिक ढांचे के वर्तमान स्वरूप के चलते एक व्यक्ति-एक मूल्य की अवधारणा को नकारने जा रहे हैं। हमें पता नहीं कि कब तक हमें यह अंतर्विरोधों का जीवन जीना पड़ेगा। हमें यह भी पता नहीं है कि हम कब तक अपने सामाजिक और आर्थिक जीवन में असमानता को बढ़ावा देते रहेंगे।' डॉ. अंबेडकर ने इसी क्रम में आगे कहा कि-'यदि हम इसी तरह सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में समानता को नकारते रहेंगे तो निश्चय ही हमारा राजनीतिक लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। यदि हम जल्द से जल्द इस सामाजिक-आर्थिक असमानता को समाप्त नहीं करेंगे तो वह लोग जो असमानता और अंतर्विरोधों का जीवन जी रहे हैं, इस लोकतंत्र के ढांचे को ध्वस्त कर देंगे जिसे इस संविधान सभा ने बड़ी मेहनत से बनाया है।'

आज देश में राजनीतिक लोकतंत्र के 75 वर्ष पूरे होने पर भी हमें वही कुछ दिखाई दे रहा है जो 75 वर्ष पहले डॉ. अंबेडकर ने कहा था। हम आज भी सामाजिक और आर्थिक असमानता और अंतर्विरोधों के दलदल में फंसे हैं। संविधान निर्माताओं ने अपने हितों की सुरक्षा के लिए संपन्न वर्ग को असमानता की यथास्थिति बनाए रखने के सारे अवसर दे रखे हैं। हमने गांधी के अर्थशास्त्र और ग्राम स्वराज को छोड़ दिया है और धीरे-धीरे समाज की बहुत बड़ी आबादी को गरीबी, अशिक्षा, बीमारी और अत्याचारों के हाशिए पर खड़ा कर दिया है। हमारी चुनाव प्रणाली ने भ्रष्टाचार को राजनीति की संजीवनी बना दिया है तथा अल्पसंख्यक और आदिवासी जनजातियों को गुलामी की जंजीरों में जकड़ दिया है। हमने सत्ता की केंद्रीय राजनीति से समाज में चारों तरफ अराजकता फैला दी है। हमने आर्थिक क्षेत्र में ढांचागत समायोजन की नीतियां बनाकर मनुष्य को उसके बुनियादी अधिकारों से वंचित कर दिया है। इसलिए मैं जब डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति और तस्वीर से रू-ब-रू होता हूं तो अपने आप से यही एक सवाल पूछता हूं कि-कहां गए संविधान में वर्णित राज्य के वे नीति निर्देशक सिद्धांत, जो कहते हैं कि-इस देश के सभी नागरिकों को जीवन जीने के समान अवसर मिलेंगे। हमारी आर्थिक नीतियां पूंजी और संपदा का विकेंद्रीकरण करेंगी। दस वर्ष के भीतर राज्य सभी 14 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा मुहैया कराएगा। राज्य समाज के शैक्षणिक और आर्थिक हितों की रक्षा करेगा ताकि गरीब और वंचित अनुसूचित जातियां व जनजातियां सामाजिक, आर्थिक असमानता एवं शोषण से निजात पा सकें। लेकिन अब पता नहीं कि वह दिन कब आएगा, जब राज्य सत्ता आमदनी और श्रेणियों को कम से कम करने का प्रयास करेगी और वह सवेरा कब होगा जब गरीब को मुफ्त कानूनी सहायता मिलेगी और पंचायतों को अधिकार और दायित्व संपन्न बनाया जाएगा।

75 वर्ष तक आरक्षण की रथयात्राएं निकालने के बाद भी आज अनुसूचित जातियों पर सबसे अधिक अत्याचार पिछड़ी जातियों के नए आरक्षण मांगने वाले जाति वर्ग ही कर रहे हैं। अनुसूचित जाति के विधायकों को आज भी यही शिकायत है कि उनकी जाति के अधिकारियों को लाभ के पद नहीं दिए जा रहे हैं। सामाजिक-आर्थिक स्वार्थों की तो अब यह पराकाष्ठा है कि पुलिस का थानेदार अपनी पोस्टिंग ग्रामीण थानों में ही करवाने के लिए विधानसभा तक में हल्ला मचवा रहा है। समाज के विकास के लिए हीरे जवाहरात का व्यापार करने वाला जौहरी, बिना रसीद के फीस लेने वाला वकील, बिना लिखत-पढ़त के इलाज, धन वसूलने वाला डॉक्टर और बिना हिसाब-किताब के ट्रक दौड़ाने वाला ट्रांसपोर्टर भी सरकार को सेवा शुल्क के खाते में फूटी कौड़ी भी देना नहीं चाहता बल्कि उल्टे आंदोलन करके अदालत, अस्पताल और यातायात को ही ठप कर देना चाहता है। उद्योग, व्यापार, सरकारी सेवा और कमाई में लगे सभी वर्ग सरकार से सुरक्षा और विकास तो चाहते हैं लेकिन घर से कुछ भी देना नहीं चाहते। बहरहाल, इस वातावरण के बढ़ते तापमान से हमें यही लगता है कि राज चाहे जिसका हो लेकिन

अनुसूचित जाति का दूल्हा ही घोड़ी से उतारा जाएगा।

सरकार बदल जाती है लेकिन किसी अंबेडकर का भाग्य नहीं बदलता। गांव में आज भी सबल ही निर्बल को काट रहा है। किसी भी साल का हिसाब उठाकर देखा जाए तो यही पता चलेगा कि सामाजिक और आर्थिक उत्पीड़न बढ़ा है और सामाजिक न्याय मांगने वाले नंगे पैर-सिर के लोग ही इस राजनीतिक लोकतंत्र में सबसे अधिक पिट रहे हैं। इसीलिए समझदार लोग आज यह कह रहे हैं कि-मुंबई शहर मलाबार की पहाड़ियों से भले ही सुंदर दिखता हो लेकिन वह धारावी झुग्गी झोपड़ियों में बसी गंदगी को नहीं छिपा सकता। जयपुर शहर भले ही इसके जौहरी बाजार को देखकर दुनिया का गुलाबी शहर लगता हो किंतु वह अपनी 240 गंदी बस्तियों से अलग होकर कभी नहीं समझा जा सकता। इसी कारण सिविल लाइंस की हरियाली में और झालाना डूंगरी की झोंपड़पट्टी में बैठी बदहाली में जमीन-आसमान का फर्क है। ठीक वैसे ही जैसा डॉ. अंबेडकर ने संविधान लिखते समय सोचा था और आज हम उसे देख रहे हैं। अब जब समाजवादी, लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता जैसे शब्द महज एक शोभा की चीज बन गए हैं तब हमें

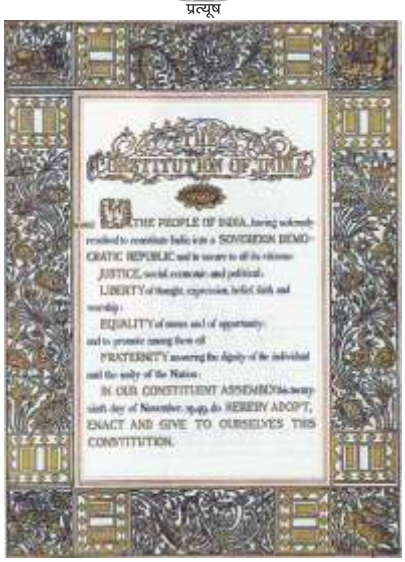

शिक्षित, संगठित और संघर्षशील बनने से भला कौन कैसे रोक पाएगा। जहां अंबेडकर हमारे संविधान में सामाजिक और आर्थिक समानता के प्रतीक हैं, वहां वह असमानता के खिलाफ जारी युद्ध के पर्याय भी हैं। आरक्षण और मलाई वाले वर्ग-पिछले 75 वर्ष की अन्यायपूर्ण शासन प्रणालियों में बेमानी हो गए हैं। अब तो विश्व अर्थव्यवस्था के दौर में और उदारीकरण, निजीकरण तथा भूमंडलीकरण के चक्रव्यूह में जाति और संप्रदाय ही नहीं अपितु राष्ट्रों की प्रभुसत्ता और जन संस्कृति भी गुलामी के मुक्त बाजार में घुटनों के बल चलने लगी है। अंबेडकर को आज इस बात का अफसोस है कि उनका संविधान असफल नहीं हुआ लेकिन भारत का शासक वर्ग अपनी जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह भ्रष्ट और अपराधी साबित हो गया है।

बहुत पहले उन्होंने कहा था कि-भारत की धरती पर लोकतंत्र एक दिखावटी और सजावटी चीज है क्योंकि वह शताब्दियों से अलोकतांत्रिक है और असमानता एवं अंतर्विरोधों से भरा पड़ा है। यहां एक समाज श्रेणियों, वर्गों, पंगतों, दीवारों और जात-पात में बँटा हुआ है और इसका एक ही अर्थ और लक्ष्य है कि-कुछ को ऊपर उठाओ और बहुतों को नीचे दबाओ। इसी कारण हमारे भारतीय समाज में 20 प्रतिशत आबादी अधिकार और विकास के स्वर्ग में रहती है और 80 प्रतिशत बहुजन समाज विषमता और असमानता के अंधेरे में रहता है। अत: लोकतंत्र में 'स्वतंत्रता, समानता और सामाजिक न्याय का जागरण और संघर्ष 'ग्रामीण गणराज' से होना चाहिए क्योंकि संविधान की रक्षा यहां राष्ट्रपति भवन और संसद में नहीं होती अपितु एक अंबेडकर के घर से और उसके आंसुओं से शुरू होती है।

Gajendra Chordia
Director
99288 93939

HAPPY NEW YEAR

Pankaj Goyal
Manager-Oprations
91166 11939

GURUDEV
ENTERPRISES
A Complete Beverage House

For Order: 88900 33939

Depot: Opp. CPS School, New Bhopalpura, Udaipur (Raj) 313 002
gurudeventerprises.udr@gmail.com gajendrajain19@gmail.com

गतिशीलता का उत्सव मकर संक्रांति

मकर संक्रांति के दिन राशि चक्र में महत्वपूर्ण बदलाव होता है। यह बदलाव पृथ्वी की गतिशीलता को दर्शाता और हमें संदेश देता है कि जीवन इसी गतिशीलता पर आधारित और पोषित है।

भारत में मकरसंक्रांति एक बेहद महत्वपूर्ण त्योहार है। संक्रांति का शाब्दिक अर्थ है- गति या चाल जीवन हमेशा गतिशील होता है। यह पृथ्वी भी गतिशील है। इसी का नतीजा है कि यहां जीवन उपजा है। अगर यह स्थिर होती तो इस पर जीवन होना संभव नहीं था, इसलिए इस सृष्टि की गतिशीलता में हर प्राणी शामिल है। लेकिन निश्चलता या स्थिरता की कोख से ही गति का जन्म होता है। जिसने अपने जीवन की निश्चलता का अहसास न किया हो, जिसने अपने अस्तित्व की स्थिरता को महसूस न किया हो, वह गति के चक्करों में पूरी तरह से खो जाता है।

मकर संक्रांति वह दिन है, जब राशिचक्र में महत्वपूर्ण बदलाव होता है। इस गतिशीलता से जो नए बदलाव होते हैं, वे हमें धरती पर दिखाई देते और महसूस होते हैं। साल भर में कई संक्रांतियां होती हैं। हर बार जब राशि चक्र बदलता है तो उसे संक्रांति कहते हैं, जिसका मतलब धरती की गतिशीलता को पहचानना और एहसास करना है कि हमारा जीवन इसी गतिशीलता पर आधारित है। अगर यह गतिशीलता रुक जाए तो हमारे जीवन से जुड़ा सब कुछ रुक जाएगा।

इस धरती से हमें जो मिलता है, उस संदर्भ में गतिशीलता बहुत महत्वपूर्ण है। एक समय ऐसा था, जब इंसान केवल वही खा सकता था, जो धरती उसे देती थी। इसके बाद

सद्गुरू जग्गी वासुदेव

हमने सीखा कि कैसे हम इस धरती से वो हासिल करें, जो हम चाहते हैं। यह प्रक्रिया कृषि कहलाई। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप नवजात शिशु थे तो आपकी मां आपको जो देती थी, बस आप वही खाते थे। जब आप बच्चे हो गए तो आप अपनी मनचाही चीजें मांगने लगे। फिर जब आप कुछ बड़े हो गए तो वो सब मांगने और पाने लगे, जो आप चाहते थे। अगर आप अपनी मांग को एक हद से ज्यादा बढ़ाने की कोशिश करते हैं तो पहले मिलने वाली चीजें तो नहीं मिलेंगी, हां कुछ दूसरी चीजें जरूर मिल सकती हैं। यही औद्योगीकरण है। कृषि वह है, जिसमें आप अपनी मां से अपनी मनचाही देने की खुशामद करते हैं, जबकि औद्योगीकरण में आप अपनी मांगों से उसे आहत और छिन्न-भिन्न कर देते हैं। मैं किसी चीज के खिलाफ नहीं बोल रहा। मैं चाहता हूं कि आप उस तरीके को समझें, जिससे हमारा दिमाग और इंसानी गतिविधियां एक स्तर से दूसरे स्तर तक संचालित होते हैं।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि आज हम जो कुछ भी हैं. वो सब इसी धरती. से ही लिया हुआ है। मैं देखता हूं कि आज दुनिया में हर तरफ लोग देने की बात कर रहे हैं। अगर आप कुछ कर सकते हैं तो वह है सिर्फ लेना। क्या आप इस दुनिया में अपनी संपत्ति के साथ कहीं और से आए हैं? आपके पास देने के लिए है क्या? आप सिर्फ ले सकते हैं। हर चीज आपको यहीं से मिली है। उसे समझदारी से ग्रहण करें, बस इतना ही काफी है। मकर संक्रांति को फसलों से जुड़े त्योहार या पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। दरअसल यही वह समय है, जब फसल तैयार हो चुकी है और हम उसी की खुशी

मकर संक्रान्ति हिन्दुओं का प्रमुख पर्व है यह पर्व धर्म, दर्शन, विज्ञान और प्रकृति का मिलन स्थल है। मकर संक्रान्ति का पर्व पूरे भारत और नेपाल में किसी न किसी रूप में मनाया जाता है। पौष मास में जब सूर्य मकर राशि पर आता है तभी इस पर्व को मनाया जाता है। यह त्योहार हमेशा जनवरी माह के चौदहवें या पन्द्रहवें दिन ही पड़ता है, क्योंकि यह आस्था नहीं ज्योतिषीय काल गणना पर आधारित है। वास्तव में इसी दिन सूर्य धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर संक्रान्ति के दिन से ही सूर्य की उत्तरायण गति भी प्रारम्भ होती है इसलिये इस पर्व को कहीं –कहीं उत्तरायणी भी कहते हैं।

तथा उत्सव मना रहे हैं। इस दिन हम हर उस चीज का आभार प्रकट करते हैं, जिसने खेती करने व फसल उगाने में मदद की है। कृषि से जुड़े पशुओं का खेती में एक बड़ा योगदान होता है, इसलिए मकर संक्रांति का एक दिन उनके लिए भी होता है। पहला दिन धरती का होता है, दूसरा दिन हमारा होता है और तीसरा दिन मवेशियों का। देखिए, उनकी जगह हमसे ऊपर इसलिए रखी गई है, क्योंकि हमारा अस्तित्व उन्हीं से है। वे हमारी वजह से नहीं है, हम उनकी वजह से हैं। अगर हम धरती पर नहीं होते तो वे सब आजाद और खुश होते। लेकिन वो अगर यहां नहीं होते तो हम जीवित नहीं होते। इसलिए यह फसलों का त्योहार गतिशीलता के महत्व को समझने के लिए है। लेकिन निश्चलता ही गति की बुनियाद है। जब कोई इंसान अपने भीतर की स्थिरता से संबंध जोड़ने की कोशिश करता है, तभी वह गतिशीलता का आनंद जान सकता है, वरना इंसान जीवन की गतिशीलता से घबरा जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंसान को बदलाव से दिक्कत है। दरअसल वह समझना नहीं चाहता कि बदलाव ही जीवन है। आप गतिशीलता का तभी आनंद ले पाएंगे, जब आपका एक पैर स्थिरता में जमा होगा। अगर आपको स्थिरता का अहसास है तो गतिशीलता आपके लिए सुखद अनुभूति होगी। लोग इस गति के पीछे की चीजों को समझने की कोशिश कररहे हैं। कभी तारों को देख कर तो कभी अपने हाथों की लकीरों में अपने जीवन की गतियों और चाल को समझना चाहते हैं। गतिशीलता के साथ यह संघर्ष इसलिए हो रहा है, क्योंकि लोगों को स्थिरता का जरा भी अनुभव नहीं है। गतिशीलता का अर्थ है विवशता और निश्चलता का मतलब है चेतना।

***तमिलनाडु** में मकर संक्रांति को पोंगल के नाम से जानते हैं। जबकि राजस्थान, कर्नाटक, केरल तथा आंध्र प्रदेश में इसे केवल संक्रांति ही कहते हैं। इन सभी प्रदेशों में संक्रांति या पोंगल के दिन नए चावल के खाने का रिवाज है जो कि कुछ कुछ वैसा ही है जैसा उत्तर भारत में खिचड़ी का। पूरे उपमहाद्वीप में सबसे बड़ा मकर संक्रांति का स्नान पश्चिम बंगाल के गंगा सागर में होता है। इस दिन गंगा सागर एक दिन के लिए तीर्थराज प्रयाग का पर्याय बन जाता है और सुबह सूर्य की किरणों के निकलने के पहले तक लाखों लोग स्नान कर चुके होते हैं। मकर संक्रांति के दिन गंगा सागर का द्वीप जन समुद्र में परिवर्तित हो जाता है। इस दिन लोग अपनी धार्मिक आस्था और विश्वास के मुताबिक तीर्थस्थलों में स्नान करके दान देते हैं। दान देने के बाद तिल, घी, मिष्ठान और कन्दमूल खाते हैं। पूरे भारत में लोग स्थानीय नदियों और पवित्र सरोवरों में डुबकी– लगाते हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में यह मुख्य रूप से दान का पर्व है। इलाहाबाद में यह पर्व माघ मेले के नाम से जाना जाता है। 14 जनवरी से प्रयागराज में हर साल माघ मेले की शुरूआत होती है। बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर पूर्व और उड़ीसा में भी मकर संक्रांति के दिन आमतौर पर चावल खाने का चलन है चाहे खिचड़ी के रूप में और चाहे किसी और रूप में। इस दिन उड़द, चावल, तिल, चूड़ा, गो, सुवर्ण, ऊनी वस्त्र, कम्बल आदि का दान दिया जाता है और माना जाता है कि ये चीजें दान देने से पुण्य ज्यादा होता है।*

–पं. हीरालाल नागदा

Ravi Gorwani
Director

॥ जय झूलेलाल ॥

Mob.: 9460828897
8875078128

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

Raj Readymade Centre

Dhanmandi, Teej Ka Chowk, Udaipur (Raj.) 313001

फिल्म से राजनीति और 'भारत रत्न' तक का सफ़र

1944 में परियार (जस्टिस ईवी रामास्वामी) ने गैर राजनैतिक जस्टिस पार्टी (1916 में बनी) को नया नाम दिया। द्रविड़ कझगम और स्वतंत्र राज्य द्रविड़नाडु की मांग की। मगर पेरियार और अन्नदुराई के मतभेदों से पार्टी टूटी। अन्नादुराई ने नई पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) बनाई और हिंदी विरोध का झंडा उठा कर 1956 में राजनीति में प्रवेश किया। यही डीएमके बाद में एमजीआर की बगावत के बाद टूटी और मौजूदा एआइएडीएमके अस्तित्व में आई, जिसने एमजी रामचंद्रन और जे.जयलिलता जैसे दो कलाकारों को सिनेमा की दुनिया से सूबे की सियासत की सबसे ऊंची कुर्सी पर बिठाया।

गणेशनंदन तिवारी

जिंदगी इम्तिहान लेती है और मरूधर गोपालन रामचंद्रन ने एक नहीं दो बार इम्तिहान दिए और 'भारत रत्न' तक का सफर तय किया। जिंदगी के इन इम्तिहानों में उनके दो प्रगाढ़ मित्र उनके विरोधी बने और एक ने तो उन पर जानलेवा हमला तक कर दिया था।

एमजीआर की पहली फिल्म 'सती लीलावती' (1937) के हीरो थे एमआर राधा और पहली हिट फिल्म 'मंतिरी कुमारी' (1950) के लेखक थे करूणानिधि (जो तमिलनाडु के मुख्यंमंत्री बने)। दोनों के साथ एमजीआर ने लगभग 12 फिल्मों में काम किया। मगर जिंदगी ने ऐसा इम्तहान लिया कि यही दोनों बाद में एमजीआर के विरोधी बने।

12 जनवरी, 1967 को एक नई फिल्म के सिलसिले में राधा फिल्म निर्माता केएन वासु के साथ एमजीआर से मिलने गए। बातचीत के बीच अचानक राधा उठे और दो गोलियां एमजीआर पर दाग दीं। गोलियां कान को छूती हुई एमजीआर की गर्दन में लगीं। इसके बाद राधा ने आत्महत्या की कोशिश की मगर उन्हें बचा लिया गया। एमजीआर को अस्पताल में दाखिल करवाया गया। जंगल की आग की तरह एमजीआर को गोली मारने की खबर फैल गई। एमजीआर के प्रशंसक सड़कों पर उतर आए। भीड़ अस्पताल के सामने एकत्रित हो गई। जब तक एमजीआर अस्पताल में रहे उनके प्रशंसक सलामती की दुआएं करते रहे। किसी अभिनेता और उसके प्रशंसकों का इतना प्रगाढ़ रिश्ता, तब भी देखने को मिला था, जब अमिताभ बच्चन 'कुली' के सेट पर घायल होकर अस्पताल में भर्ती थे। ऑपरेशन के बाद एमजीआर ठीक तो हो गए मगर उनके बाएं कान ने सुनने की क्षमता खो दी और उनकी आवाज में भी अजीब-सा बदलाव आ गया।

एमजीआर के दूसरे अभिन्न मित्र करूणानिधि ने एमजीआर के करिअर को नया मोड़ देने वाली तमिल फिल्म 'मंतिरी कुमारी' के अलावा एमजीआर के लिए खासतौर से ऐसी पटकथाएं तैयार की, जिनमें वे गरीबों के मसीहा के तौर पर सामने आए। उन फिल्मों की सफलता ने डीएमके को मजबूत बनाने का काम किया। 1969 में करूणानिधि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। इसके बाद जब 1972 में करूणानिधि ने यही तरीका अपनाते हुए अपने बेटे एमके मुथु को सिनेमा की दुनिया में उतारा, तो करूणानिधि और एमजीआर के बीच मतभेद गहरा गए। एमजीआर ने डीएमके पर भ्रष्टाचार और अन्नादुराई के उसूलों से दूर जाने का आरोप लगाया, तो करूणानिधि ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया। तब एमजीआर ने अपनी नई पार्टी अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम बनाई। बाद में यही पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम कहलाई।

एमजीआर और करूणानिधि में चाहे मतभेद हो गए , मगर तमिलनाडु में बतौर अभिनेता एमजीआर की लोकप्रियता बुलंदियों को चूम रही थी। उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही थीं। और आखिर सिनेमा की दुनिया के मसीहा बने एमजीआर ने अपनी इसी छवि के दम पर 1977 के चतुष्कोणीय मुकाबले का चुनाव जीता। उनके मुकाबले में डीएमके, राष्ट्रीय कांग्रेस और जनता पार्टी थी। एमजीआर मुख्यमंत्री बने। वे देश के पहले अभिनेता थे जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन से सूबे की सियासत की सबसे ऊंची कुर्सी तक का सफर तय किया था। वह एक बार मुख्यमंत्री बने तो अपनी आखिरी सांस (1987) तक तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे और 'भारत रत्न' से सम्मानित हुए।

एमजीआर का तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनना द्रविड़ राजनीति में सिनेमा का पहली बार लगा तड़का था। इससे पहले राजनीति में आंदोलनों और समाज सेवा के जरिए आए लोगों के लिए जगह होती थी। करूणानिधि और एमजीआर ने सिनेमा की ताकत को पहचाना और उसे सियासत की सीढ़ी के रूप में इस्तेमाल किया। द्रविड़ राजनीति में फिर यही करिश्मा एमजीआर की पार्टी की ही जे. जयललिता ने किया। वे 24 जून 1991 से 5 दिसम्बर 2016 (मृत्युपर्यंत) तक मुख्यमंत्री रहीं। जब वे 15 वर्ष की थीं तभी से पढाई के साथ-साथ अभिनय करने लगी थीं। 'एपिसल' उनकी पहली अंग्रेजी फिल्म थी। इसके बाद कन्नड़ फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं की। बाद में वे टॉलीवुड में भी प्रमुख अदाकारा बनी। उन्होंने अधिकतर फिल्में एमजीआर के साथ ही की थीं। 1982 में उन्होंने अपना राजनैतिक करियर भी रामचन्द्रन के साथ शुरू किया और उनके निधन के बाद वे अपनी लोकप्रियता के दम पर मुख्यमंत्री भी बन गईं।

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

**Ph. : 0294-2493357, 2493358
2494457, 2494458, 2494459
9829665739, 9680884172
869633357, 8696904457
8696904458, 8696904459**

Website : www.shreejproadlines, shreejppackersandmovers

King Of Mini Truck

प्रो. गौतम पटेल
**9414471131
8696333358**

॥ जय हनुमन्ते नमः॥

SJP ROADLINES

श्री J.P. Roadlines

प्लॉट नं. 1/200, प्रताप नगर, सुखेर, बाईपास रोड़, सामुदायिक भवन के पास, प्रताप नगर, उदयपुर (राज.)

B.O. : No. 136, R.K. Puram Vill. Gokul, N.H. 8 Udaipur (Raj.)

सम्पूर्ण भारत के लिए मिनी ट्रक सेवा **TATA, 407, 709, 909, LPT,** केन्टर व आईशर दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात एवं ऑल साउथ के लिए डोर टू डोर डिलीवरी के लिए उपलब्ध है।

तितली बन उड़े मन

क्षमा शर्मा

वसंत ऋतु की दस्तक के साथ ही चारों ओर वातावरण एकदम बदल जाता है। खेतों में लहलहाती पीली-पीली सरसों, हर तरफ खिले फूल, उन पर मंडराती रंग-बिरंगी तितलियां-भौंरे, पेड़ों पर नए-नए पत्ते, आम वृक्षों पर बौर, उसकी सौंधी महक और चहकते पक्षी हर किसी का मन मोह लेते हैं। मन यही करता है कि हम भी तितली बन भरें नई उड़ानें और समेटे अपने भीतर खुशियां। वसंत उत्सव है नवीनता का, जीवन में नए रंग भरने का। आइए, हम इस मधुर माहौल को आत्मसात करें और मनाएं वसंतोत्सव।

वसंत आ गया। वसंत माने होली की आहट। खेतों में सरसों के फूलों की मीलों तक फैली चादर और उन फूलों की मदमाती गंध। इस लेखिका ने जब स्विट्जरलैंड में अपने देश की तरह ही इस तरह की पीले फूलों की चादरों को देखा था, तो लगा प्रकृति ने खूबसूरती की कोई सीमा रेखा नहीं बांधी। सीमाएं हमने बनाई और दुनिया को बांट दिया। सिर्फ सरसों ही नहीं हर तरह के रंग-बिरंगे फूल जो धरती को भी अपने रंगों से सराबोर कर देते हैं, ये किसी सीमा रेखा में नहीं बंधे हैं।

जहां वसंत वहां श्रंगार

वसंत को हमारे यहां ऋतुराज कहा गया है। ऋतुराज माने ऋतुओं का राजा। इसी तरह श्रृंगार रस को रसों का राजा कहा गया है। इसीलिए वसंत और श्रृंगार का जिक्र अकसर इकट्ठा आता है। जहां वसंत है, वहां श्रृंगार है। स्त्रियां हैं और श्रृंगार में भी एक संयोग श्रृंगार है, जहां प्रिय या प्रियतमा पास में हैं और एक वियोग श्रृंगार जिसमें प्रियतम दूर है। श्रृंगार की ऐसी अवधारणाएं शायद ही कहीं और मिलती हो। आज जिस हिसाब से कॉस्मेटिक्स या प्रसाधन बनाए जात हैं। स्त्रियों के बालों से लेकर पैरों के नाखूनों तक को विविध रूपों से सजाने-संवारने की बातें होती है, हमारे श्रृंगार रस में तो पहले से ही महिलाओं का नख-शिख वर्णन मौजूद है। सिर्फ महिलाओं का ही नहीं, भगवान का भी श्रृंगार किया जाता है। कृष्ण जैसे इसके नायक है। महिलाओं के भी हैं सोलह श्रृंगार। इनकी प्रविधियां भी ऐसी कि बड़े से बड़े पार्लर हतप्रभ रह जाए।

वसंत मतलब नवीन

वसंत के श्रृंगार के उत्सव को प्रकृति तो जैसे जी खोलकर मनाती है। हर पेड़-पौधा जैसे अंगडाई लेता खड़ा हो उठता है। जैसे एक-दूसरे से प्रतियोगिता करता है कि देखें कौन ज्यादा फूल खिलाता है। किस पर सबसे ज्यादा कलियां आती हैं। किसके पत्ते और पत्तियां ज्यादा चमकीली हैं। किस पर अधिक से अधिक भौंरे और तितलियां मंडराती है। वसंत का अर्थ नए पत्ते, कलियां फिर फूल, फल और नई पीढ़ी से ही है। वसंत में ही सर्दी के डर से छिपी कोयल फिर से पेड़ों पर आ विराजती है और कुहू-कुहू पुकारती है। 'कोयल की पुकार सुन पुराने जमाने की नायिकाएं कुछ इस तरह से कहती थीं, कोयलियां मत कर पुकार, करिजवा में लागे है कटार।' यानी की वसंत आ गया है। हर घर में प्रेम और संगीत की बहार है मगर मेरा प्रिय नहीं आया। ऐसे में कोयल का मीठा सुर भी इस

विरहिणी नायिका को कटार की तरह लग रहा है। वसंत आम पर बौर आने का मौसम है। आम के बौरों की महिमा भी साहित्य में खूब गाई गई है। बौर का मतलब है नए पत्ते, फूल, फल, बीज और नई पीढ़ी। इस तरह वसंत, हर पेड़-पौधे की नई पीढ़ी के आने की सूचना देता है। वसंत पंचमी को बहुत शुभ माना जाता है। अकसर इस अवसर पर बहुत से युवा जोड़ों की शादी तय की जाती है, न अधिक सर्दी, न गर्मी और मौसम भी ऐसा कि बस नया करने को मन करे और उत्सव और सेलिब्रेशन का जी चाहे।

शुभ बेला में उत्साह-उमंग का माहौल

बचपन में वसंत पंचमी की तैयारी में बच्चों के कपड़े घर में ही बसंती रंग से रंग देती थी और उन्हें पहनकर बच्चे इतना इतराते थे जैसे कोई बहुमूल्य खजाना हाथ लग गया हो। सरस्वती की पूजा तो होती ही थी। अगर घर में कोई छोटा बच्चा है, तो उसकी पढ़ाई शुरू करने के लिए वसंत पंचमी का दिन बहुत अच्छा माना जाता था। बच्चे की पट्टी पूजा कराई जाती थी। स्कूल ले जाया जाता था। जब आज की तरह पढ़ने के लिए कॉपियां, कम्प्यूटर या टेबलेट नहीं लकड़ी की काले रंग से पुती पट्टी पर खड़िया से लिखना पड़ता था। यहीं नहीं इसी दिन से होली तक घर के आंगन में चौक पूरा जाता था और उसे कनेर और खेतों में पाई जाने वाली जंगली झाड़ी के पीले फूलों से सजाया जाता था। घर में अड़ोस-पड़ोस की महिलाएं शाम के वक्त जमा हो जाती थीं। फाग खूब गाया जाता था। ढोलक की थाप दूर तक सुनाई देती थी। घुंघरूओं की छमछम से पूरा वातावरण संगीतमय हो उठता था। नाच-गाने की होड़ लग जाती थी। फाग माने फागुन। फागुन माने नाच-गाना, राग-रंग।

प्रकृति का उत्सव

आज तो शायद गांव में भी सिवाय फिल्मी गीतों के फाग शायद ही किसी को याद हो। वसंत पर भी घर में रंगे पीले कपड़े नहीं दिखते। बहुत सी जगहों पर अब वसंत गांवों से निकलकर शहरों के कुछ धनी-मानी लोगों के मनोरंजन और पहचान तक ही सीमित रह गया है। या इसके आसपास पड़ने वाले वेलेंटाइन डे के रूप में याद आती है, जबकि पुराने जमाने से इन्हीं दिनों को हमारे देवता काम और रति को समर्पित किया गया है। इसलिए इसे श्रृंगार से जोड़ा गया है। मदनोत्सव भी वसंत का स्वागत ही है। इस मौसम में बड़ी संख्या में मिलने वाले फूल, भौंरे, तितलियां आदि के अर्थ प्रतीकात्मक भी है, जो स्त्री-पुरूष के प्रेम से जुड़े हैं। इसे संस्कृत साहित्य से लेकर हिंदी साहित्य तक बखूबी देखा जा सकता है। दरअसल वसंत प्रकृति के उस वरदान का उत्सव है, जो फूलों, फलों, अन्न आदि के रूप में हमे दिखता है, मिलता है, जो हमारे जीवन के लिए जरूरी है।

आइए करें स्वागत

वसंत का अर्थ ही है मस्ती। कोमलता, प्रेम, प्रेम की अभिव्यक्ति। एक समय में हिन्दी फिल्मों में वसंत और होली के गीतों की खूब धूम रही है। अपने यहां वसंत का, खुशियों के उत्सव का जो माहौल रहा है, वह हमारे घरों, परिवारों में हमेशा बना रहे। हर वसंत ढेरों खुशियों को लेकर आए। जैसे वसंत में हर घर आंगन महकता है, उसी तरह हमारे परिवार भी आनंद से भरपूर रहें। वसंत का राग हमेशा बजता रहे, घुंघरूओं की छम-छम हर दिन सुनाई देती रहे। आइए, इन्हीं कामनाओं के साथ वसंत का स्वागत करें, उसे मनाएं और खुशियां बांटे।

मधुमास

पग धरता धीरे-धीरे से
ऋतुओं का राजा आया है
जिसने नवजीवन देकर
सबको मदमस्त बनाया है

खेतों में हरियाली छाई
फूलों पर जोबन आया है
कैसे सुषमा सुंदरता ने
जनजीवन को भरमाया है।

आंचल उसका उसके ही
वक्षस्थल पर लहराया है
हर दिल में ज्वाला भड़की
हर इक मन ललचाया है।

संचार हुआ नव पल्लव से
जीवन में आशाओं का
उपवन में खिलती कलियां
देख-देख मन हरषाया है

तुम चाहो तो सुख सुमनों से
झोली भर लो भर लो झोली
मधुमास ने यह संदेशा
जन-जन तक पहुंचाया है

जिसका देखो झूमें गाए
होठों पे मृदु मुस्कान लिए
नयनों में सुंदर सपने हैं
उल्लास हृदय पर छाया है।

पग धरता धीरे-धीरे से
ऋतुओं का राजा आया है
जिसने नव जीवन दे देकर
सबको मदमस्त बनाया है।

डॉ. इन्द्रप्रकाश श्रीमाली, उदयपुर

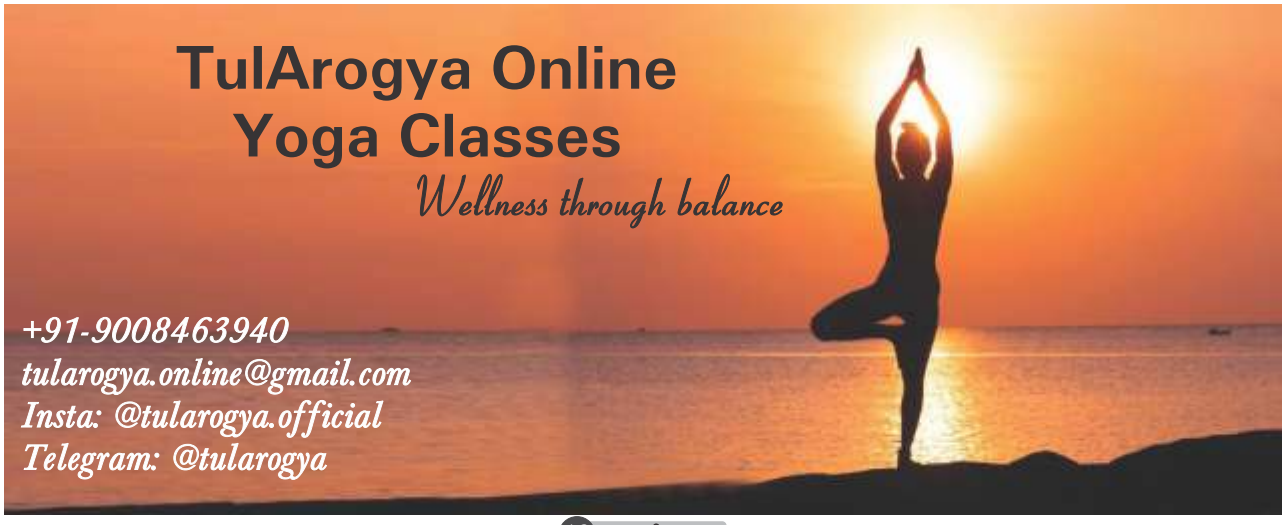

अपच से लेकर कब्ज तक का इलाज

स्वास्थ्य के सम्बंध में रसों का बड़ा महत्व है। रस फलों, सब्जियों या फिर अनाजों का ही क्यो न हो। भावनओं के रस से हम अपने मानस को चुस्त-दुरूस्त रखते हैं। यदि भावनाओं के साथ-साथ हम अपनी दिनचर्या में रसों को भी शामिल करें तो स्वास्थ्य के लिए बेहतर होगा। कई ऐसे रोग हैं, जिनमें फल-सब्जियों के रस बहुत ही कारगर होते है।

प्रो. विष्णुदत्त भट्टमेवाड़ा

अपच से बचना है तो हर दिन सुबह जब सोकर जगते हैं तो सबसे पहले खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में एक नींबू निचोड़ कर पिएं। भूख को बढ़ाने के लिए और खाये हुए को पचाने के लिए भोजन से आधा घंटे पहले एक चम्मच अदरक का रस पीएं बेहद कारगर होगा। पपीता, अनानास, ककड़ी और गोभी का रस अथवा गाजर, चुकन्दर और पालक के रस को मिलाकर सेवन करें तो अपच से जरूर मुक्ति मिलती है।

आंतो का अलसर

पाचक रसों में हाइड्रोक्लेरिक एसिड के अत्यधिक स्त्राव के कारण अंत: त्वचा का क्षय होने से आंतों में घाव हो जाते हैं। इस अतिस्त्राव का कारण अधिकतर मानसिक तनाव या संताप होता है। आंतों के घाव भरने में गोभी का रस बड़ा प्रभावशाली पाया गया है, इसलिए आंतो के अलसर से बचने के लिए हर दिन लगभग 400-500 मिली गोभी का रस पीएं। इसके बाद ककड़ी, पपीता और आलू का रस भी पीया जा सकता है। हां, इस दौरान खट्टे फलों के रस से तौबा करना होगा।

उल्टी-मितली

उल्टी आने या मितली होने के कोई एक नहीं अनेक कारण होते हैं। कई बार इसकी वजह जरूरत से ज्यादा और अस्वस्थकर खाना खा लेना भी होता है। इसलिए अनहाइजनीक खाने से बचें। ज्यादा खाने से ऐसी स्थिति पैदा हुई हो तो भविष्य में खाने से पहले हमेशा इस सूत्र को याद रखें कि भूख से थोड़ा कम खायें। इसके बाद अनार, पपीता, नींबू, संतरा, अनानास और टमाटर के रस का सेवन करें तो उल्टी मितली से छुटकारा पाया जा सकता है।

एसिडीटी

एसिडीटी की शिकायत हो तो गोभी और गाजर का मिश्रित रस पीएं। इसके अलावा ककड़ी, आलू, सेब, मौसंबी तथा तरबूज का रस फायदेमंद होता है।

कब्ज

कब्ज की तकलीफ में तो रसों से बेहतर है तमाम फलों को साबूत ही खायें। यह भी रस के बराबर ही लाभदायक है। वैसे कब्ज की एक वजह मल त्याग की सही आदत का न होना भी होता है इसलिए सही आदत डालें, नियमित शौच के लिए एक समय निश्चित करें। वैसे पालक और गाजर के मिश्रित रस तथा आलू, ककड़ी और सेब के मिश्रित रस भी इस मामले में फायदेमंद हैं। अंजीर, बेल, फल, अमरूद और संतरे का रस भी पीया जा सकता है।

अगर पेट में कीड़े हो जाएं

हर दिन सुबह एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच लहसुन का रस और एक चम्मच प्याज का रस मिलाकर उसका सेवन करें। कुम्हड़े और अनानास का रस भी उपयोगी है। इसके बाद मेथी-पुदीने का मिश्रित रस तथा पपीते का रस भी पीया जा सकता है।

हैजा

हैजा या कालरा हो जाने पर बेल फल का रस और पुदीना-लहसुन-प्याज आदि का रस गर्म पानी के साथ पीएं। इसके अलावा नारियल का पानी भी हैजा में बहुत उपयोगी है।

दस्त

अगर दस्त लगातार हो रहा हो तो बेल फल का रस, सेब, लहसुन और कच्ची हल्दी के रस का सेवन काफी उपयोगी रहता है। चुकंदर तथा अनानास का रस भी पीया जा सकता है। साथ ही दस्त से आराम के लिए पूरी तरह से आराम करना भी जरूरी है।

मुंहासे

मुंहासे से बचने के लिए गाजर-पालक के मिश्रित रस का सेवन करें। आलू, बीट-ककड़ी-अंगूर का मिश्रित रस भी इसमें उपयोगी है। मुहांसों से मुक्ति पाने के लिए तरबूज या पपीते का रस भी पीया जा सकता है। चेहरे पर पपीते या आलू के रस की मालिश भी बहुत कारगर साबित होती है। पपीता, खरबूजा और तरबूज का गुदा भी मुंहासों में आराम पहुंचाते हैं। इन तीनों फलों के गूदे को अच्छी तरह से मसल लें और इसका चेहरे पर लेप लगाएं। कद्दू, तरबूज आदि के बीज पीसकर भी लेप लगाया जा सकता है, इससे भी मुंहासे चले जाते हैं।

चर्म रोग

चर्म रोग न सिर्फ एक खतरनाक रोग है अपितु यह हमारी लुक को भी बदशक्ल में बदल देता है। इसलिए चर्म रोग के प्रति लोगों का संवेदनशील होना स्वाभाविक है। बहरहाल इसके होने पर गाजर, पालक का मिश्रित रस पीएं। आलू, चुकन्दर, ककड़ी, हल्दी, तरबूज, अमरूद, सेब, मौसम्बी तथा पपीते का रस भी फायदेमंद होता है। पपीते और आलू का रस त्वचा पर लगाएं तो भी इसका फायदा मिलता है।

Happy New Year

KHOKHAWAT

TENT & DECORATORS

- Wedding Consultation
- Event & Concept Decor
- Wedding Decor
- Corporate Decor
- Religious Decor
- Social Events

ARJUN LAL KHOKHAWAT
(Director)

+91-9352502843
khokhawattent@gmail.com

168, Bhamashah Marg,
Khokhawat Building, Udaipur

14, Mahapragya Vihar,
Udaipur , 313001

लग न जाए सर्दी की नज़र

सर्दियों का मौसम खुशनुमा तो होता ही है, खाना-पीना, घूमना और घर के सदस्यों-मित्रों के साथ अलाव तापना बड़ा अच्छा लगता है। इस मौसम में स्वास्थ्य सम्बंधी कुछ समस्याएं भी सामने आती हैं। जिनसे बचे रहने के लिए सावधानी बरतना भी बेहद ज़रूरी है।

उर्वशी शर्मा

सर्दियां जितनी खुशनुमा होती हैं, उतनी ही इस मौसम में सावधानी जरूरी हो जाती है। सर्दियां आते ही जुकाम, खांसी और बुखार के अलावा अस्थमा, हाई ब्लड प्रेशर और ब्रेन स्ट्रोक के मरीजों की तादाद भी बढ़ने लगती है। जहां एक और सर्दी-जुकाम और वायरल इस मौसम की आम समस्या होती है, वहीं हाई ब्लड प्रेशर, अस्थमा, जोड़ों में दर्द जैसी समस्याएं भी शरीर को तोड़कर रख देती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोरोना के पुन: बढ़ते मामलों पर चिंता जताई है। इसके बाद केन्द्र सरकार ने कोरोना जांच बढ़ाने और कोविड सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग कराने पर जोर दिया है।

खांसी, जुकाम और सिरदर्द

सर्दियों के मौसम में अकसर लोगों को खांसी, जुकाम और सिरदर्द की समस्या रहती है। ऐसे में कोल्ड ड्रिंक या आइसक्रीम खाने से खांसी और बढ़ सकती है। कई बार सर्दियों में सिरदर्द की भी शिकायत होने लगती है। इसका कारण सिर में ठंड लगना भी हो सकता है।

समाधान: ठंड में बाहर जाते समय सिर और गले को हमेशा ढक कर रखें। गले की खराश दूर करने के लिए गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करें। सिर को स्कॉर्फ या टोपी से ढक कर रखें।

दिल का ख्याल

ठंड के कारण कोशिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे दिल तक रक्त और ऑक्सीजन की आपूर्ति सही तरीके से नहीं हो पाती। सर्दियों में हमारे शरीर में विभिन्न पकवानों के माध्यम से शर्करा और नमक ज्यादा पहुंचता है, जिससे ब्लड प्रेशर भी बढ़ जाता है। इस कारण ठंड में बाहर जाते ही धमनियां सिकुड़ने लगती हैं, जो कई बार दिल के दौरे का कारण बनता है। गर्मियों की अपेक्षा सर्दियों में हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा होती है।

समाधान: ज्यादा ठंड में सुबह की सैर करने से बचें। अगर बाहर निकल रहे हैं तो गर्म कपड़े पहनकर निकलें। अधिक वसा वाली चीजें न खाएं। दिल के मरीज ठंड में सिगरेट, शराब आदि का सेवन न करें। ठंड के आते ही अपने फैमिली डॉक्टरया एक्सपर्ट से रक्तचाप की दवाई के बारे में जानकारी लें और खाएं।

खतरनाक हो सकता है हाई ब्लड प्रेशर

डॉक्टरों के अनुसार सर्दी में हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों को पसीना नहीं निकलता और शरीर में नमक का स्तर बढ़ जाता है। इससे भी ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। सर्द हवाओं में हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित लोगों को सावधान रहना चाहिए।

समाधान: तेल और मक्खन से बने खाद्य पदार्थों से तो पूरी तरह बचें। रोज व्यायाम करें। सूरज निकलने के बाद ही मॉर्निंग वाक पर जाएं। रक्त चाप, शुगर और दिल के रोगी एक बार अपने डॉक्टर से मिलकर अपनी दवाओं पर जरूर चर्चा कर लें।

सांसें पड़ने लगती हैं भारी

सर्दियों के मौसम में कोहरा बढ़ने से अस्थमा और एलर्जिक ब्रोंकाइटिस की तकलीफ भी बढ़ जाती है। क्योंकि ऐसे में एलर्जी के तत्व कोहरे के कारण हवा में उड़ते नहीं हैं, बल्कि आसपास ही रहते हैं।

समाधान: ऐसे मरीजों को ठंडे पानी के सेवन से बचना

चाहिए और गरम पानी से भाप लेनी चाहिए। बहुत ज्यादा ठंड होने पर बाहर ना घूमें। अगर बाहर जाना भी हो तो नाक, कान और सिर ढककर रखें। दवा नियमित रूप से लें।

जोड़ों में दर्द

जिन लोगों को गठिया आदि की समस्या होती है, उनके लिए सर्दी का मौसम बेहद कष्टदायी है, क्योंकि इस दौरान जोड़ों में सूजन आ जाती है और नसों में सिकुड़न आती है।

समाधानः ठंड में नियमित व्यायाम करना चाहिए। नियमित व्यायाम से आर्थ्राइटिस की आशंका भी दूर रहती है। इस मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियों का नियमित रूप से सेवन करें।

इन बातों पर ध्यान दें

- सर्दियों में शरीर की नमी बनाए रखें। शरीर में पानी की कमी होने से कई नुकसान हो सकते हैं।
- ज्यादा देर तक धूप में रहने से आपको सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए सर्दियों में भी सन प्रोटेक्शन क्रीम लगाना ना भूलें।
- ज्यादा चाय या कॉफी पीने से आपकी बॉडी में कैफीन और शुगर की मात्रा जरूरत से ज्यादा हो जाती है और जो बाद में बीमारियों का कारण बनती है।
- गर्म दूध, ग्रीन टी या फिर गर्म पानी पिएं।
- सर्दियों में शरीर की जैविकीय घड़ी गड़बड़ा जाती है और सोने जागने की दिनचर्या बिगड़ जाती है। इसके कारण सेहत की दूसरी समस्याएं होती हैं।
- सर्दियों में बगैर मुंह ढके बाहर निकलना नुकसानदायक हो सकता है। धूप के कणों के कारण नाक और गले से संबंधित लेरिंजाइटिस, राइनाइटिस, फेरिजाइटिस और ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारियां हो सकती हैं।
- इस मौसम में त्वचा में चकत्ते और खुजली जैसी समस्या बहुत जल्दी होती हैं। कोशिश करें कि पहनने वाले कपड़े साफ और मुलायम हों।

आनंद में जीना बढ़ा देता है जीवन

दीपक चोपड़ा

मन में लगातार गलत भावनाओं का रहना दिल की सेहत पर भारी पड़ता है, पाचन तंत्र बिगड़ जाता है और बचाव करने की क्षमता कमजोर हो जाती है। चिंता, अवसाद और क्रोध के प्रारंभिक चेतावनी संकेतों को रोकना शरीर को बेहतर और मजबूत बनाता है। जब मन और हृदय वास्तव में खुले होंगे तो आनंद सहज और आसान तरीके से आपके पास आएगा।

रोजमर्रा की जिंदगी में लगातार चल रही आपाधापी से कोई नहीं बच सकता। मीडिया दिन-रात तरह-तरह की महामारी, जलवायु परिवर्तन की चिंता, युद्ध और गोलाबारी की खबरों से अटा पड़ा है। ये बातें गुस्से और व्यग्रता को और भड़काती हैं। किशोरों में अवसाद, घरेलू हिंसा व आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसका बुरा असर हमारे दैनिक जीवन के साथ ही हमारी सेहत पर भी पड़ता है।

हम क्रोध को पकड़े रहते हैं। जिन लोगों से हम प्यार करते हैं, उन पर क्रोध करने से हमारा मन और तन दोनों प्रभावित होता है। भावनाओं के लिए हमारा शरीर भौतिक रूप से प्रतिक्रिया करता है। क्रोध, आक्रोश और चिंता के कारण होने वाली शारीरिक क्षति समय के साथ हमारे अंदर जमा हो जाती है। यह वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है कि लगातार नकारात्मक भावनाओं के चलते हमारा शरीर बुरी तरह से प्रभावित होता है। हालांकि अब उन विशेष कारकों पर ध्यान दिया जा रहा है जिनके लक्षण विकसित होने में वर्षों लगते हैं, जैसे कि तनाव और हल्की पुरानी सूजन। वैसे तनाव को कैंसर, अल्जाइमर, हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह और बहुत कुछ दूसरी परेशानियों की प्रमुख वजह माना जाता है। इस संबंध में विभिन्न अध्ययन 10 से 20 वर्ष पुरानी बीमारी से पहले पैदा हुए निम्न श्रेणी के तनाव और सूजन की ओर इशारा करते हैं। यदि आप इन गंभीर अदृश्य दोषियों को पहचान सकते हैं, तो आप संभावित रूप से किसी भी गंभीर रोग को पैदा होने से रोक करते हैं। अगर रोगों से अपना बचाव करना है तो संभव हो सके तो अपने आसपास की चीजों के बारे में बेहतर महसूस करना शुरू कर दें।

यदि आप प्रेम, करूणा, आनंद और समानता पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए चिंता, अवसाद और क्रोध के शुरुआती चेतावनी और संकेतों को रोकने की कोशिश करते हैं, तो हमारा शरीर जैविक रूप से बेतहर हो जाता है। जब हम सुनते हैं कि प्रेम में उपचार करने की बेहतरीन ताकत है, तो उसके पीछे एक जैव रसायनिक कारण है, जो केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र के माध्यम से हमारे शरीर के हर हिस्से तक पहुंचाता है। ब्रेन स्कैन से पता चलता है कि प्यार की अभिव्यक्ति तनाव के प्रभाव को खत्म कर देती है। इसके अलावा इसे रक्षक भी कह सकते हैं।

(भारतीय मूल के प्रसिद्ध अमेरिकी लेखक)

खुद में ऐसे लाएं सुधार

सहानुभूति और दया को गले लगाओ। सैन डिएगो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में न्यूरोसाइंसेज विभाग के अध्यक्ष विलियम मोब्ले कहते हैं–एक बेहतर टिप देने वाले बनें, दान दें, दूसरों की सुने और सहानुभूति व्यक्त करें। यदि आप सड़क पर कोई गिरा हुआ नोट पाते हैं, तो इसे किसी ऐसे व्यक्ति को दें, जिसे इसकी आवश्यकता है। शोध बताते हैं कि दया का कार्य मस्तिष्क को लव हार्मोन ऑक्सीटोसिन का एक शॉट देता है, जो रक्तचाप कम करने और सामाजिक जुड़ाव पैदा करने में बहुत मदद करता है। वहीं डोपामाइन हार्मोन की वृद्धि, मदद करने वाले को नया उत्साह और आनंद देती है। इसके अलावा सेरोटोनिन हार्मोन मूड में सुधार कर सकता है।

तनाव कम करें

लगातार तनाव कोर्टिसोल हार्मोन के स्तर को बढ़ाता है, जो अंत में तंत्रिका कोशिकाओं को मारता है और शरीर में सूजन व जलन को बढ़ाने लगता है। सुबह पांच मिनट का ध्यान करें, बाहर लंबी सैर करें, हंसाने वाली कॉमेडी देखें, पूरे परिवार के साथ सप्ताह में कम से कम एक दिन साथ खाना खाएं। दूसरे शब्दों में, अपने लिए एक स्वस्थ तनाव प्रतिरक्षा प्रणाली तैयार करें।

Mohammed Irfan Mansoori
Director
Mob.: 94141 63201

Happy New Year

Mohammed Imran Mansoori
Director
Mob.: 99833 33388

NATIONAL STEEL MART

Authorised Distributer & Supplier

Deals in Hotelware, Cutlery, Crockery, Appliances

Prestige cello JAYPEE VINOD INTELLIGENT COOKWARE EUREKA FORBES
SUJATA PHILIPS BOROSIL CORELLE Panasonic
Ocean Glassware Hawkins MILTON Bharat Fine Bone China IFB

Store 1: Near City Apartment, R.K. Circle, Udaipur (Raj.) Mob.: 7023414407
Store 2: NSM, Mali Colony, Opp Lakecity Garden, 100 ft Road, Udaipur (Raj.) Mob.: 9773319922
E-mail: nationalsteelmart@gmail.com

मेवाड़ के शिल्प वैभव व लोक-संस्कृति से रूबरू होकर जी-20 शेरपा हुए निहाल

वैश्विक प्राथमिकताओं का दीर्घकालीन समाधान

भारत के साथ एक जुटता का संदेश

भारत की जी–20 अध्यक्षता में पहली शेरपा बैठक 7 दिसम्बर को उदयपुर में सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक के पांच मूल सत्र थे। जिनमें समावेशी विकास, बहुपक्षवाद और महिलाओं के नेतृत्व में विकास के साथ–साथ खाद्य, ईंधन और उर्वरक, पर्यटन तथा संस्कृति के प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर महती चर्चा हुई। भारत की अध्यक्षता का आधार 'वसुधैव कुटुम्बकम्–एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' समूची कार्रवाई के दौरान गूंजता रहा।

विष्णु शर्मा हितैषी

झीलों की नगरी उदयपुर में जी–20 देशों का चार दिवसीय शेरपा सम्मेलन (4–7 दिसम्बर) को महत्वपूर्ण वैश्विक विषयों पर विचार मंथन एवं मेवाड़ के प्रमुख ऐतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटकीय स्थलों के भ्रमण के साथ सम्पन्न हो गया। बैठक में भाग लेने के लिए जी–20 देशों के शेरपा, राजदूत एवं वरिष्ठ प्रतिनिधियों की पारम्परिक तरीके से अगवानी की गई। राजस्थान के पर्यटन विभाग की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। एयरपोर्ट पर बीकानेर के कलाकारों ने पारम्परिक वेशभूषा में अपनी प्रस्तुतियां दी, जबकि होटल लीला के शीश महल में विश्व प्रसिद्ध लंगा मांगणियार लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने पहले ही दिन विदेशी मेहमानों का मन मोह लिया। दूसरे दिन 5 दिसम्बर की शाम जगमंदिर पैलेस में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कलर्स ऑफ राजस्थान' की प्रस्तुति ने काफी प्रभावित किया।

6 दिसम्बर की शाम सिटी पैलेस के माणक चौक में भारत की विभिन्न कला शैलियों पर आधारित कार्यक्रम विदेशी मेहमानों को बहुत पसंद आया। अंतिम दिन 7 दिसम्बर को कुम्भलगढ़ एवं रणकपुर भ्रमण के दौरान प्रस्तुत कार्यक्रमों में शेरपा भारत की ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरो से रूबरू होने के साथ प्रभावित भी हुये। विदेशी मेहमानों ने शिल्पग्राम में राजस्थानी शिल्प की प्रशंसा की और कलाकारों के साथ ठुमके भी लगाये।

जल-थल से नभ तक सुरक्षा

जी–20 शेरपा बैठक के खास मेहमानों के स्वागत में जहां जनता और सरकार ने पलक पावड़े बिछाए वहीं उनकी सुरक्षा के भी खास इन्तजाम किये। सभी मेहमानों को ज़ेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई। मेहमानों का मूवमेन्ट अधिकतर झीलों के आस–पास होने से झीलों व इसके ईदगिर्द भी आपात दस्ते तैनात किये गये। इनकी सुरक्षा के लिए जल–थल–नभ के चप्पे–चप्पे पर पहरा था। एयरपोर्ट से लेकर मीटिंग स्थल तक 1200 से ज्यादा जवान तैनात थे। सिटीपैलेस, उदयविलास और होटल लीला पैलेस के आस–पास सरकारी सुरक्षा एजेन्सियों के दस ड्रोन निगरानी कर रहे थे।

मेहमान शेरपा

■ गिल्स अल्फंडा – शेरपा (वर्ल्ड बैंक –विदेश मामलों के सलाहकार) ■ स्टेफनी सेडौक्स शेरपा (डब्ल्यूएचओ– बहुपक्षीय मामलों के दूत) ■ क्रिस्टीना कोस्टियल– शेरपा (अमेरिका, आईएमएफ के उपप्रमुख) ■ माइक पाइल– शेरपा अमरीका ■ जुनहुआ शेरपा (संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव) ■ जोनाधन मुनर शेरपा (ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के जी–20 शेरपा) ■ अहमद अली– शेरपा (यूएई, स्टेटो के मंत्री) ■ रासी काया शेरपा टर्की – (ट्रेजरी के अंडर सैकेट्री) ■ एम्मा मारिया – शेरपा स्पेन (प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के कार्यालय में तैनात) ■ चिंग यी टैन– शेरपा सिंगापुर (वित्त मंत्रालय में सचिव) ■ इब्राहिम अब्दुला, एलेसा– शेरपा सऊदी अरब (सरकार में सलाहकार) ■ स्वेतलाना लुकाश–शेरपा रूसी(राष्ट्रपति के विशेषज्ञ निदेशालय में उपप्रमुख) ■ जोंघ्युन चोई– शेरपा कोरिया ■ पंकज खिमजी– शेरपा ओमान (विदेश व्यापार के सलाहकार) ■ एंड्रियास शाल शेरपा ओईसीडी ■ सैमसन इटेम्बो शेरपा नाइजीरिया ■ एल्स्के आफके– शेरपा नीदरलैंड (शिष्टमंडल की प्रमुख) ■ कारमेन, मोरेना टोस्काना– शेरपा मैक्सिको (विदेशी मामलों की उपमंत्री) ■ हेमंडोय अल डिलुम– शेरपा मॉरीशस (विदेशी मामलों के सचिव) ■ केइची–ओनो शेरपा जापान ■ फाइस्टो– शेरपा इटली, पान बियान कंपनी ■ डॉ. अजय माथुर शेरपा अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन महानिदेशक भारत ■ डेन डजनी – शेरपा इंडोनेशिया, ■ एडी– सह शेरपा इंडोनेशिया, ■ अमिताभ कांत शेरपा भारत (अनुसंधान विभाग निदेशक) ■ रिचर्ड सेमंस– शेरपा (आईएलओ निदेशक रिचर्स विभाग) ■ डॉ. जोर्ग कुकीज – शेरपा जर्मनी ■ सिमोनिटा – शेरपा (वित्तीय स्थिरता बोर्ड में सचिवालय सदस्य) ■ ऑरेलियन शेरपा फ्रांस ■ जोएर्न– शेरपा यूरोपीय संघ ■ रागुई– शेरपा मिश्र (विदेश मंत्री) ■ अमित प्रोथी– शेरपा (सीडीआरआई महानिदेशक) ■ केक्सिन– ली– शेरपा चीन (विदेश मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के महानिदेशक) ■ गल्लिट डोबनेर– शेरपा कनाडा (कार्यकारी, निदेशक ग्लोबल अफेयर्स) ■ सरकिस– शेरपा ब्राजील ■ मोहम्मद जियाउद्दीन – शेरपा बांग्लादेश ■ कैटरिना ऐनी– शेरपा आस्ट्रेलिया ■ ले लिया कोनिशी – शेरपा (एडीबी निदेशक) ■ जॉर्ज आर्थर –शेरपा अर्जेंटीना । ■ जुलियाना कांगे– शेरपा अफ्रीकी संघ

जी-20 का दरबार

सिटी पैलेस के जिस ऐतिहासिक दरबार हॉल में जी–20 शेरपा बैठकें हुई, वह पूर्व में भी कई ऐतिहासिक बैठकों का साक्षी रहा है। सन् 1909 में तत्कालीन महाराणा फतह सिंह के निमंत्रण पर वायसराय एवं गवर्नर जनरल लॉर्ड मिंटो उदयपुर आए थे। उसके बाद आधी शताब्दी तक यहीं मेवाड़ राज्य के दरबार सत्र हुए। फिर यह सभागार 1948 में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की उदयपुर यात्रा का गवाह बना। इसी हॉल में 18 अप्रैल, 1948 को उदयपुर एवं मेवाड़ राज्य का संयुक्त राजस्थान में विलय हुआ। मेवाड़ राज्य ने भारत संघ में विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए और यहीं पंडित नेहरू ने महाराणा भूपाल सिंह को राजपूताना के महाराज प्रमुख की शपथ दिलाई।

14 जनवरी, 1949 को तत्कालीन गृहमंत्री सरदार पटेल संयुक्त राजस्थान के पुनर्गठन सिलसिले में यहां आये। 1962 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन.एफ.कैनडी की पत्नी जेकलिन भी यहां आई। ब्रिटेन की दिवगंत महारानी एलिजाबेथ 1961 में यहां आ चुकी हैं। परमाणु विकास के सिलसिले में पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम भी आये थे। शेरपा बैठक के पहले दिन परिचय सत्र को सम्बोधित करते हुये होटल लीला में भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा कि डिजिटलाइजेशन और चिकित्सा में भारत दुनिया भर में रोल मॉडल है।। इसे दूसरे मामलों में भी आदर्श बनायेंगे। जी–20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी से हमारा देश दुनिया में लीडर बनकर उभरेगा। उन्होंने चार दिवसीय शेरपा बैठक में विचारणीय मुद्दों वैश्विक विकास, महिला उत्थान, व्यापार, भ्रष्टाचार, आर्थिक–वित्तीय रोजगार, सांस्कृतिक, चिकित्सा, शिक्षा, कृषि आदि की जानकारी दी। इस एजेन्डा में नवम्बर 2023 में नई दिल्ली में होने वाले शिखर सम्मेलन तक प्रस्तावित 198 से ज्यादा बैठकों में आने वाले सुझावों के आधार पर बदलाव भी होंगे। सांयकालीन सत्र में डिजिटल अवसंरचना,महिला नेतृत्व, ऊर्जा, आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन, रूस–यूक्रेन संकट आदि पर विचार हुआ। दूसरे दिन तकनीकी परिवर्तन एवं पर्यावरण के लिए हरित विकास और जीवन शैली पर दो सत्रो में विचार के साथ ही वैश्विक और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं और चुनौतियों पर भी संवाद हुआ। तीसरे दिन समावेशी विकास, बहुपक्षवाद और महिलाओं के नेतृत्व में विकास के साथ–साथ खाद्य, ईंधन व उर्वरक, पर्यटन तथा संस्कृति के प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर महती चर्चा हुई। बैठक में बहुपक्षीय सुधारों और ऐसी संस्थाओं के निर्माण की आवश्यकता पर भी ध्यान केन्द्रित किया गया जो जरूरतों और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के सक्षम हो जो दुनिया भर के सभी क्षेत्रों और देशों की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करने के साथ वर्तमान चुनौतियों का समाधान भी कर सके। बैठक में भाग लेने वाले मेहमानों का चौथा दिन आपसी मेलमिलाप और पर्यटन स्थलों के भ्रमण में व्यतीत हुआ। अगले दिन 8दिसम्बर से मेहमानों की विदाई का सिलसिला शुरू हुआ। भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने शानदार और सफल आयोजन की तैयारी के लिए राज्य सरकार उदयपुर के संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट व जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा, डीटीओ कल्पना शर्मा तथा बैठक की तैयारी से सम्बंधित अधिकारियों व जनता के सहयोग की सराहना की।

जी-20 का इतिहास

जी–20 सदस्य देशों में विश्व की दो–तिहाई आबादी रहती है। ये देश विश्व व्यापार में 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व सकल उत्पाद का 85 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी रखते हैं। जी–20 की स्थापना वर्ष 1999 में एशियाई संकट के बाद वित्त मंत्रियों एवं केंद्रीय बैंक के गवर्नर के मध्य वित्तीय एवं आर्थिक मामलों पर चर्चा के लिए एक मंच के रूप में हुई थी। जी–20 का शिखर सम्मेलन हर वर्ष किसी एक सदस्य देश की अध्यक्षता में होता है। अध्यक्ष देश न सिर्फ यह आयोजन करता है, बल्कि पूरे साल जी–20 का एजेंडा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस बार एजेंडा में जलवायु परिवर्तन, वित्त पोषण, न्याय, ऊर्जा ट्रांजिशन, लाइफ, सतत विकास लक्ष्यों के क्रियान्वयन में तेजी लाना, डिजिटल पब्लिक गुड्स एवं विकास के लिए डाटा,ऋण ग्रस्तता, बहु पक्षवाद में सुधार पर फोकस है।

श्री सीमेंट लिमिटेड को मिले 4 राष्ट्रीय पुरस्कार

उदयपुर। राष्ट्रीय निर्माण एवं भवन सामग्री परिषद (एनसीबी) द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 17वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिनांक 9 दिसम्बर 2022 को श्री सीमेंट लिमिटेड की राजस्थान की ब्यावर एवं रास एवं छत्तीसगढ़ की रायपुर इकाइयों को पुरस्कृत किया गया। कंपनी के प्रतिनिधि योगेश कौशिक (उपमहाप्रबंधक) और आनंदकृष्ण देव (सहायक प्रबंधक) ने यह पुरस्कार प्राप्त किए। उल्लेखनीय है कि एनसीबी द्वारा उद्योगों को प्रेरित करने के लिए ऊर्जा, पर्यावरण एवं संपूर्ण गुणवत्ता के मानकों पर प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में रास प्लांट को एकीकृत सीमेंट इकाइयों में सकल गुणवत्ता उत्कृष्ठता के लिए सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार व रायपुर प्लांट एकीकृत सीमेंट इकाइयों में सकल गुणवत्ता उत्कृष्टता के लिए प्रथम सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। ब्यावर प्लांट को एकीकृत सीमेंट इकाइयों में पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए प्रथम सांत्वना पुरस्कार एवं सर्कुलर इकोनोमी हासिल करने के लिए प्रथम सांत्वना पुरस्कार एवं सर्कुलर इकोनोमी हासिल करने के लिए तीसरा सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक नीरज अखोरी ने श्री सीमेट परिवार को बधाई दी और गुणवत्ता, पर्यावरण और सर्कुलर इकोनोमी में उत्कृष्टता प्राप्त करने पर सराहना की। कंपनी के चेयरमैन एचएम बांगड़ और वाइस चेयरमैन, प्रशांत बांगड़ ने बताया कि ये पुरस्कार कर्मचारियों के अथक प्रयासों का परिणाम है और यह श्री सीमेंट की इकाईयों की गुणवत्ता एवं पर्यावरण के प्रति सचेतना को प्रदर्शित करता है। श्री सीमेंट के पूर्णकालिक निदेशक पीएन छंगानी ने पुरस्कार मिलने पर इकाइयों की सराहना की। अध्यक्ष वाणिज्य संजय मेहता और संयुक्त अध्यक्ष अरविंद खींचा ने इकाइयों और सभी कर्मचारियों को इस अवसर पर बधाई प्रेषित की।

प्रो. सारंगदेवोत विश्व जल आयोग के भारत कमिश्नर

उदयपुर। विश्व जल आयोग स्वीडन ने जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के कुलपति प्रो. (कर्नल)एस.एस सारंगदेवोत का आयोग की भारतीय शाखा का कमिश्नर मनोनीत किया है। प्रो. सारंगदेवोत द्वारा विश्व पर्यावरण और जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के मद्देनजर विश्व जल आयोग के संस्थापक संरक्षक रमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता वाटरमैन डॉ. राजेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रो. सारंगदेवोत आने वाले समय में पर्यावरणीय समस्याओं, जल और बदली जलीय परिस्थितियों की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करेंगे।

डीटीओ के बोट मैनेजमेंट को सराहा

उदयपुर। जी-20 भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने शेरपा सम्मेलन के दौरान बोट्स मैनेजमेंट के लिए जिला परिवहन अधिकारी डॉ कल्पना शर्मा की सराहना की। कुल पांच जेटी से सुबह 6 बजे से रात्री 12 बजे तक निरंतर बोट का संचालन किया। डीटीओ शर्मा ने लीला पैलेस, उदय विलास, लेक पैलेस, बंसी घाट, जग मंदिर की जेटी से निरंतर बोट्स के माध्यम से परिवहन जारी रखा एवं किसी को भी परेशानी नहीं आने दी। उन्होंने बताया कि इस कार्य में जिला परिवहन अधिकारी डॉ कल्पना शर्मा ने बताया कि जग मंदिर में होने वाला सांस्कृतिक कार्यक्रम एक बड़ी चुनौती था। उस दिन उन्होंने 300 कलाकारों और 300 मेहमानों को समय पर जगमंदिर पहुंचाया। इस कार्य के लिए कुल 21 बोट्स का उपयोग किया गया।

योगा में सेन्ट मैथ्यूज उपविजेता

उदयपुर। सेन्ट मैथ्यूज विद्यालय की छात्राएं महिमा रंगवाल, प्राची मेघवाल, विभांशी अहारी व साक्षी सोनी ने जिलास्तरीय योगा प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्थानीय विद्यालय निदेशक ग्लोरी फिलिप एवं निदेशक डॉ. फिनी फिलिप ने आशीर्वाद स्वरूप मैडल प्रदान कर इनके उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य नितिन नाथ ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह जानकारी योग प्रशिक्षक सरदार सिंह राणावत ने दी।

राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त श्रीमाली का स्वागत

उदयपुर। राज्य सरकार द्वारा गठित श्रम सहालकार समिति में उपाध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली राज्य मंत्री बनने के बाद जब उदयपुर पहुंचे, राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस कार्यालय में उनका स्वागत किया। कार्यालय आने से पहले श्रीमाली ने सुखाड़िया व शक्तावत की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सूचना केन्द्र सभागार में उनका स्वागत समारोह हुआ। अध्यक्षता शहर जिला निवर्तमान अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा ने की। कार्यक्रम में श्रीमाली का यूथ इंटक अध्यक्ष नारायण गुर्जर, पूर्व विधायक सज्जन कटारा, लक्ष्मीनारायण पंड्या, पंकज शर्मा, एसएम अय्यर सहित पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने सम्मान किया।

उदयपुर में आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक व नर्सिंग कॉलेजः राहुल

उदयपुर। पेसिफिक मेडिकल यूनिवर्सिटी के फाउण्डर एंड चेयरमैन राहुल अग्रवाल नेबताया कि न्यूनतम फीस पर बेहतर प्लेसमेंट के लिए विश्वविद्यालय कृत संकल्पित है। अग्रवाल ने बताया कि उदयपुर से करीब 70 किलोमीटर दूर राजसमंद जिले के कुंवारिया में एक हजार बीघा में एग्रीकल्चर, डेयरी टेक्नोलॉजी, एनिमल हस्बेंडरी, वेटरनरी एज्यूकेशन आरंभ करेंगे, ताकि उस क्षेत्र के विद्यार्थियों को न्यूनतम शुल्क पर बेहतर शिक्षा मिल सके। साथ ही पेसिफिक यूनिवर्सिटी उदयपुर में आयुर्वेदिक होम्योपैथिक व नर्सिंग कॉलेज आरंभ करेंगे। फैशन डिजाइनिंग का नया कोर्स भी शुरू किया जाएगा, इसमें फैशन डिजाइनिंग का नया कोर्स भी शुरू किया जाएगा, इसमें फैशन, फर्नीचर होम डेकोर फैशल डिजाइनिंग व अन्य प्रकार की डिजाइनिंग इसमें शामिल होगी।

वर्टिगो क्लिनिक की शुरुआत

उदयपुर। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में वर्टिगो क्लिनिक का उद्घाटन गीतांजलि ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अंकित अग्रवाल ने किया। वर्टिगो एक प्रकार का संतुलन विकास यानी संतुलन बनाने से संबंधित एक विकार है। यह समस्या कान के सामान्य भाग में कुछ खराबी होने के कारण होती है। यदि किसी व्यक्ति को चक्कर आना, गिर जाने का डर, शरीर का संतुलन बनाने में तकलीफ, सिरदर्द और असंतुलन महसूस होना, करवट बदलने पर चक्कर आना इत्यादि सभी वर्टिगो के लक्षण है, इस प्रकार के लक्षण हो पर व्यक्ति को समर्पित जांच व उपचार की आवश्यकता पड़ती है, जो कि वर्टिगो क्लिनिक में ही संभव है। इस अवसर पर गीतांजलि हॉस्पिटल के सी.ई.ओ. प्रतीम तम्बोली, मेडिकल सुप्रीटेनडेंट डॉ. कर्नल सुनीता दशोत्तर, डॉक्टर्स व स्टाफ मौजूद रहे।

कुणाल अध्यक्ष, सुनील उपाध्यक्ष मनोनीत

उदयपुर। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) उदयपुर जोन ने 2023-24 के लिए पदाधिकारी घोषित किए। इसमें कुणाल बागला को उदयपुर जोन का अध्यक्ष व सुनील लुणावत को उपाध्यक्ष मनोनीत किया।

नारायण सेवा संस्थान द्वारा विश्व की सबसे बड़ी व्हील चेयर क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन के लिए 'गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड' से 3 दिसम्बर को प्रमाण पत्र लेते संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल।

रणजीतसिंह सरूपरिया
प्रवीन सरूपरिया
दिव्य सरूपरिया

94140 59898
76656 61567
77422 88355

KKS

कन्हैयालाल खुबीलाल
सरूपरिया (ज्वेलर्स)

An Exclusive Showroom of Gold
Diamond & Silver Ornaments

मालदास स्ट्रीट कॉर्नर, बड़ा बाजार
उदयपुर (राज.) 313 001

Babu Lal Katariya
Proprietor

Prajesh Katariya
Director

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

HP GAS

SHYAM HP GAS CENTRE

HP GAS
your friendly gas

18, Hathipole, Khatik Wara,
Near Sabji Mandi,
Udaipur (Raj.)
Telephone: 0294-2413979, 2421482
Mobile: 94141 67979,
9950783379,
98294 09860

रीढ़ को भी बीमार कर सकता है घुटनों का दर्द

डॉ. ओ.पी. महात्मा

मौजूदा जीवन शैली में घुटनों के दर्द की समस्या आम होती जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस दर्द को समय पर नियंत्रित करना ज़रूरी है। क्यों कि यह केवल घुटनों का ही नहीं, बल्कि रीढ़ की भी सेहत खराब कर सकता है।

आजकल घुटनों के दर्द की परेशानी हर किसी को होने लगी है, फिर चाहे 30-40 साल के नौजवान हों या फिर 50 साल की उम्र या इससे ज्यादा उम्र के बुजुर्ग। देखने वाली बात यह है कि दोनों ही उम्र के लोग सही समय पर अपना इलाज नहीं कराते।

इलाज में देरी के कारण

खुद ही पेनकिलर लेना: हम लोगों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द हो, तो पहले खुद ही घर पर रखी दवा या केमिस्ट से पूछकर पेनकिलर ले लेते हैं। इससे कुछ समय के लिए दर्द तो कम हो जाता है,लेकिन यह कोई स्थायी इलाज नहीं है। कई बार बिना डॉक्टर की सलाह लिए पेनकिलर लेना शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। लगातार पेनकिलर लेने से लिवर और किडनी के साथ अन्य अंग भी प्रभावित होते हैं। दवा काम करना बंद कर देती है।

भ्रामक विज्ञापनों के जरिए इलाज

टीवी और अखबार में कई तरह के तेल से जुड़े भ्रामक विज्ञापनों में आर्थ्राइटिस का इलाज बताया जाता है, लेकिन तथ्य यह है कि अगर घुटने के कार्टिलेज घिसने लगते हैं, तो उन्हें दोबारा ठीक नहीं किया जा सकता। फिजियोथेरेपी और जीवनशैली में बदलाव करके कार्टिलेज के घिसने की गति को रोका जा सकता है। इन विज्ञापनों के चक्करों में पड़कर मरीज अपने घुटनों को ज्यादा खराब कर लेते हैं। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि जब आपके घुटनों में बहुत ज्यादा दर्द रहने लगे और उनमें सुबह के समय सूजन महसूस हो, तो जल्द ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से सलाह लें। अगर आप समय पर डॉक्टर से सलाह लेते हैं, तो वह आपके घुटनों के दर्द को काफी हद तक कम कर देते हैं।

घुटनों के दर्द को उम्र से जोड़ना

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, लोग घुटनों के दर्द को उम्र से जोड़ने लगते हैं। इसलिए वे डॉक्टर से सलाह लेने की जरूरत ही नहीं समझते। जब बीमारी बढ़कर रोज के काम करने में दिक्कत पैदा करने लगती है, तब वे डॉक्टर के पास जाते हैं। इसलिए अगर आपके घुटनों में दर्द हो, तो उम्र के बारे में सोचे बगैर जल्द से जल्द डॉक्टर से मिलें।

सर्जरी से डर

ये जानना बहुत जरूरी है कि डॉक्टर सभी ऑर्थोपेडिक रोगियों को सर्जरी की सलाह नहीं देते, बल्कि मरीज की स्थिति देखकर ही इसकी सलाह दी जाती है। वैसे भी आजकल घुटनों के रिप्लेसमेंट में एडवांस तकनीकों, खासतौर से मिनिमल इन्वेसन सर्जिकल प्रक्रियाओं ने घुटने की सर्जरी से जुड़ी गंभीरताओं व जटिलताओं को कम किया है। काफी लोगों को एडवांस प्रोस्थेटिक्स, डिजिटल इमेजिंग और रियल टाइम सिग्नल की मदद से की जाने वाली प्री प्लान सर्जरी के फायदों की ज्यादा जानकारी नहीं है, जो कम समय में और सटीक होती है।

इलाज में देरी से बढ़ सकती है समस्या

- घुटनों का दर्द रीढ़ की हड्डी को भी क्षतिग्रस्त कर सकता है। घुटनों के दर्द की वजह से मरीज़ सही तरीके से नहीं चल पाते और लगातार गलत पॉस्चर में चलने से रीढ़ की हड्डी प्रभावित होने लगती है।
- लगातार पेनकिलर लेने से किडनी और लिवर के साथ शरीर के कई अंगों को नुकसान होता है।
- रोगी के बिस्तर पर आने से डायबिटीज, हाई ब्लडप्रेशर, मोटापा जैसी बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है।
- दिनभर बिस्तर पर रहने से अवसाद की आशंका बढ़ जाती है।

शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ

कलेक्ट्री में कार्यालय स्थापित

उदयपुर/ प्रत्यूष संवाददाता

राजस्थान सरकार द्वारा कलेक्ट्री परिसर में आवंटित जिला शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ कक्ष में 12 दिसम्बर को प्रकोष्ठ के जिला संयोजक पंकज कुमार शर्मा ने पदभार ग्रहण किया। शांति-आनंदी स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पण के बाद शर्मा कांग्रेस नेता ओं व कार्यकर्ताओ के साथ तिरंगा झंडा लेकर देश भक्ति गीतों के साथ कोर्ट चौराहा पर भीमराव अंबेडकर के मूर्ति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जिला परिषद कार्यालय पहुंचे। जहां रैली को संबोधित करते हुए नेताओं ने आगामी चुनाव में कांग्रेस को फिर से सत्ता में लाने का आह्वान किया। शहर एवं देहात जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान अध्यक्ष गोपाल कृष्ण शर्मा, जिला देहात कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष लाल सिंह झाला व पूर्व विधायक सज्जन कटारा ने कार्यालय का उद्घाटन किया। इन नेताओं व कार्यकर्ताओं ने जिला शांति एवं अहिंसा प्रकोष्ठ के संयोजक पंकज कुमार शर्मा को तिरंगा उपरना, गांधी टोपी एवं सूत की माला पहनाकर पदभार ग्रहण करवाया। शर्मा ने पदभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का आभार व्यक्त किया और कहा कि महात्मा गांधी के विचारों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये उन्होंने राज्य में पहली बार सरकारी स्तर पर शांति एवं अहिंसा निदेशालय गठित किया। इस तरह का निदेशालय गठित करने वाला राजस्थान देश में पहला राज्य है। जन अभाव अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, शांति एवं अंहिसा निदेशालय के निदेशक मनीष शर्मा, जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा का आभार व्यक्त करते हुये शर्मा ने कहा कि जिला परिसर में निदेशालय प्रकोष्ठ स्थापित होने से महात्मा गांधी के विचारों एवं सिद्धांतों को आमजन तक पहुंचाने में आसानी होगी। पदभार ग्रहण कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुये कहा कि आज देश में सभी समाजों एवं वर्गों के बीच एकता और सद्भाव की महती आवश्यकता है जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सिद्धांतों पर चलकर ही संभव हो सकती है।पंकज कुमार शर्मा ने पदभार ग्रहण से पूर्व देत्य मंगरी स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास एवं गोवर्धन विलास स्थित कांग्रेस कार्यसंचालन समिति के सदस्य रघुवीर सिंह मीणा के आवास जाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों नेताओं ने शर्मा को सूत की माला एवं तिरंगा उपरना पहनाकर उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा सौंपे गये दायित्व में सफलता का आशीर्वाद दिया। पदभार ग्रहण करने के दौरान में 20 सूत्री कार्यक्रम के उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला प्रमुख लक्ष्मीनारायण पंड्या, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश श्रीमाली, पीसीसी सदस्य सुरेश सुथार, सत्यनारायण मंगरोरा, शारदा रोत, मधु सालवी, निवर्तमान ब्लॉक अध्यक्ष फतेह सिंह राठौड़, अजय सिंह, मोहम्मद नासिर खान, राजीव सुहालका, दीपांकर चतुर्वेदी, खूबीलाल मेनारिया, के.जी मून्दड़ा, डॉ कल्याण सिंह राव, मोहम्मद रियाज खान, विनोद पानेरी, वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी, गोपाल नागर, अजय पोरवाल, बतूल हबीब, शंकर चंदेल, मदन बाबरवाल, संजय मंदवानी, विनोद जैन, नवल सिंह चूण्डावत, प्रवक्ता फिरोज अहमद शेख, टीटू सुथार, महेश धनावत, महेन्द्रसिंह देवड़ा, विधुशेखर व्यास, बंसीलाल पालीवाल, वल्लभनगर सलूंबर धरियावद गोगुंदा सहित महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के आठों ब्लॉक संयोजक, सहसंयोजकगण, कांग्रेस एवं महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के सह संयोजक सुधीर जोशी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के पश्चात शर्मा ने स्वतंत्रता सेनानी गृहमंत्री गुलाब सिंह शक्तावत, हनुमान प्रसाद प्रभाकर, माणिक्य लाल वर्मा, रोशनलाल शर्मा एवं दुर्गा नर्सरी स्थित पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। सुखाड़िया समाधि स्थल पर कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष एवं सुखाड़िया की पुत्र वधू नीलिमा सुखाड़िया ने शर्मा को उपरणा व सूत की माला पहनाकर आशीर्वाद दिया।

नवस्थापित कार्यालय में पदभार संभालते पंकज शर्मा।

पाठक-पीठ

'प्रत्यूष' के दिसम्बर-22 के अंक का सम्पादकीय 'आठ अरब उम्मीदें, आठ अरब सपनें' व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और विश्व को आत्म-मंथन के लिए प्रेरित करता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक दुनिया की 7 अरब की आबादी ने 15 नवम्बर 22 को आठ अरब का आंकड़ा पार कर लिया। आबादी की वृद्धि मानवता की उपलब्धियों का प्रमाण तो है, इसके साथ भविष्य की चुनौतियों का आईना भी है। आज एक ओर विशाल आबादी गरीबी, बढ़ती महंगाई, खाद्यान संकट, महंगी होती चिकित्सा, शिक्षा से जूझ रही है, आगे क्या होगा, कैसे बढ़ती आबादी की जरूरतें पूरी होगी, इस पर अभी से मंथन कर योजनाओं व संसाधनों के विकास का रोडमेप तैयार करना होगा।

डॉ. बी.आर. चौधरी, सीएमडी, चौधरी हॉस्पीटल

यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि प्रत्यूष 'खेल-खिलाड़ी' स्तंभ में भी खेलों व खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रहा है। इससे भी ज्यादा खुशी प्रशांत अग्रवाल के उस आलेख से हुई जिसमें राजस्थान के एक दिव्यांग (विकलांग) खिलाड़ी देवेन्द्र झाझड़िया के 20 साल के खेल सफर की राष्ट्रीय-अर्न्तराष्ट्रीय उपलब्धियों को सिलसिलेवार प्रेषित किया गया है। इसके लिए उन्हे आभार।

दाउदयाल शर्मा, लेखाधिकारी, यूआईटी

'भारत जोड़ो यात्रा' को लेकर पंकज कुमार शर्मा का आलेख अच्छा लगा। इस यात्रा के राजनीतिक प्रभाव क्या होंगे? यह एक अलग विषय है, लेकिन इससे यह तो जरूर होगा कि आपसी मेलजोल, सहयोग और सद्भाव के लिए वातावरण बनेगा। दिसम्बर के 'प्रत्यूष' का एक ओर आलेख 'गीता बताती है, आत्मोन्नति का मार्ग' भी व्यक्ति को आत्म विश्लेषण का संदेश देने वाला है।

लोकेश कुमार पालीवाल, प्राध्यापक (हिन्दी)

भारत द्वारा जी-20 नेतृत्व को लेकर नीति आयोग के पूर्व सीईओ व जी-20 शेरपा ग्रुप में भारत के प्रतिनिधि अमिताभकांत का आलेख व योगेश नागदा द्वारा जी-20 शेरपा की पहली बैठक उदयपुर में होने को लेकर दी गई जानकारी अच्छी लगी। भारत को जी-20 राष्ट्रों के वर्षभर के लिए नेतृत्व मिलने से निश्चय ही भारत की वैश्विक मंच पर उपस्थिति और असरदार होगी तथा वह विकासशील राष्ट्रों की चिंताओं व वरीताओं के हक में आवाज़ बुलंद कर सकेगा।

जितेन्द्र पटेल, सीएमडी, पटेल फॉस्केम

आंचलिकता के रंग-रस से सराबोर एफएम रेडियो

डॉ. दीपक आचार्य

प्राचीन इतिहास, संस्कृति और संस्कारों को आत्मसात करके ही सभ्यताओं का क्रमिक विकास हुआ है। सदियों से यह अजस्र अविरल धारा किसी न किसी रूप में बहती रहकर समाज को नित नूतन और सम-सामयिक परिवेशीय ज्ञान का बोध कराते हुए जीवन लक्ष्यों के प्रति सजग और प्रेरित करती रही है।

प्राचीनकाल में ज्ञान और अनुभवों का अखूट खजाना श्रुति परम्परा के सहारे युगों तक पीढ़ी-दर-पीढ़ी बढ़ता रहा। शिलालेखों, भोजपत्रों, ताड़पत्रों, वस्त्रों, कागजों और किताबों से लेकर ज्ञान संवहन की परम्परा एक-डेढ़ दशक से उस अत्याधुनिक दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां सब कुछ यंत्र आधारित हो गया है।

मनुष्य की जीवनशैली से लेकर कार्यकलाप के हर क्षेत्र में विज्ञान ने इतनी जबर्दस्त पैठ कर ली है कि उसके बिना जीने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मनुष्य के जीवन में ज्ञान और अनुभवों के साथ मन-मस्तिष्क को सुकून देने के लिए मनोरंजन भी स्वाभाविक है। इस दृष्टि से रेडियो और टेलीविज़न की आज तकरीबन हर घर तक सहज पहुंच है।

आकाशवाणी, दूरदर्शन और सैकड़ों चैनलों के बाद एफ.एम. के प्रयोग ने कुछ वर्ष पूर्व लोक जीवन में ख़ासी हलचल मचायी और आज देश-दुनिया के कई हिस्सों में एफ.एम. की लोकप्रियता बुलन्दियों पर है।

सरकारों के साथ ही निजी और सामुदायिक रेडियो चैनल्स का प्रयोग हाल के वर्षों में बहुत अधिक फैला है। कई दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में इसका प्रसार देखने लायक है। अत्याधुनिक उपकरणों, श्रवण माधुर्य और व्यापक प्रसार के साथ ही एफ.एम. के प्रति जनाकर्षण की मुख्य वजह इसकी आंचलिकता भी है।

आज देश के कोने-कोने में फैले एफ.एम. रेडियो स्टेशन क्षेत्र विशेष की आंचलिक संस्कृति, कलाओं, इतिहास, गाथाओं और सभी प्रकार की थातियों को उजागर करने का काम कर रहे हैं। हाल के वर्षों में एफ.एम. में निजी भागीदारी ने एफ.एम. का जिस कदर विस्तार किया है वह अपने आप में रिकार्ड ही है। मनोरंजन और ज्ञान के इस अजस्र स्रोत का लाभ समाज-जीवन के प्रत्येक कर्म और वर्ग से जुड़े लोगों को हो रहा है। ख़ासकर युवा पीढ़ी के लिए एफ.एम. वह माध्यम है जिसके जरिये उन्हें अपने क्षेत्र व समुदाय के इतिहास, कला-संस्कृति, व्यक्तित्वों, लोक रंगों और रसों, त्योहारों-पर्वों, ऐतिहासिक परम्पराओं, सम-सामयिक गतिविधियों व जीवन निर्माण की जानकारी सहज प्राप्त होने लगी है।

एफ.एम. पुरानी और नई पीढ़ी के बीच का वह सेतु है जो पुरातन विरासतों और ज्ञानराशि को सहेज कर नई पीढ़ी तक पहुंचाता है और वह भी सरल, सुबोधगम्य और सहज संवादों के साथ। कहने को लोग कह सकते हैं कि एफ.एम. की वजह से नई पीढ़ी पर बुरा असर पड़ सकता है लेकिन यही बात तब भी कही गई थी जब फिल्मों का जमाना था।

निरन्तर प्रतिस्पर्धा और अपने अस्तित्व को बचाए रखते हुए आगे बढ़ने की होड़ में आज का युवा पहले की अपेक्षा कहीं ज्यादा समझदार और जागरुक है तथा अब उसे कान पकड़ कर यह समझाने की आवश्यकता नहीं है कि वह क्या करे, क्या न करे। जिजीविषा की होड़ में युवा अपने आप अपने मार्ग तलाशने के प्रति अपेक्षाकृत ज्यादा फिकरमंद है। ऐसे में एफ.एफ. उनके लिए ज्ञान और मनोरंजन का वह स्रोत है जो आनंदित करने के साथ सम सामयिक हलचलों से हमेशा अपडेट रखता है।

एफ.एम. के प्रसार की वजह से आज की युवा पीढ़ी को अपने तीज-त्योहारों और सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक तथा बहुविध परम्पराओं को जानने तथा उनका अनुगमन करने की सीख मिलती है।

प्रसारण माध्यमों के विस्तार की वजह से समाज और क्षेत्र की हर छोटी से छोटी गतिविधि आज रेडियो पर सुनाई देने लगी है। एफ.एम. की वजह से संस्कृति और संभाषण कला तथा रचनात्मक क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवक-युवतियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और संवारने के अवसर मिले हैं और एक बड़ा युवा समुदाय आज एफ.एम. की बदौलत रचनात्मक प्रवृत्तियों से जुड़ा होने के साथ ही आत्मनिर्भरता का स्वाद चख रहा है।

हालांकि आज के समय में जबर्दस्त मोबाइल क्रान्ति ने जनमानस को पाश में जकड़ रखा है। बावजूद इसके रेडियो और एफएम का वजूद अपनी जगह कायम है और रहेगा।

THE PERFECT LUXURY RESORT

RAMADA®
UDAIPUR RESORT & SPA

Rampura Circle, Kodiyat Road, Udaipur - 313 001
Tel. : 0294 3053800,9001298880 | Fax : 0294 3053900
reservations@ramadaudaipur.com | www.ramadaudaipur.com

छायावाद के स्थापक जयशंकर प्रसाद

जन्म: 30 जनवरी, 1890
निधन: 15 नवम्बर, 1937

अभिजय शर्मा

जयशंकर प्रसाद का शुरूआती जीवन दुख और पीड़ा में बीता। मात्र सत्रह वर्ष की उम्र में घर की जिम्मेदारी उनके नन्हे कन्धें पर आ गई। प्रसाद ने जीवन के संघर्षों से कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी गृहस्थी और साहित्य को पूरी श्रद्धा से संभाला। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुआ था। आज देश प्रसाद को एक महान कवि, उपन्यासकार, नाटककार और कहानीकार के रूप में जानता है।

छायावाद के प्रमुख कवि निराला की तरह जयंशकर प्रसाद का भी शुरूआती जीवन संघर्षमयी रहा। जयशंकर प्रसाद के पिता देवीप्रसाद का तंबाकू का व्यापार था। व्यापार अच्छा चल रहा था, लेकिन जब पिता की मृत्यु हो गई तो व्यापार प्रसाद के बड़े भाई शंभू रत्न ने संभाला, लेकिन कुछ समय बाद उनका भी निधन हो गया। ऐसे में जयशंकर प्रसाद की शिक्षा विद्यालय में नही हो पाई। वे केवल आठवीं तक विद्यालय में पढ़े। आगे की पढ़ाई उन्होंने घर पर ही की। प्रसाद की रूचि विभिन्न भाषाओं, इतिहास और साहित्य में थी। ये सभी शौक उन्होंने घर पर ही पूरे किए। जयंशकर प्रसाद की रूचि बचपन से ही हिंदी साहित्य में थी। उन्होंने नौ बरस की उम्र में अपने गुरू को ब्रजभाषा में कलाधर नाम से सवैया लिख कर दिखाया था। वे वेदों से अधिक प्रभावित थे। इस वजह से भी उन्होंने लिखना शुरू किया। उनका पहला कविता संग्रह 'चित्रधार' नाम से आया। उनकी कविताएं भावुक, साधारण, सौम्य और दिल को छू जाने वाली हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण लोग उन्हें आज भी पढ़ना पसंद करते हैं। प्रसाद की कविताओं में विभिन्नता है। वे रूमानी और देशभक्ति दोनों तरह की कविताएं लिखते थे। उनकी 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' कविता सबसे चर्चित रही। यह कविता उन्होंने आजादी से पहले लिखी थी। चंद्रगुप्त, स्कंदगुप्त और ध्रुवस्वामिनी उनके प्रमुख नाटक थे। 'कामायनी' महाकाव्य से प्रसाद को काफी प्रसिद्धि मिली। यह उनका अक्षय कीर्ति स्तंभ कहा जाता है। भाषा, शैली और विषय-तीनों की दृष्टि से यह विश्व-साहित्य का अद्वितीय ग्रंथ है। 'कामायानी' में प्रसाद ने प्रतीकात्मक पात्रों द्वारा मानव के मनोवैज्ञानिक विकास को प्रस्तुत किया है और मानव जीवन में श्रद्धा और बुद्धि के समन्वित जीवन-दर्शन को प्रतिष्ठा प्रदान की है। इसके अलावा 'आंसू' उनके मर्मस्पर्शी वियोगपरक उद्गारों की काव्य-कृति है। 'लहर' मुक्तकों का संग्रह है। 'झरना' उनकी छायावादी कविताओं की कृति है। 'कानन कुसुम' में उन्होंने अनुभूति और अभिव्यक्ति की नई दिशाएं खोजने के प्रयत्न किए हैं। 1909 में 'प्रेम पथिक' का ब्रजभाषा स्वरूप सबसे पहले 'इंदु' पत्रिका में प्रकाशित हुआ। हिंदी साहित्य में छायावाद का स्थापक जयशंकर प्रसाद को माना जाता है। उन्होंने जो साहित्य रचा, वह खड़ी बोली में है। वे छायावाद के प्रतिष्ठापक ही नहीं, बल्कि छायावादी पद्धति पर सरस संगीतमय गीतों के लिखने वाले श्रेष्ठ कवि भी बने। उनकी रचनाएं प्रेमपरक हैं। जयशंकर प्रसाद ने केवल उपन्यास या कविताएं ही नहीं लिखे बल्कि कहानियां भी खूब लिखीं। हिंदी साहित्य को कहानी की आधुनिक विधा प्रसाद ने ही दी। जैनेंद्र और अज्ञेय की कहानियों के मूल में प्रसाद के इस आयाम को देखा जा सकता है। उनका निधन मात्र सैंतालीस वर्ष की उम्र में 15 नवंबर, 1937 को हो गया।

दिन का चोघड़िया

6 बजे से प्रात. के समय	चोघड़िया	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
6 से 7.30	पहली चोघ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
7.30 से 9	दूसरी चोघ.	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
9 से 10.30	तीसरी चोघ.	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
10.30 से 12	चौथी चोघ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग
12 से 1.30	पांचवी चोघ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
1.30 से 3	छठवीं चोघ.	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
3 से 4.30	सातवीं चोघ.	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत
4.30 से 6 शाम	आठवीं चोघ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल

रात का चोघड़िया

6 बजे से रात के समय	चोघड़िया	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
6 से 7.30	पहली चोघ.	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
7.30 से 9	दूसरी चोघ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग
9 से 10.30	तीसरी चोघ.	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
10.30 से 12	चौथी चोघ.	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत
12 से 1.30	पांचवी चोघ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
1.30 से 3	छठवीं चोघ.	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
3 से 4.30	सातवीं चोघ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
4.30 से 6 प्रातः	आठवीं चोघ.	शुभ	चंचल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

गुलाब से महकाएं घर

हर्षिता नागदा

सर्दी के इस सुहाने मौसम में प्रकृति भी पूरी तरह मुखर उठी हैं। रंग-बिरंगे पुष्पों के रूप में हर तरफ उसका सौन्दर्य निखरा है। अनेकों प्रजाति के पुष्पों को आप इन दिनों बाग-बगीचों, घरों-नर्सरियों में खिलते-महकते देख ही रहे होंगे। यह मौसम इन्द्रधनुषी रंगों के गुलाब खिलने का भी है। आप भी किसी नर्सरी से गुलाब के पौधे लाएं और गमलों में लगाकर घर महकाएं।

सर्दियां आरंभ हो चुकी हैं। प्रकृति ने अपना सौंदर्य पुष्पों में दिखाना शुरू कर दिया है। अनेक प्रजाति के पुष्पों को आप इन दिनों बाग-बगीचों, घरो , नर्सरियों में और सड़क पर बेचने वालों के पास पाएंगे। इन्हीं में आकर्षक पौधा गुलाब का भी होगा, जो आपको हमेशा आकर्षित करता है।

कौन सा गुलाब लगाएं

गुलाबों की अनेक प्रजातियां हैं। हमको अपनी आवश्यकता, इच्छा और उपलब्धता पर ध्यान देना होगा। संक्षेप में गुलाबों का निम्न प्रकार से वर्गीकरण किया जा सकता है।

हार्डब्रिड टी: यह गुलाबों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। इस पर बड़े और आकर्षक फूल आते हैं। एक टहनी पर एक ही फूल आता है। फूलों का आकार बड़ा होता है।

फ्लोरी बंडा: इस प्रकार के पौधों में फूल हाईब्रिड टी की अपेक्षा अधिक आते हैं। एक टहनी में गुच्छों में या एक से अधिक कलियां-पुष्प लगते हैं। इसका आकार छोटा होता है। ये गमलों और क्यारियों दोनों में लगाए जा सकते हैं।

झाड़ी गुलाब: इस प्रकार के गुलाबों की ग्रोथ बहुत ज्यादा होती है। इनकी टहनियां आधार पर नीचे बहुत मोटी हो जाती है। इनकी ऊंचाई 7-8 फीट तक पहुंच जाती है। इनको पूनिंग करके कन्ट्रोल किया जाता है। इनके पुष्प भी बड़े और आकर्षक होते हैं। इनके फूल गुच्छों में आते हैं।

मिनियेचर गुलाब: जैसा इसके नाम से ही पता चलता है, गुलाब की यह छोटी प्रजाति है। इस के फूलों का साइन फ्लोरी बंडा से भी कम होता है। पौधों का आकार 1 फीट होता है। बटन के समान कुछ बड़े-छोटे गुच्छों में पुष्प आते हैं। ये पौधे आजकल बहुत ट्रेंडी हैं। हर घर आंगन में बगीचे का आकार छोटा हो गया है, कम जगह के लिए ये

पौधे प्रयोग में लिए जा सकते हैं। इन्हें कम स्थान वाली बालकनी में भी लगाया जा सकता है। इनके फूल गुच्छों में सदैव रौनक दार होते हैं। गहरे लाल, गुलाबी ,सफेद रंगों में इनके फूल होते हैं।

बेल गुलाब: गुलाबों की बेल प्रजाति भी होती है। इसमें गुलाब के पौधों की प्रजातियां अधिकांश पहाड़ी इलाकों में सफलता-पूर्वक लगाई जाती हैं। वहां इन्हें स्वत: प्राकृतिक वातावरण मिलता है। यानि नमी अधिक चाहिए। इनकी शाखाएं लम्बी-कमजोर होती हैं। अत: इन्हें सहारे की आवश्यकता होती है। जिससे इन्हें सही आकार प्रदान होता है। इसे भवन के मुख्य द्वार पर दोनों ओर एक आकर्षक आकार दिया जा सकता है। लेकिन यह आवश्यक है कि अन्य परिस्थितियां अनुकूल हो यानी धूप पर्याप्त आती हो।

स्टैन्डर्ड गुलाब: ये गुलाब आकर्षण की दृष्टि से बड़े बगीचे-उद्यानों के लिए उपयुक्त हैं। इनमें एक सीधी-देसी टहनी लगभग 90 सीएम लम्बी उस पर ग्राफ्टिंग करके पौधा तैयार किया जाता है। अत: आधार से 90 सीएम तक एक टहनी पिलर की तरह लगती है और उस पर छतरी की तरह पौधे को आकार दिया जाता है।

ऐसे करें पौधों की देखभाल

- ☑ सर्दी की शुरूआत के साथ ही कई बार पौधे सूखने या उनकी पत्तियों में पीलापन आने लगता है। ऐसे में उनकी देखभाल करना बहुत जरूरी है।
- ☑ पौधों के पीले पत्तों को हटा दें और गमलों की गुड़ाई करें। यह देखें कि इनमें कहीं कीड़े तो नहीं, साथ ही पत्तों की भी अच्छी तरह जांच करें।
- ☑ पानी देने का समय वैसे तो सुबह या शाम, दोनों ही उपयुक्त माने जाते हैं। लेकिन बात अगर सर्दी की हो तो फिर शाम के समय इन्हें पानी देना उपयुक्त होगा। इससे ठंड उन्हें किसी तरह का नुकसान भी नहीं पहुंचा पाती।
- ☑ सर्दी के दिनों में पौधों को नियमित पानी देने की बजाय उनमें पांच या छह दिन में पानी देना चाहिए। जिन पौधों की जड़ें मोटी होती हैं, उन्हें 2-3 दिन में भी पानी दे सकते हैं।
- ☑ गुड़ाई के बाद पौधों में कम्पोस्ट खाद का प्रयोग कर सकते हैं। गमलों का ड्रेनेज होल ठीक होना चाहिए, ताकि पानी का निकास भी होता रहे।

-बीएस कुशवाह

झारखंड की धरती से चमका एक और 'माही'

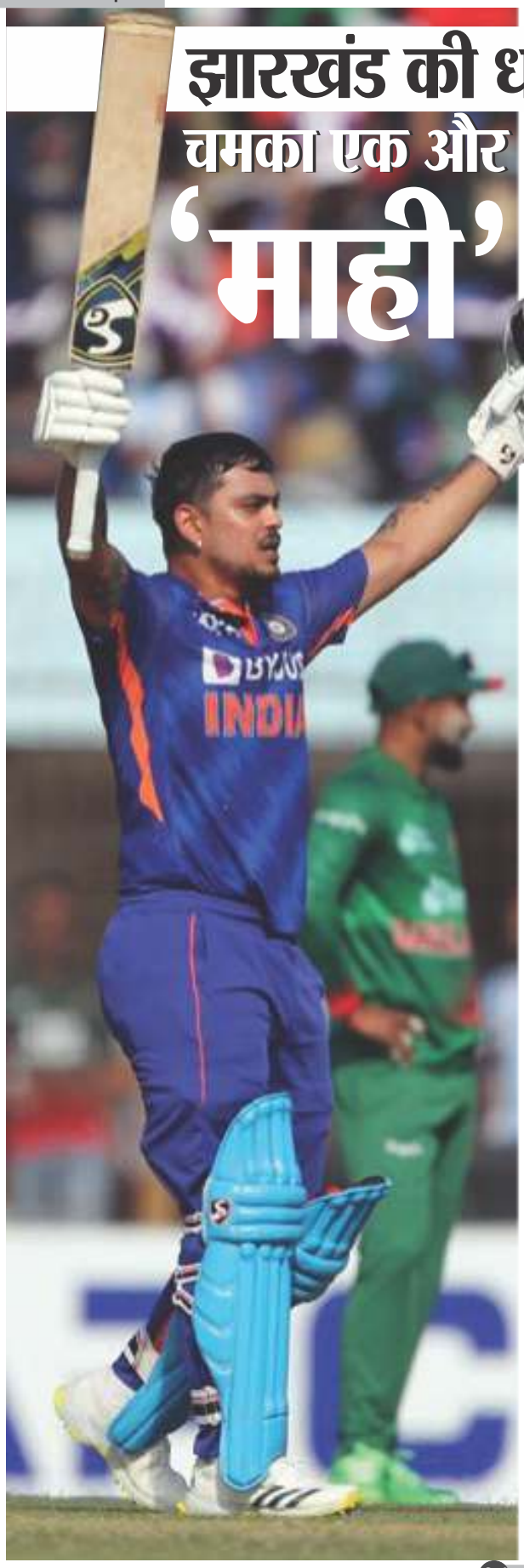

चटगांव के मैदान में मेजबान बांग्लादेश तीसरे और आखिरी वनडे क्रिकेट मैच में भारत के युवा ओपनर ईशान किशन की आंधी में ऐसा उड़ा कि 34 ओवर में 182 रन पर ही सिमट गया। ईशान ने 131 गेंदों में 210 रन बनाए। भारत ने 8 विकेट पर 409 रन बनाए।

विजय पाठक

ईशान किशन ने 10 दिसम्बर को चटगांव के मैदान पर दोहरे शतक के साथ ही अपने वनडे करियर का पहला शतक बनाया। ईशान का यह कुल 10वां वनडे मुकाबला था। वहीं भारतीय टीम तीसरा मैच जीत क्लीन स्वीप से बच गई। बांग्लादेश ने यह सीरीज 2-1 से अपने नाम ली। ईशान और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 190 गेंदों में 290 रन जोड़े। भारत ने पहला विकेट शिखर धवन के रूप में गंवाया था, तब स्कोर 15 रन था।

भारत ने छठी बार बनाया 400+ स्कोर

भारतीय टीम ने छठी बार वनडे में 400 से ज्यादा रन बनाए। भारत का सर्वाधिक स्कोर 418 रन हैं, जो उसने 2011 में इंदौर में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। इस मैच में सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग ने दोहरा शतक ठोका था। ईशान ने अपना पहला इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड के खिलाफ 14 मार्च 2021 को खेला था। इस टी-20 मैच में उन्होंने 32 गेंदों पर 56 रन बनाए। टी-20 इंटरनेशनल में अब तक 21 मैच खेलकर ईशान ने 589 रन बनाए हैं। जल्द ही ईशान को इंटरनेशनल वनडे में भी खेलने का मौका मिल गया। भारत को इस खिलाड़ी के रूप में एक और महेन्द्रसिंह धोनी (माही) मिल गया है। धोनी की ही कर्मभूमि झारखंड से आने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने बांग्लादेश की धरती पर एक ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है, जो संभवत: दशकों तक तोड़ा नहीं जा सकेगा। ईशान ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में मात्र 126 गेंदों पर डबल सेंचुरी लगाई और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस गेल का 138 गेंदों में डबल सेंचुरी लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया।

यह डबल सेंचुरी ईशान के क्रिकेट करियर में एक नया मोड़ साबित होगी। ठीक इस तरह विशाखापत्तनम में पाकिस्तान के खिलाफ 148 रनों की पारी खेलकर महेन्द्रसिंह धोनी के करियर में नया मोड़ आ गया था। वह धोनी के वनडे करियर का पांचवां मैच ही था और उम्र 24 की ही थी। कुछ-कुछ ऐसा ही ईशान किशन ने भी कर दिखाया है। बस धोनी पाकिस्तान के खिलाफ 150 रन लगाने चूक गए थे और ईशान ने अपने वनडे करियर के दसवें मैच में ही 200 रन का जादुई आंकड़ा छू लिया है। छोटे कद के 24 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान टीम इंडिया के सफलतम कप्तान महेन्द्रसिंह धोनी को अपना आदर्श भी मानते हैं।

18 जुलाई 1998 को पटना (बिहार) में जन्मे ईशान छोटी उम्र से क्रिकेट खेलने लगे थे। वर्ष 2014 में मात्र 16 साल की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने कदम रख दिया था। इसी साल उन्होंने झारखंड की तरफ से टी-20 मुकाबले में खेलना शुरू किया। वो टीम इंडिया की अंडर 19

वर्ल्ड कप टीम के कप्तान भी रहे हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हैं और धुआंधार बैटिंग के लिए जाने जाते हैं। जिस प्रकार धोनी लम्बे शॉट और छक्के लगाने के लिए प्रसिद्ध हैं, कुछ-कुछ वही अंदाज ईशान किशन का भी है। ईशान ने अपना पहला इंटरनेशनल मैच इंग्लैंड के खिलाफ 14 मार्च 2021 को खेला था। इस टी-20 मैच में उन्होंने 32 गेंदों पर 56 रन बना डाले थे। टी-20 इंटरनेशनल के अब तक 21 मैच खेलकर ईशान ने 589 रन बनाए हैं। जल्द ही ईशान को इंटरनेशनल वनडे में भी खेलने का मौका मिला।

18 जुलाई 2021 को श्रीलंका के खिलाफ अपने पहले वनडे मैच में ही ईशान ने 42 गेंदों पर 59 रन बना डाले थे। अब बांग्लादेश के खिलाफ 210 रन की पारी को मिलाकर 10 वनडे मैंचों में वह अब तक 477 रन बना चुके हैं। इससे पहले उनका अधिकतम स्कोर 93 रन था, जो अक्टूबर 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने बनाए थे।

7 बल्लेबाजों ने लगाए 9 दोहरे शतक

बल्लेबाज	देश	रन	गेंद	विपक्षी टीम	साल
रोहित शर्मा	भारत	264	173	श्रीलंका	2014
मार्टिन गुप्टिल	न्यूजीलैंड	237*	163	वेस्टइंडीज	2015
वीरेंद्र सहवाग	भारत	219	149	वेस्टइंडीज	2011
क्रिस गेल	वेस्टइंडीज	215	147	जिम्बाब्वे	2015
फखर जमान	पाकिस्तान	210*	156	जिम्बाब्वे	2018
ईशान किशन	भारत	210	131	बांग्लादेश	2022
रोहित शर्मा	भारत	209	158	ऑस्ट्रेलिया	2013
रोहित शर्मा	भारत	208*	153	श्रीलंका	मोहाली
सचिन तेंदुलकर	भारत	200*	147	द.अफ्रीका	2010

वैसे तो ईशान बिहार के रहने वाले हैं, पर झारखंड से उन्होंने क्रिकेट खेलना तय किया। महेन्द्रसिंह धोनी से सलाह लेते रहते हैं। वर्तमान में टीम इंडिया में यदि विकेटकीपर बल्लेबाजों की बात करें तो केएल राहुल, ऋषभ पंत और संजू सैमसंग भी खेल रहे हैं। ऋषभ पंत और ईशान किशन करीब-करीब एक ही उम्र के हैं। ईशान किशन के मुकाबले में कोई भी विकेटकीपर बल्लेबाज अच्छे फॉर्म में नहीं है। आगामी एशिया कप और वर्ल्ड कप में ईशान का खेलना तय लग रहा है।

विशाल हृदय माता कैकेयी

रेखा सेठी

हम इंसान बहुत जल्दी ही किसी निर्णय पर पहुँच जाते हैं जो कभी-कभी हमें गलत निष्कर्ष तक ले जाता है। हर व्यक्ति, हर क्षण, हर घटना अपने आप में बहुत कुछ समेट लेती है, हम एक ही सिरा देखकर उसके दूसरे सिरे को नकार देते हैं, और अपनी राय निश्चित कर लेते हैं। इतिहास में भी एक अति विशिष्ट, सचरित्र, वीरांगना, कर्त्तव्यपरायण पत्नी और ममतामयी माँ कैकेयी हमारे इसी सोच के कारण सदा से ही कुछ लोगों की दृष्टि में हेय रही है।

कैकेयी राजा दशरथ की शेष दो रानियों की अपेक्षा अधिक समर्थ कुल व राज्य से थीं, रूपवती और संगीतज्ञ होने के साथ ही युद्ध कला में पारंगत थीं। उन्हें वेदों शास्त्रों के साथ- साथ समुद्र शास्त्र और राजनीति का भी ज्ञान था। इन्हीं गुणों के कारण महाराज दशरथ उनके प्रति अधिक आसक्त रहते थे, लेकिन तब भी कैकेयी द्वारा अन्य रानियों के प्रति कभी किसी दुर्व्यवहार का उद्धरण नहीं मिलता। अर्थात् उनका अंतस सरल और निश्छल था, तभी वे राम के प्रति भरत से अधिक अनुराग रखती थीं।

वनगमन पुत्र राम के प्रति अनुराग का ही एक रूप था। अधिकतर लोग यही समझते हैं कि कैकेयी ने श्रीराम को वनवास अपने पुत्र भरत के राज्याभिषेक के लिए दिया था। जिसे दुनिया राम के प्रति अन्याय मान बैठी जबकि वह राम के हित में उठाया कदम था। श्रीराम ने धरती पर अपने अवतार का प्रयोजन माता कैकेयी को बताया था। ममता का वास्ता देते हुए कहा था- माता! अगर आप सच में मुझे भरत से अधिक स्नेह करती हैं तो मेरा साथ दीजिये, कोई राह निकालिए, पिताजी मुझे राजा घोषित कर देंगें तो मैं वन में नहीं जा सकूँगा और माता कौशल्या तो कदापि मुझे जाने नहीं देंगी। मुझे वैसे भी राजसी वेष में नहीं जाना है बल्कि एक साधारण मनुष्य के रूप में जाना है। यह सुन कर माता कैकेयी चिंतित हो गयी। परन्तु प्रभु राम के समझाने पर माता

कैकेयी मान गयी। जबकि वे ये भी जानती थी कि राम का इस प्रकार साथ देना उसके अपयश का कारण बनेगा फिर भी उन्होंने ये त्याग किया। रही बात महाराज दशरथ के मृत्यु की, तो ये भी राम और कैकेयी को ज्ञात था कि ये होकर ही रहेगा। उनको श्रवण कुमार के पिता शांतनु का श्राप मिला था, इससे उन्हें कोई बचा ही नहीं सकता था। इससे पहले की बातों पर भी अगर गौर करें। कैकेयी नंदीग्राम अर्थात् कैकय देश के राजा अश्वपति की पुत्री थी, और शांतनु उनके राजपुरोहित थे। उन्होंने ही कैकेयी को वेद-पुराण और शास्त्रों की शिक्षा दी थी।

एक दिन बातों ही बातों में अयोध्या नरेश की चर्चा चल पड़ी तब शांतनु ने बताया था कि ज्योतिष गणना के अनुसार राजा दशरथ का कोई भी पुत्र गद्दी पर नहीं बैठ पायेगा और अगर उनकी मृत्यु के पूर्व उनका कोई भी पुत्र सिंहासन पर बैठा तो रघुकुल का नाश हो जायेगा। 14 वर्ष उनके राज्य का बहुत कठिन समय होगा ये बात न कैकेयी भूली थी और न ही उनके पिता । इसलिए जब कैकेयी का विवाह राजा दशरथ से हुआ तब भविष्य की इन्हीं योजनाओं को कार्यान्वित करने के उद्देश्य से भरत को परिवार से अलग ननिहाल में शिक्षा दी गयी। क्योंकि कैकेयी तो जानती थी और तय था कि भरत को शायद राजकार्य संभालना ही होगा। यही बात जब राम ने कैकेयी को बताई तब उन्होंने राम को वनवास देने वचन लिया ताकि वो गद्दी पर न बैठे। साथ ही उसे पता था कि उनका पुत्र भरत भी भाई की गद्दी पर कदापि नहीं बैठेगा, परन्तु राजपाट संभाल लेगा। इस तरह उसने रघुकुल की रक्षा की। ध्यान देने योग्य बात है कि जब राम को वापस लिवाने सब लोग वन में पहुँचे और तरह-तरह से कैकेयी के बारे में भरत और लक्ष्मण ने भी निंदनीय बातें कही तब श्री राम ने कहा-

दोसु देहिं जननिहि जड़ तेई ।
जिन्ह गुर साधु सभा नहिं सेई ।।

अर्थात माता को तो वही मूर्ख लोग दोष देते हैं जिन्होंने गुरुओं, साधुओं की सभा का सेवन नहीं किया। इससे स्पष्ट है कि राम जानते थे इस सारी प्रक्रिया को और उनको पता था कि माता कैकेयी ने हृदय कितना विशाल करके सारा अपयश सह लिया है। राम को वन में 14 साल के लिए भेजने की योजना को महर्षि वशिष्ठ ने ही हरी झंडी दी थी। राजगुरु की स्वीकृति के बिना किसी भी कार्य को अंजाम नहीं दिया जा सकता था, यह भी समझने की बात है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

THE SUCCESS GROUP OF INSTITUTIONS

"SUCCESS CAMPUS" Rudraksh Complex, University Road, Udaipur

SCHOOL'S	MIRANDA SR. SEC. SCHOOL	Hiran Magri Sec.5 Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2464056,9414546333
	THE PRAYAS PUBLIC SCHOOL	Tekri Udaipur (Rajasthan) Mob: 9462514121
	SWAMI VIVEKANAND Sr. Sec. School	Mali Colony, New Anand Vihar, Udaipur (Rajasthan), Mob: 9462514102
	ROYAL ACADEMY Secondary School	Opp North Sunderwas, Pratap Nagar, Udaipur, Mob: 9116091101
COACHING	THE SUCCESS POINT	"SUCCESS CAMPUS" University Road, Udaipur, Mob: 9928522906
COLLEGE	THE SUCCESS COLLEGE	"SUCCESS CAMPUS" University Road, Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2470087-88
VOCATIONAL	THE SUCCESS POINT Institue Of Vocational Studies	"SUCCESS CAMPUS" University Road, Udaipur (Rajasthan) Ph: 0294-2470087-88

राशिवार वर्ष फल

पं. शोभालाल शर्मा

मेषः (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले लो, अ) नया साल आपके लिए कुछ मिश्रित फल देने वाला है। स्वास्थ सम्बंधी परेशानी कम होगी लेकिन मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। मेष राशि का चन्द्रमा व राहु लग्न में, वृष राशि का मंगल धनभाव में, तुला राशि का केतु सातवें स्थान में, धनु राशि का सूर्य व बुध भाग्य स्थान में मकर राशि का शनि शुक्र दसवें स्थान में तथा मीन राशि का गुरू बारहवें स्थान में गतिशील रहेंगे। फलतः नौकरी, व्यवसाय, स्वास्थ्य एंवम दाम्पत्य जीवन संतोषप्रद होने के बावजूद भी आमदनी के अपेक्षा व्ययभार अधिक रहेगा। हालांकि परिवार के किसी बुजुर्ग का परामर्श भाग्योन्नति में सहायक बन सकता है। धन के लेनदेन में सावधानी बरतनी होगी। संतान सुख की प्रप्ति होगी। कोई बाहरी व्यक्ति क्षति पहुंचा सकता है। विद्यार्थी मानसिक रूप से मजबूत होकर इन्टरव्यू अथवा परीक्षाओं में प्रवेश करें। अध्ययनरत लोगों के लिए यह वर्ष शुभ फलदायक हैं। प्रेम प्रसंग में सतर्क रहें। मानहानि भी हो सकती है। अविवाहितों के लिए केतु शुभ फलकारक नहीं है। विवाह सम्बंधों में अनर्गल बाधाएं खड़ी हो सकती हैं। भूमि–भवन, वाहन इत्यादि के क्रय–विक्रय में सावधानी बरतें। लगन में राहु–शुक्र चन्द्रमा की प्रतियुति होने से भाग–दौड़ कुछ ज्यादा ही रहेगी। इस वर्ष यात्रा के योग हैं। जिसमें विदेश यात्रा भी शामिल है। अशुभ ग्रहों की शांति एं व म मनोनुकूल फल प्राप्ति के लिए नवग्रह शांति पाठ करें।

वृषभः (इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) वृष राशि वालों के लिए यह वर्ष सामान्य शुभदायक रहेगा। नवीन व्यक्तियों के सम्पर्क से व्यवसाय में मार्गदर्शन और सहयोग मिलने से लाभ की स्थिति रहेगी। आपकी राशि में लग्नेश शुक्र लग्न एवं षष्ट के स्वामी होकर व्यय भाव में शत्रु, मंगल की राशि में शुक्र–राहु के साथ युति होने से आमदनी और व्यय की स्थिति लगभग बराबर रहेगी। शारीरिक स्वास्थ्य भी सामान्य रहेगा। बृहस्पति इस वर्ष लगन कुंडली के अनुसार अष्टम भाव एवं लाभभाव के स्वामी होकर उनकी गुरू सूर्य व बुध के साथ युति रहेगी। फलतः कार्य एवं व्यवसाय में यह वर्ष महत्वपूर्ण बदलाव वाला तथा पारिवारिक दृष्टि से भी अनुकूल है। परिवार में सुख–शांति रहेगी माता का स्वास्थ अच्छा रहेगा किन्तु पिता के स्वास्थ्य में उतार–चढ़ाव चलता रहेगा। अविवाहितों के विवाह का योग है। कार्य क्षेत्र में अचानक ही प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे। राजनीति में काम करने वालों के लिए यह वर्ष अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इस वर्ष विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे। मनचाहा केरियर चुन सकेंगे। स्फटिक माला से लक्ष्मी मंत्र जपें व जरूरत मंदों की सामर्थ्य के अनुसार मदद करें। यदि आप किसी भी विधा के कलाकार अथवा खिलाड़ी हैं तो प्रयास करने पर यश और ख्याति में वृद्धि हो सकती है। माता–पिता एवं जीवन साथी का निरंतर सहयोग मिलता रहेगा। व्यर्थ के कार्यों में निवेश से बचें। वाणी पर संयम रखें अन्यथा बनते काम बिगड़ सकते हैं। बुध, शनि और रविवार आप के लिए अपेक्षाकृत अन्य दिनों के ज्यादा शुभदायक होंगे।

तुलाः (रा,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते) इस राशि वालों के लिए यह वर्ष मिश्रित फलदायक है। पुरानी बीमारियों से परेशानी हो सकती है। रोगोपचार में अधिक धन के खर्च से परेशान रहेंगे। आमदनी कम खर्च ज्यादा रहेगा। व्यवसाय संचालन में कठोर परिश्रम की जरूरत होगी। वाणी में संयम रखें अन्यथा बना–बनाया काम बिगड़ सकता है। नौकरी में भी सम्बंधित अधिकारियों से बेवजह वाद–विवाद और वैचारिक मतभेद होंगे। किसानी करने वालों को यह वर्ष लाभ देगा। यह वर्ष विद्यार्थियों के लिए संतोषजनक है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी और जो डिग्री कोर्स वे कर रहे हैं उसमें भी सफलता मिलेगी। खेल, संगीत और कला से जुड़े लोगों के लिए वर्ष शुभदायी है। अविवाहितों के लिए सप्तम भाव में शुक्र व राहु की युति बाधा डाल रही हैं। वाहन से आने–जाने के दौरान विशेष रूप से सावधान रहें। माता–पिता के स्वास्थ की चिंता और दाम्पत्य जीवन में उतार–चढ़ाव भी चलता रहेगा। माता लक्ष्मी का पूजन एवं शुक्र का जाप करवायें। नवग्रह शांति मंत्र का जाप करना भी लाभदायक होगा। आप जिन्हें अपना समझते हैं, उनसे थोड़ा सावधान ही रहेंगे तो बेहतर होगा। वे आपको कारोबार अथवा कार्य क्षेत्र में नुकसान पहुंचा सकते हैं।

वृश्चिकः (तो,ना,नि,नू,ने,नो,या,यी,यू) ग्रहीय गणना के अनुसार 17 जनवरी से शनि की ढईया चलेगी। यह वर्ष अत्यधिक उतार–चढाव वाला रहेगा। मानसिक अशांति,व्यर्थ के खर्च कार्य–सिद्धि में विलम्ब से परेशानी होगी। सम्पति के रख–रखाव व पुनःनिर्माण पर धन खर्च करना पड़ेगा। नया कारोबार शुरू करने से पहले अपने बुजुर्गों अथवा अनुभवी लोगों की सलाह लें। वर्ष के शुरू में आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी लेकिन मध्य का समय अर्थात मई से सितम्बर तक का समय ठीक नहीं है। इस दौरान व्यर्थ के कार्यों में पैसा खर्च होगा। लेनदेन के मामलों में भी हानि सम्भव है। विदेश जाकर अध्ययन करने के इच्छुक विद्यार्थियों को वीजा न मिल पाने या उसमें कठिनाई आने से परेशानी होगी। मांगलिक कार्यों में भी कोई न कोई अड़चन खड़ी हो जायेगी। संतान की ओर से खुशी का समाचार मिलने से परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा। यदि आप राजनेता, कलाकार, खिलाड़ी, अभिनेता हैं तो इस वर्ष लगातार प्रयत्नशील रहने पर ही सफलता मिलेगी। वाणी पर संयम रखना हित में रहेगा। मंगलवार का व्रत करें और हनुमान जी को गुड़ मिश्रित रोट का भोग लगायें। पांच शनिवार या मंगलवार को सुन्दरकाण्ड का पाठ करें।

मिथुनः (का, की, कू, घ, ड., छ, को, ह) यह वर्ष स्वास्थ की दृष्टि से उत्तम और आर्थिक दृष्टि से उतार–चढ़ाव वाला होकर जून माह से उत्तरोत्तर सुधार की ओर रहेगा। 17 जनवरी तक शनि की ढईया रहेगी। इसके बाद यह वर्ष हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आयेगा। न्यायपालिका आपके पक्ष में होगी। व्यवसाय में आशानुरूप विस्तार एवं धन की प्राप्ति होगी और यदि नौकरीपेशा हैं तो पदोन्नति के अवसर मिलेंगे। शिक्षा, परीक्षा प्रतियोगिता में प्रयास सफल होंगे। आर्थिक लेनदेन में सावधानी जरूरी है। हालांकि शनि 2023 तक मकर राशि में विचरण करेंगे। 17 जनवरी से शनि अपनी राशि कुम्भ में प्रदेश कर जायेंगे। वे इसी राशि में 18 जून को वकी होकर 14 नवम्बर को मार्गीय हो जायेंगे। इस दौरान विशेष सावधानी बरतें। शारीरिक दुर्बलता, थकान, प्रमेह, रक्तचाप व ऑख–कान–गला से सम्बंधित कुछ परेशानियां हो सकती हैं। सहयोगियों से तालमेल बनाकर रखना फायदेमंद रहेगा। भूमि–भवन, वाहन इत्यादि खरीदने का योग है। मंगल लग्न में चंद्रमा के साथ युति होने से कभी–कभी व्यवहार में बेवजह उग्रता आ सकती है। जिससे व्यर्थ में आपके प्रति बैर–विरोध का वातावरण बन सकता है। यदि आप राजनीति में हैं तो यश और सम्मान के भागीदार होंगे। यदि आप कृषक हैं तो खेती–बाड़ी में लाभ और खिलाड़ी हैं तो कुछ अनूठी उपलब्धि का श्रेय मिल सकता है। कालाकारों व प्रशासनिक अधिकारियों को अपने कार्य व्यवहार में संयम बरतना होगा। मिथुन राशि जातकों को बुधवार का व्रत और गणेश जी की पूजा के साथ गायों को चारा डालना चाहिए। सम्भव हो तो नित्य गणेश चालीसा का पाठ भी करना चाहिए।

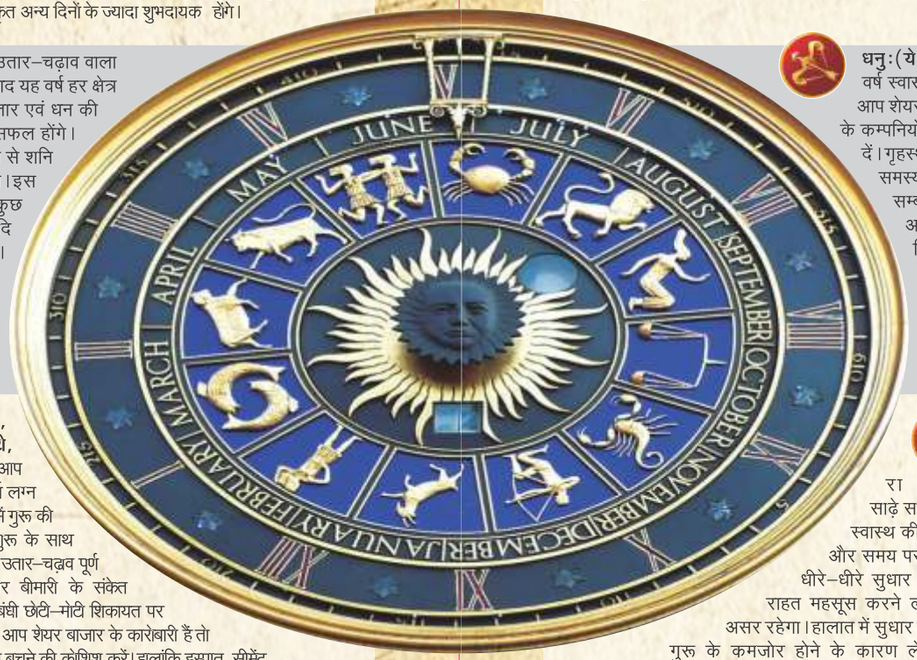

धनुः (ये,यो,भा,भो,भू,धा,फा,दा,भे) इस राशि पर 17 जनवरी को साढे साती उत्तर जायेगी। गृह चाल के अनुसार यह वर्ष स्वास्थ की दृष्टि से ठीक हैं, लेकिन नौकरी–व्यवसाय में कुछ गतिरोध आ सकते हैं। अन्ततः सफलता मिलेगी। यदि आप शेयर बाजार के कारोबारी हैं, तो इस वर्ष सूझबूझ से काम करना पड़ेगा। सॉफ्टवेयर, मीडिया, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के कम्पनियों फार्मा, पेट्रो रसायन, विद्युत,सोना–चांदी पर आधारित उद्योगों के शेयरो में दीर्घकालीन निवेश पर ज्यादा ध्यान दें। गृहस्थ जीवन में समझौता वादी दृष्टिकोण लेकर ही चलें तो बेहतर होगा। बड़े–बुर्जुगों के आदर सम्मान से आने वाली समस्याओं को दूर कर सकेंगे। उनसे निरन्तर परामर्श करें। आप को अपना व्यवसाय अथवा कार्यक्षेत्र विस्तार करने सम्बंधी अपने ही कुछ लोग उत्साहित करेंगे लेकिन सूझबूझ से काम लें अन्यथा नुकसान उठाना पड़ सकता हैं। अविवाहित जातकों के सप्तम भाव में इस वर्ष मंगल जहां बाधायुक्त चाल से चल रहे है, वहीं लग्नेश गुरू शुभफलप्रद स्थिति में चलने से अन्ततः जीवनसाथी मिलने में सफल होंगे। सन्तानहीन दम्पतियों को इस वर्ष सन्तान प्राप्ति हो सकती है वहीं सन्तान के स्वास्थ को लेकर खर्च भी बढ़ सकता है। राजनेता, अभिनेता, कलाकार, खिलाड़ी आदि इस वर्ष उच्चस्तरीय सम्मान और सफलता प्राप्त कर सकते हैं। तीर्थ यात्रा के भी योग हैं। प्रत्येक माह की 3,5,9,13,19,21,23 व 29 तारीखें तथा मंगल, गुरू और रविवार आप के लिए शुभ रहेंगे। भगवान विष्णु की पूजा तथा पीली वस्तु का दान करें। विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष श्रेष्ठ है।

कर्कः (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) इस राशि वालो के लिए यह वर्ष शनि की ढईया के कारण कुछ परेशानी वाला होगा। अतएव सावधानी अपेक्षित है। नकारात्मक सोच–विचार त्याग सकें तो सम–सामयिक कार्यों में सफलता की उम्मीद बन सकती है। नौकरीपेशा जातकों को स्थानान्तरण और आकस्मिक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पहला, चौथा और आठवां माह ज्यादा कष्टदायी है। कामधन्धों में परिवर्तन के योग भी बनते दिखाई देंगें। शत्रु पक्ष सक्रिय रहेगा ओर महत्वपूर्ण कार्यो में बाधा डालने का प्रयत्न करेगा। यदि आप प्रशासनिक अधिकारी या राजनेता हैं तो आप को अपने ही कुछ कार्यों अथवा निर्णयों से परेशानी झेलनी पड़ सकती है। आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष उतार–चढाव वाला होगा। लाभांशः शुक्र पराक्रम भाव में शुक्र–राहु के साथ युति प्रभाव से धनागम में निरन्तरता बनी रहेगी परन्तु व्यय भाव में मंगल– अमंगल स्थिति के कारण बीच–बीच में धनागम के मार्ग में गतिरोध भी उत्पन्न होता रहेगा। भौतिक सुख–साधनों में अधिक खर्च करने से कर्ज भार भी बढ़ सकता है। संतान पक्ष की ओर से यदि कोई चिन्ता है तो वह दूर होगी तथा संतान से अपेक्षित सुख व सहयोग मिलेगा। माता–पिता के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह वर्ष ठीक है। विद्यार्थी वर्ग मानसिक द्वन्द्व की स्थिति में रहते हुये भी यदि अध्ययन में निरन्तर रहेगा तो सफलता भी मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सप्तम भाव में लग्नेश चन्द्रमा की दृष्टि होने से समरसता और मधुरता का अनुभव हो सकता है। विश्वास पात्र लोगों से परामर्श करके कोई कार्य करेंगे तो वह हितकर हो सकता है। सोमवार का व्रत करें। प्रतिदिन शिव परिवार का पूजन करें। पूर्णिमा के दिन कन्याओं को खीर सहित भोजन करायें। राम रक्षा स्त्रोत व श्रीसुक्त का नियमित पाठ भी विपरीत स्थितियों में हितकर हो सकता है।

सिंहः (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) इस वर्ष आप की राशि में लग्नेश सूर्य लग्न का स्वामी होकर अष्टम भाव में गुरू की राशि मीन में सूर्य, बुध व गुरू के साथ प्रतियुति होने से स्वास्थ थोड़ा उतार–चढ़ाव पूर्ण रहेगा। हालांकि किसी गंभीर बीमारी के संकेत दिखाई नहीं देते। स्वास्थ सम्बंधी छोटी–मोटी शिकायत पर तत्काल उपचार करायें। यदि आप शेयर बाजार के कारोबारी हैं तो इस वर्ष जोखिम पूर्ण निवेश से बचने की कोशिश करें। हालांकि इस्पात, सीमेंट, ऑटोमोबाईल, भारी इंजीनियरिंग, पेट्रे रसायन आदि कम्पनियों में दीर्घकालीन निवेश कर सकते हैं। विद्यार्थियों को इस वर्ष खूब परिश्रम करना पड़ेगा। पंचम भाव के स्वामी गुरू अष्टम भाव में अपनी ही राशि में विराजमान होने से इस वर्ष शिक्षा–परीक्षा में न्यूनतम सफलता के योग हैं। विद्यार्थियों को प्रातः भगवान सूर्य को ताम्र पात्र से अर्ध्य चढ़ना चाहिए। जल में रोली व पुष्प होने चाहिए। व्यापार में कई नये अनुबन्ध हो सकते हैं। नौकरी पेशा लोगों का पदोन्नत होकर वांछित स्थान पर परिवर्तन होने से मन प्रसन्न रहेगा। मार्च के मध्य से आर्थिक स्थिति में अधिक सुधार होना शुरू होगा। उधार दिये रूपयों की वसूली भी होने के आसार हैं। फैशन डिजायनर और कम्प्यूटर क्षेत्र को केरियर चुनने वालों को आगे जाकर लाभ मिल सकता है। राजनेताओं के लिए यह वर्ष ठीक है। गुटबाजी से दूर रहना श्रेयस्कर है। कोर्ट–कचहरी के मामले भी सुलझ सकते हैं। भौतिक सुख–संसाधनों में वृद्धि होगी। व्यापार एवं कार्य क्षेत्र की दृष्टि से यह वर्ष पिछले वर्ष की अपेक्षा अच्छा होगा।

मकरः (जो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी) इस राशि के जातकों पर शनि की साढ़े साती का उग्र प्रभाव रहेगा। वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ की दृष्टि से ठीक नहीं है। लापरवाही न करें और समय पर उपचार शुरू कर दें। सितम्बर के बाद धीरे–धीरे सुधार होने लगेगा और मानसिक दृष्टि से भी राहत महसूस करने लगेंगे। आर्थिक स्थिती का मिला–जुला असर रहेगा। हालात में सुधार के लिए जन्दबाजी में काई निर्णय न करें। गुरू के कमजोर होने के कारण लेनदेन में भी सावधानी बरते। इस्पात, रियल,इस्टेट, ऑटोमोबाइल, भारी इंजीनियरिंग, विद्युत आदि के शेयरों में दीर्घकालीन निवेश किया जा सकता है। परन्तु बहुत सावधानी और पूरे अध्ययन के साथ उधार में सौदा बेचने से परेशानी होगी। जमीन जायदाद के क्रय–विक्रय में भी नुकसान के योग हैं। विद्यार्थियों के लिए समय ठीक है। जिस क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं उसमें प्रारम्भ में थोड़ी परेशानी होगी लेकिन बाद में सफल रहेंगे। चन्द्रमा की दृष्टि राशि पर होने के कारण अविवाहितों को खुशखबरी मिल सकती है। मंगल छठे भाव में होने से वाहन चलाने और शत्रुओं से सावधानी बरतें। यदि आप कलाकार, राजनेता है तो काई अच्छा अवसर, पद–प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है। महिलाएं संध्या पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दिया जलायें। जिससे परिवार में खुशी का माहौल और संतान की ओर से भी सुखद समाचार मिलेंगे। पुरूष वर्ग हनुमान जी को चमेली के तेल का दिपक दिखायें। शनिवार को काले तिल, उड़द, काले वस्त्र अथवा किसी भी उपयोगी काली चीज का दान करें।

कुंभः (गू,गे,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) राशि वाले पर भी शनि की साढे सात का प्रभाव हैं। यह वर्ष स्वास्थ की दृष्टि से सामान्य है। आर्थिक स्थिति में उतार–चढाव के बावजूद हालात संतोषजनक रहेंगे। व्यय भाव के स्वामी शनि होने से माता–पिता अथवा परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ को लेकर इलाज में अधिक खर्च करना पड़ सकता हैं। परिवार में आकस्मिक मंगल कार्य से भी धन खर्च होगा। लोगों से समन्वय और व्यवहार बनाकर चलने में ही लाभ है। दाम्पत्य जीवन सुखकारी और नौकरी के क्षेत्र में पदोन्नति होगी। बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा लेकिन इसमें निरन्तर प्रयत्न भी करने पडेंगे। शत्रु पक्ष कार्यो में अड़यन डालने की भरपूर कोशिश करेंगे। विद्यार्थी वर्ग को प्रतियोगी परीक्षाओं में अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। यदि आप प्रशासनिक अधिकारी हैं तो सरकार की प्रशंसा के पात्र बनेंगे। इस वर्ष दूरदराज यात्रा के भी योग हैं। कर्ज के लेनदेन में पूरी सावधानी बरतें। प्रत्येक माह की 2,8,11,13,19,23,25 और 29 तारीख तथा सोम, गुरू व शनि आप के लिए श्रेष्ठ हैं। यदि रोजाना सुबह अथवा शाम को हनुमानजी को दीपक कर सुन्दरकाण्ड का पाठ कर सके तो बेहतर होगा। शनिवार को लोहे की कटोरी में तिल अथवा तेल का दान करें।

कन्याः (हो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो) इस वर्ष आपकी राशि में बुध लग्नेश लग्न एवं दशम भाव के स्वामी होकर सप्तम भाव में गुरू की राशि मीन में बुध, गुरू व सूर्य के साथ प्रतियुति होने से स्वास्थ की दृष्टि से संतोषप्रद नहीं है। खराब स्वास्थ के चलते मन अप्रसन्न और तनाव में रहेगा। समय पर उपचार करवायें। कार्य व्यवसाय की दृष्टि से हालांकि यह वर्ष उत्तम फलकारक है। भूमि, भवन, वाहन अथवा किसी भी नवीन वस्तु के क्रय के प्रबल योग हैं। याद रहे कि अपरिचित लोगों पर खूब सोच–समझकर ही भरोसा करें। आर्थिक क्षेत्रों में किये गये प्रयासों से सफलता मिलेगी। मीडिया, सूचना प्रोद्योगिकी क्षेत्र ऑटोमोबाईल, सीमेन्ट, इस्पात आदि क्षेत्रों में निवेश अधिक लाभकारी होगा। पारिवारिक दृष्टि से सुखी रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में भी मधुरता व समरसता रहेगी। इष्टमित्रों से अकारण बैर विरोध से बचें। सामाजिक–राजनैतिक क्षेत्र में काम करने वालों के लिए यह वर्ष प्रभावपूर्ण है। अवसर का लाभ उठाने के भरपूर प्रयास करें। यह वर्ष विद्यार्थियों के लिए भविष्य की दृष्टि से भी उत्तम है। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। भाग्योदय का योग है। विश्वस्त लोगों की मदद से कार्य में सफलता मिलेगी। आगे बढने की उमंग रहेगी। नवग्रह स्त्रोत का पाठ करें। घर एवं कार्यस्थल पर कपूर, गुगल हवन सामग्री की धूप करें। बुध व गुरूवार को हरी वस्तु का दान तथा गौ ग्रास अवश्य निकालें। आपके लिए प्रत्येक माह की 4,6,7,9,12,18,22,24 और 30 तारीख शुभ होगी। न्यायपालिका से सम्बंधित मामलों मे सफलता मिलेगी।

मीनः (दी,दू,थ,झ,त्र,दे,दो,चा,ची) गृहीय गणना के अनुसार जनवरी के मध्य से शनि की साढ़े साती चलेगी। जिससे यह वर्ष मिश्रित फलदायी रहेगा। स्वास्थ की दृष्टि से सामान्य तो आर्थिक दृष्टि से उत्साहवर्धक होगा। अचानक धन प्राप्त होने से व्यवसाय विस्तार की योजना साकार हो सकती है। जिससे आर्थिक हालात पूर्वापेक्षा बेहतर होते जायेंगे। परिवार में कभी–कभी अशांति का माहौल रहेगा। माता का स्वास्थ ठीक रहेगा लेकिन पिता के स्वास्थ को लेकर चिंता बनी रहेगी। पति–पत्नी के बीच भी समय–समय पर वैचारिक मतभेद उभरते रहेंगे लेकिन इसका दाम्पत्य जीवन पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। अविवाहित जातकों को अभी और ठहरना होगा। किसी धार्मिक यात्रा के योग्य बन रहे हैं। राजनीति, अभिनय, खेल और कला क्षेत्र में काम करने वालों को सफलता मिलेगी। किसी पुरस्कार की भी वे आशा कर सकते है। प्रत्येक माह की 4,7,9,10,14,19,23,26 और 30 तारीख तथा बुध,गुरू और शनिवार शुभ होंगे। गुरूवार का व्रत करें व केसर चंदन का तिलक लगायें। पीले अन्न से बना भोजन ग्रहण करें और पीली वस्तु–वस्त्र का दान करें। शनिवार को पीपल के पेड़ तले सरसों के तेल का दिया दिखायें।

प्रत्यूष

सेहतमंद तिल के नए-नवेले स्वाद

मकर संक्रांति नए वर्ष का पहला बड़ा त्योहार है। जनवरी में सर्दी अपने पूर्ण यौवन पर होती है। 'गुडफैट' की मात्रा अधिक होने से तिल शरीर में गर्माहट बनाए रखने में मददगार तो होते ही हैं, इनमें कई बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी होती है। मकर संकांति पर दान-पुण्य का भी बड़ा महत्व है। तिल के लड्डू बांटने की परम्परा तो सदियों पुरानी है। इस दिन हर घर में तिल से तैयार होने वाले व्यंजन बनाए जाते हैं। इस बार तिल के कुछ व्यंजन नए रूप पेश कर रही हैं -प्रेमलता नागदा

रसोई में तिल का महत्वपूर्ण स्थान है। तिल तीन तरह के काले, सफेद और लाल होते हैं। काले तिल पूजा–पाठ, हवन आदि में काम आते हैं। सर्दियों में तिल खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है और शरीर सक्रिय रहता है। तिल के तेल की मालिश करने से शरीर पुष्ट रहता हैं। तिल में गुड़ मिलाकर लड्डू बनाए जाते हैं। मैदा और बाजरे की मीठी मठरी तिल डालकर बनाने से स्वादिष्ट बनती है। सब्जी में पिसे तिल डालने से स्वाद बढ़ जाता है।

औषधीय गुण

- तिल के सेवन से भूख बढ़ती है। यह वात, कफ और पित्त को नष्ट करता है।
- तिल का तेल बालों को काला, घना और मजबूत बनाता है। इसे त्वचा पर लगाने से सनबर्न नहीं होता।
- तिल का सेवन तनाव को दूर करता है। और बच्चों में हड्डियों को विकसित करने में मदद करता है। इसकी मालिश से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उच्च रक्तचाप कम होता है।
- 50 ग्राम काले तिल पानी में 30 मिनट के लिए भिगोएं और पीसकर एक चम्मच मक्खन और दो चम्मच मिश्री मिलाकर खाएं। खूनी बवासीर में लाभ होता है।
- 20–25 ग्राम साफ तिल चबाकर गर्म पानी पीने से पेट दर्द ठीक हो जाता है।
- तिल या तिल से बनी वस्तु खिलाने से बच्चे बिस्तर में पेशाब करना बंद कर देते हैं।

तिल हलवा

क्या चाहिए:
तिल– 1/2 कप,
घी– 14 कप,
गुड़– 1/2 कप,
सूजी– 1/4 कप,
पिसी इलायची–1/4 छोटा चम्मच।

ऐसे बनाएं: तिल को रातभर पानी में भिगोकर रखें। सुबह पानी निथारकर मिक्सी में महीन पीस लें। अब कड़ाही में घी गर्म करें। इसमें सूजी डालकर गुलाबी होने तक सेकें। अब तिल का पेस्ट डालकर लगातार हिलाते हुए भूनें। सुनहरी रंगत होने पर आवश्यकतानुसार पानी मिलाएं। गुड़ मिलाकर 3–4 मिनट पकाएं। अंत में पिसी इलायची मिलाकर आंच बंद करें। स्वादिष्ट तिल गुड़ का हलवा तैयार है। सूखे मेवों से सजाकर गरमा–गरम हलवा पेश करें। सर्दियों में इसका सेवन बहुत लाभप्रद होता है।

तिल गुझिया

क्या चाहिए: मैदा– 1 कप, कीसा मावा– 1 कप (हल्का भुना हुआ), भुने तिल– 1/2 कप, सूखे मेवे की कतरन– 2 बड़े चम्मच (काजू, किशमिश, चारोली), शक्कर पिसी हुई– 1/2 कप, पिसी इलायची– 1/2 छोटा चम्मच, घी– आवश्यकतानुसार।

ऐसे बनाएं: मैदे में 2 बड़े चम्मच पिघले घी का मोयन डालकर ठंडे पानी की मदद से सख्त आटा गूंधे। आटे को गीले कपड़े से 15 मिनट ढककर रखें। मावे में भुने तिल, सूखे मेवे की कतरन, शक्कर व इलायची अच्छी तरह से मिलाकर भरावन तैयार करें। अब गूंधे मैदे की लोई बनाकर पूरी बेलें। इसमें भरावन भरकर गुझिया का आकार दें। इन्हें गर्म घी में धीमी आंच पर सुनहरा गुलाबी तल लें। तिल के स्वाद वाली ये स्वादिष्ट गुझिया सभी को पसंद आएगी।

तिल बर्फी

क्या चाहिए: तिल– 200 ग्राम, कंडेस्ड मिल्क– 200 ग्राम, घी– 1 बड़ा चम्मच, पिसी इलायची– 1/4 छोटा चम्मच।

ऐसे बनाएं: कड़ाही में तिल को सूखा ही हल्का–सा सेक लें। ठंडा होने पर दरदरा पीसें। नॉनस्टिक पैन में घी गर्म करें। इसमें भुने तिल का पाउडर डालकर 2 मिनट भूनें। कंडेस्ड मिल्क मिलाकर लगातार चलाते हुए पकाएं। जब ये कड़ाही छोड़ने लगे तब इलाइची मिलाकर तुरंत चिकनाई लगी गहरी ट्रे या थाली में पलटकर सेट होने के लिए छोड़ दें। मनचाहे आकार के टुकड़े काटकर टेस्टी तिल बर्फी सर्व करें। ये आसान व झटपट बनने वाली रेसिपी है।

तिल कचौरी

क्या चाहिए: मैदा– 250 ग्राम, भुने व पिसे हुए तिल– 3–4 बड़े चम्मच, भुना बेसन– 4–5 बड़े चम्मच, लहसुन की चटनी– 1 बड़ा चम्मच, अमचूर– 1/4 छोटा चम्मच, हल्दी– 1/4 छोटा चम्मच, नमक– स्वादानुसार, लाल मिर्च– 1 छोटा चम्मच, चाट मसाला– 1/2 छोटा चम्मच, जीरा– 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर– 2 छोटे चम्मच, गरम मसाला– 1 छोटा चम्मच, हींग– 1/4 छोटा चम्मच, तेल– आवश्यकतानुसार।

ऐसे बनाएं: मैदे में नमक व 2 बड़े चम्मच तेल मिलाकर पानी की मदद से सख्त गूंथ लें। आधा घंटा ढककर रखें। स्टफिंग बनाने के लिए भुने व पिसे हुए तिल में सभी मसाले, बेसन व लहसुन की चटनी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गूंधे मैदे की लोइयां बनाकर प्रत्येक में तिल को भरकर कचौरी बनाएं। इन्हें गर्म तेल में धीमी आंच पर सुनहरी तलें। स्वादिष्ट तिल की चटपटी मसाला कचौरी तैयार है।

स्वतंत्रता सेनानियों व उनके परिवारों का सम्मान

उदयपुर। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राजस्थान विद्यापीठ के संघटक माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित इतिहास एवं संस्कृति विभाग की ओर से महाविद्यालय सभागार में 'मेवाड़ वागड़ के स्वतंत्रता सेनानी-व्यक्तिगत एवं कृतित्व' (1857-1978 ई.) विषयक आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मेवाड़, वागड़ के 26 स्वतंत्रता सेनानी एवं उनके परिवार जन को पगड़ी, उपरणा, सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के राष्ट्र प्रेम, त्याग एवं बलिदान को नवीन पीढ़ी में स्थापित करना ही हमारा मूल मंतव्य है। मुख्य वक्ता आईसीएचआर नई दिल्ली के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने प्लासी के युद्ध से 1947 में भारत की आजादी तक के दीर्घकालीन स्वतंत्रता संघर्ष पर अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर आयोजन सचिव डॉ. हेमेंद्र चौधरी, अधिष्ठाता प्रो. सुमन पामेचा, सहायक कुल सचिव डॉ. धर्मेन्द्र राजौरा, प्रो.टीके माथुर, प्रो. एसपी व्यास, प्रो. मनोरमा उपाध्याय, प्रो.जेके ओझा, प्रो. सुशीला शक्तावत, प्रो. मीना गौड़, डॉ. फारूक, प्रो. अविनाश पारीक ने अपने विचार व्यक्त किए।

अग्रवाल भामाशाहों का अभिनंदन

उदयपुर। जिला अग्रवाल सम्मेलन संस्थान ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा व अग्र भागवत कथा के समापन पर कथावाचक आचार्य नर्मदा शंकर का अभिनंदन किया। प्रदेश अध्यक्ष के.के. गुप्ता ने बताया कि जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने भामाशाहों, मातृशक्ति व समाजजनों का आभार जताया। महामंत्री चंचल कुमार अग्रवाल ने बताया कि समापन पर सभी पदाधिकारी व भामाशाहों का अभिनंदन किया गया। प्राण प्रतिष्ठा करने वाले केदारनाथ खेतान परिवार, कथा के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश अग्रवाल, वीना अग्रवाल परिवार, सह यजमान केके गुप्ता, सुशीला गुप्ता, प्रकाशचन्द्र अग्रवाल, भगवती देवी अग्रवाल, माणकचंद अग्रवाल, आरपी गुप्ता, प्रेमप्रकाश गोयल आदि का अभिनंदन किया गया।

टखमण-28 आर्ट गैलेरी का शुभारंभ

उदयपुर। टखमण 28 आर्ट गैलेरी का गत दिनों संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने शुभारंभ किया। गैलेरी में देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित कलाकारों की कलाकृतियां प्रदर्शित की गई है। मुख्य अतिथि उद्योगपति प्रभास राजगढ़िया एवं टखमण के संस्थापक एवं वरिष्ठ चित्रकार सुरेश शर्मा मौजूद थे। टखमण-28 आर्ट गैलेरी के संचालक संदीप पालीवाल ने बताया कि इस गैलेरी में देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित कलाकारों की 200 से ज्यादा पेंटिंग, प्रिंट एवं मूर्तियां प्रदर्शित की गई हैं।

सेंट मैथ्यूज के बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

उदयपुर। सेंट मैथ्यूज स्कूल मे वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न हुआ। उद्घाटन संस्थान की निदेशक ग्लोरी फिलिप व निदेशक फिनी फिलिप ने किया। मुख्य अतिथि डीईओ पुष्पेन्द्र शर्मा, उप अधीक्षक चेतना भाटी, उपमहापौर पारस सिंघवी थे। बच्चों ने प्रार्थना से शुरुआत की। इसके बाद नाटक, महिला सशक्तीकरण पर नृत्य, क्लासिकल और मल्हारी डांस की शानदान प्रस्तुतियां दी। अभिभावकों सहित अतिथियों-टीचर्स ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रिंसीपल नितिननाथ ने आभार जताया।

डॉ. अरविंदर को एशिया ग्रांड मास्टर खिताब

उदयपुर। अर्थ ग्रुप के सीईओ डॉ. अरविंदरसिंह को स्किन, लेजर व कॉस्मेटॉलोजी के क्षेत्र में एशिया ग्रांड मास्टर खिताब मिला। डॉ. सिंह इंटरनेशनल एजुकेशन बोर्ड के आमंत्रण पर फिलीपिंस में डॉक्टर्स व नर्सेज को स्किन, सौंदर्य व कॉस्मेटोलोजी का प्रशिक्षण प्रदान करने गए थे। जहां वे इंटरनेशनल एजुकेशन बोर्ड के इंटरनेशनल फेकल्टी हेड भी हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. अरविंदर को हाल ही अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ एस्थेटिक मेडिसिन की सदस्यता भी मिली है। यह उपलब्धि उन्हें एस्थेटिक मेडिसिन और कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य पर मिली है।

जिंक को सीआईआई इएक्सआईएम बैंक अवार्ड

उदयपुर। वेदांता समूह और हिंदुस्तान जिंक को बिजनेस एक्सीलेंस 2022 के लिए प्लैटिनम श्रेणी में सीआईआई इएक्सआईएम बैंक अवार्ड प्रदान किया गया। व्यावसायिक उत्कृष्टता की दिशा में कंपनी के लिए यह अवार्ड मील का पत्थर है। हिंदुस्तान जिंक को यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट, बिजनेस मॉडल के तहत बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड से

सम्मानित किया गया है। अवार्ड कंपनी द्वारा हरीत पहलू, सामाजिक जिम्मेदारियां, नए व्यावसायिक विकास, मानव संसाधन प्रथाएं और तकनीकी नवाचार के लिए प्रदान किया गया। हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा ने कहा कि यह सम्मान हमारे कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्पद है, उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

डॉ. प्रकाश व डॉ. प्रदीप को अचीवर्स अवार्ड

उदयपुर। महिला स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सेवारत उदयपुर के डॉ. प्रकाश जैन और डॉ. प्रदीप बंदवाल को रणथंभौर में दी फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया से अचीवर्स अवार्ड मिला। महिला स्वास्थ्य एवं सामाजिक कार्यों में विशिष्ट योगदान के लिए दोनों को यह अवार्ड अभिनेत्री पूनम ढिल्लों ने दिया।

जीवन रक्षा अभियान पोस्टर का विमोचन

उदयपुर। मुस्कान फाउंडेशन उदयपुर पुलिस एवं पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस उमरड़ा के साझे में हो रहे सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा अभियान के पोस्टर का विमोचन उदयपुर एसपी विकास शर्मा, एएसपी चंद्रशील ठाकुर, पुलिस उपाधीक्षक चेतना भाटी ने किया। मुस्कान फाउंडेशन के चेयरमैन दीपक जोशी ने बताया कि अभियान जिले में तीन महीनों तक चलेगा।

जेके सीमेंट सम्मानित

निम्बाहेड़ा। संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग, चित्तौड़गढ़ द्वारा लम्पी रोग उन्मूलन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए जे.के. सीमेंट को सम्मानित किया गया। विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. नेत्रपाल सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। जेके सीमेंट के प्रभाकर मिश्रा हेड एचआर ने उक्त सराहना हेतु प्रशासन का धन्यवाद किया। इस मौके पर जेके सीमेंट के अजय कुमार उपाध्याय, मनीष शर्मा तथा जेके ट्रस्ट से डॉ. प्रवीणकुमार व नंदकिशोर सोनी, ओमेन्द्र सिंह और सभी गोपालक उपस्थित रहे।

कैफे का उद्घाटन

उदयपुर। न्यू फतहपुरा स्थित द शोशा कैफे का उद्घाटन कलक्टर ताराचंद मीणा, डॉ. श्रद्धा गट्टानी ने किया। कैफे में इनडोर और आउटडोर डाइन इन, डाइन आउट, टेकअवे सुविधा मिलेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान मनीष कपूर, तरूण अग्रवाल, डॉ. अरविंदर सिंह, कवीश टंडन,डॉ. प्रशांत अग्रवाल, डॉ. आयुष गुप्ता , दिव्य जैन, धनश्याम शर्मा, मनीषा वाजपेई, अंजली सुराणा, कपिल सुराणा मौजूद थे।

एचडीएफसी बैंक शाखा का उद्घाटन

उदयपुर। एचडीएफसी बैंक की यूनिवर्सिटी रोड उदयपुर शाखा का उद्घाटन मुख्य अतिथि चिकित्सक डॉ. अजय मुर्डिया चेयरमैन इंदिरा आईवीएफ, विशिष्ट अतिथि डॉ. कमल मूंदड़ा, एमडी सरस्वती हॉस्पिटल,समाजसेवी मदनलाल मूंदड़ा, मुकेश बार्बर डिप्टी रजिस्ट्रार सुविवि ने किया। शहर में 18वीं ब्रांच का शुभारंभ कई गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में एचडीएफसी बैंक सर्किल हेड कुमार सौरभ एवं कलस्टर हेड नितिन शुक्ला के सानिध्य में किया गया। शाखा प्रबंधक हंसराज सिंह शक्तावत ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

जूनियर हैंडबॉल बालक वर्ग में जैसलमेर, बालिका वर्ग में जयपुर चैंपियन

उदयपुर। 39वीं राज्य स्तरीय जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता का समापन गत दिनों हुआ। महाराणा भूपाल स्टेडियम में हुए फाइनल में बालक वर्ग में जैसलमेर हैंडबॉल एकेडमी ने जयपुर को 27-26 से और बालिका वर्ग में जयपुर महिला हैंडबॉल एकेडमी ने जयपुर दल को 19-6 से पराजित कर स्वर्ण पदक जीता। बालक वर्ग में मोहित साहरण सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, हरदयाल सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर रहे। बालिका वर्ग में वर्षा सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तथा पूजा सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर रही। बालक वर्ग में जयपुर दल को रजत, श्रीगंगानगर को कांस्य वहीं बालिका वर्ग में जयपुर को रजत, जय भवानी श्रीगंगानगर टीम को कांस्य मिला। मदन राठौड़ ने बताया कि समापन समारोह की अध्यक्षता राजस्थान विद्यापीठ विवि के कुलपति कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत ने की। मुख्य अतिथि जिला प्रमुख सीकर गायत्री राठौड़ व विशिष्ट अतिथि देहात जिला भाजपा अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, डॉ. प्रदीप कुमावत तथा महासचिव राजस्थान हैंडबॉल संघ यश प्रताप सिंह खंगारोत थे।

जरूरतमंद परिवारों को सुविधा

उदयपुर। कुमावत चौरमा परिवार की ओर से स्व. भंवर लाल कुमावत की स्मृति में सुखेर बायपास पर निर्मित भवगीत सेवा सदन का लोकार्पण और प्रतिमा का अनावरण संत लोकेशानंद ने किया। संत ने कहा कि सेवा सदन के जरिए समाज को सवा की सौगात मिली हैं। जितेश कुमावत ने कहा कि समाज के निम्न वर्गीय परिवारों को बेटियों की शादी पर भवन नि:शुल्क उपलब्ध होगा। योगेश कुमावत राष्ट्रीय क्षत्रिय कुमावत महासभा अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत, महापौर गोविंद सिंह टांक बतौर अतिथि मौजूद थे।

बुद्धिनाथ मिश्र को सार्थक साहित्य-सम्मान

मुम्बई। सार्थक साहित्य संस्थान, मुम्बई द्वारा देहरादून के, हिन्दी और मैथिली भाषा के अन्तरराष्ट्रीय स्तर के वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ मिश्र को 3 दिसम्बर को मधुकर गौड़ सार्थक साहित्य-सम्मान 2022 (हिंदी भाषा) से नवाजा गया। हिन्दी साहित्य- की विभिन्न विधाओं में बुद्धिनाथ मिश्र की दर्जन भर पुस्तकें प्रकाशित हैं तथा उल्लेखनीय सम्पादन कार्य भी है, हिंदी साहित्य जगत में उनका योगदान सराहनीय है। संस्थान प्रतिनिधि पूनम गौड़ और कमलेश गौड़ ने बताया कि वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार विश्वनाथ सचदेव की अध्यक्षता और साहित्यकार डॉ सुधारक मिश्र के मुख्य आतिथ्य में सराफ मातृ मंदिर (मालाड़-पूर्व) में आयोजित कार्यक्रम में मिश्र का सम्मान किया गया। सम्मान्य साहित्यकार को इक्कीस हजार रूपये, शॉल, अभिनन्दन-पत्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। गत दिनों संस्थान द्वारा राजस्थानी भाषा का सम्मान बीकानेर के कवि, रवि पुरोहित को दिया गया था। स्व. पं मधुकर गौड़ जी के हिन्दी और राजस्थानी साहित्य की सेवा में समर्पित जीवन की स्मृति को बनाये रखने की दिशा के अंतर्गत संस्थान का हिंदी और राजस्थानी दोनों भाषाओं का वार्षिक साहित्य-सम्मान उनकी स्मृति में शुरू किया गया है।

यूसीसीआई का सिक्स सिग्मा प्रशिक्षण

उदयपुर। उदयपुर चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से सिक्स सिग्मा पर प्रशिक्षण के साथ ही फैक्ट्री विजिट का आयोजन गत दिनों हुआ। विशेषज्ञ एमएसएमई टीडीसी के उदयपुर विस्तार केंद्र के उपनिदेशक प्रवीण आर जोशी ने प्रशिक्षण दिया। सेमिनार में एमएसएमई क्षेत्र में जुड़े लगभग 50 उद्यमियों ने भाग लिया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अंशु कोठारी ने बताया कि प्रवीण जोशी ने इंडस्ट्री में उत्पादन प्रक्रिया में क्वालिटी कंट्रोल के लिए लीन मैन्युफैक्चरिंग तकनीक एवं सिक्स सिग्मा की जानकारी दी। अध्यक्ष संजय सिंघल ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद सभी ने प्रैक्टिकल के लिए फैक्ट्री विजिट कर रॉ मटेरियल, कास्टिंग, सीएनसी, प्रशेर टेस्टिंग, पेंटिंग, क्वालिटी कंट्रोल, डिस्पेच, एक्सपोर्ट आदि प्रक्रियाओं के बारे में जाना।

सुभाष शर्मा जार प्रदेशाध्यक्ष, भागसिंह महासचिव

सुभाष शर्मा

भागसिंह

उदयपुर। जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) के द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें वरिष्ठ पत्रकार सुभाष शर्मा प्रदेशाध्यक्ष चुने गए। इसके अलावा भागसिंह प्रदेश महासिचव, लेशिष जैन-प्रदेश कोषाध्यक्ष, जितेन्द्रसिंह शेखावत जयपुर, ओम चतुर्वेदी पाली, कुश मिश्रा बारां, अनुराग हर्ष बीकानेर, दीपक लवानिया भरतपुर, विकास शर्मा जयपुर, कौशल मूंदड़ा उदयपुर वरिष्ठ उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद पर मणिमाला शर्मा जयपुर, शहजाद खान भीलवाड़ा, सुरेश पारीक जोधपुर, दीपक शर्मा अजमेर, बृजेश व्यास जयपुर, नानालाल आचार्य उदयपुर, भंवरसिंह कछवाहा झालावाड़ और सचिव पद पर दीपशिखा शर्मा जयपुर, अशोक श्रीमाल जयपुर, दिलीपसिंह भाटी बीकानेर, राजेश वर्मा उदयपुर, मुकेश शर्मा जयपुर, राकेश जैन टोंक, विनोद गौतम अजमेर निर्विरोध निर्वाचित हुए। उदयपुर के भरत मिश्रा सहित कई कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए।

लोटस हाइटेक को इंडियन आइकॉन अवार्ड

उदयपुर। लोटस हाइटेक इंडस्ट्रीज को जयपुर के होटल हॉली-डे इन में आयोजित सीइओ बिजनेस कानक्लेव में इंडियन आइकॉन अवार्ड से महाप्रबंधक भानु प्रिया जैन को सम्मानित किया गया। नॉलेज चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, फिल्म अभिनेत्री प्रीति झिगंयानी और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर सुनीता मीणा ने अवार्ड दिया। लोटस को यह अवार्ड प्री इंजीनियर्स बिल्डिंग मैन्युफैक्चर्स ऑफ द इयर के लिए दिया गया।

अमृता हाट का समापन

उदयपुर। फतह स्कूल में संभाग स्तरीय अमृता हाट मेले के समापन समारोह की मुख्य अतिथि गिर्वा प्रधान सज्जन कटारा ने विभिन्न क्षेत्रों से आई महिलाओं को प्रोत्साहित किया। समाजसेवी जगदीश चंद्र ने भी विचार रखे। अंत में महिला अधिकारिता उपनिदेशक संजय जोशी ने आयोजन को सफल बनाने में भागीदारी निभाने वालों का आभार जताया। हाट में स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगभग 29.23 लाख से अधिक की बिक्री दर्ज की गई। अंतिम दिन मेलार्थियों ने कठपुतली एवं सांस्कृतिक आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

शिविर में 39 यूनिट रक्त संग्रहित

उदयपुर। उत्कर्ष दिवस पर पंचवटी स्थित आलोक माध्यमिक विद्यालय में रक्तदान कार्यक्रम आलोक संस्थान के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमावत के नेतृत्व में हुआ। आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज उदयपुर व पेसिफिक मेडिकल की टीम ने रक्त का संग्रहण किया। इस अवसर पर 39 लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर हेमंत मेहता, गिरीश मेहता पूर्व महापौर चंद्र सिंह कोठारी, राजसमंद आलोक प्रशासक मनोज कुमावत, गुजराती समाज के अध्यक्ष राजेश मेहता व सचिव दिनेश पटेल, भारत विकास परिषद से मनीष तिवारी, विनोद त्रिपाठी, हिरण मगरी प्राचार्य शशांक टांक पंचवटी प्राचार्य नारायण चौबीसा, राजसमंद प्राचार्य ललित गोस्वामी, ललित कुमावत आदि उपस्थित रहे।

बाल गोपाल यूनिफॉर्म वितरण योजना

उदयपुर। सीएम बाल गोपाल योजना व निशुल्क स्कूल यूनिफॉर्म वितरण की शुरूआत गत दिनों हुई। शहर में जिला स्तरीय शुभारंभ राउमावि गोवर्धन विलास में पूर्व विधायक एवं गिर्वा प्रधान सज्जन कटारा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सदस्य, डॉ. विवेक कटारा ने किया। राजकीय महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल धानमंडी में महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के संयोजक पंकज कुमार शर्मा ने योजना की शुरूआत की।

धनोरा व फलवा में पशु चिकित्सा शिविर

निम्बाहेड़ा। जे.के.सीमेन्ट वर्क्स निम्बाहेड़ा द्वारा सामाजिक सेवा उत्तरदायित्व के अन्तर्गत धनोरा एवम् फलवा गांव में एक एक दिवसीय पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सक डॉ. प्रवीण कुमार व टीम ने 347 गाय, 499 भेंस एवम् 80 बकरी की जांच कर 191 पशुपालकों को कृमीनाशक, टोक्स दवा व मिनरल मिक्चर का नि:शुल्क वितरण किया। शिविर ग्राम पंचायत के सरपंच भोपराज, महेन्द्र सिंह एवम् जे.के. सीमेन्ट के मनीष कुमार शर्मा के सानिध्य में सम्पन्न हुआ।

दीपांकर को दोहरा खिताब

उदयपुर। अन्तरराष्ट्रीय टेनिस फेडरेशन द्वारा औरंगाबाद में आयोजित टेनिस प्रतियोगिता के 55 वर्ष आयु वर्ग में उदयपुर के वेटरनर्स खिलाड़ी दीपांकर चक्रवर्ती ने दोहरा खिताब जीता। सिंगल्स के फाइनल में दीपांकर ने महाराष्ट्र के आशीष डिके को 6-3, 6-4 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। डबल्स मुकाबले के फाइनल में दीपांकर व हैदराबाद के उदयश्वर निगम की जोड़ी ने दिल्ली के हर्ष कुमार शर्मा व मुंबई के भूपिन्दर ओबेराय को 6-2, 6-3 से पराजित कर खिताब पर कब्जा किया।

रंगकर्मी सुनील टांक सम्मानित

उदयपुर। जयपुर में जवाहर कला केंद्र व क्यूरियो संस्था के साझे में हुए राष्ट्रीय हास्य नाट्य समारोह में उदयपुर के रंगकर्मी सुनील टांक को सम्मानित किया गया। टांक ने उस्मान जहीर उस्मान के लिखे नाटकों ओर उनके रंग जीवन पर विचार भी व्यक्त किए।

शिविर में 82 रोगियों का उपचार

उदयपुर। सुभाष नगर जैन सोसायटी, भारत विकास परिषद लेकसिटी उदयपुर तथा दक्षिण प्रांत राजस्थान के संयुक्त तत्वाधान में सुभाषनगर स्थित महावीर भवन में आयोजित चिकित्सा शिविर में 82 रोगियों का उपचार किया गया। मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि शिविर में डॉ. राहुल सहलोत, डॉ. क्षितिज रांका, डॉ. भरत अलावत, डॉ. सुरभि सहलोत, डॉ रूचि रांका ने सेवाएं दीं। इस दौरान दक्षिण प्रांत के अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमावत, राष्ट्रीय मंत्री जयराज आचार्य, जिला प्रभारी मनीष तिवारी, राकेश नंदावत, अध्यक्षा संगीता कोठारी, सचिव सुनील कुमार पामेचा, कोषाध्यक्ष मुकेश कोठारी, सदस्य लक्ष्मीनारायण चौहान आदि मौजूद थे।

विस्तार व्याख्यान का आयोजन

उदयपुर। डॉ. अनुष्का विधि महाविद्यालय में बीमा क्षेत्र के विशेष संदर्भ में जनपयोगी सेवा विषय पर विस्तार व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता स्थाई लोक अदालत, सीकर के अध्यक्ष अशोक कुमार व्यास थे। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. क्षेत्रपाल सिंह चौहान ने कार्यक्रम में डॉ. मोहम्मद हारून छीपा, डॉ. रंजना सुराणा, मंजू कुमावत, डॉ. राजेन्द्र मीणा उपस्थित थे।

वार्षिकोत्सव एक्स्ट्रा वेगेन्जा

उदयपुर। इण्डो अमेरिकन पब्लिक स्कूल बलीचा में वार्षिकोत्सव एक्स्ट्रा वेगेन्जा आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि कलक्टर ताराचंद मीणा, विशिष्ट अतिथि कांग्रेस पीसीसी सदस्य रघुवीर मीणा, डॉ. किरण हड़पावत थे। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्राचार्य रीनिका रॉय ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। हड़पावत चेरिटेबल ट्रस्ट संस्थापक डॉ. गणेश हड़पावत, अध्यक्ष मोहित नागौरी, सचिव शुभम कोठारी ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

बास्केटबॉल प्लेयर जानवी का सम्मान

उदयपुर। हिमाचल प्रदेश में नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता खेल कर लौटी जानवी सिंह का उदयपुर में सम्मान किया। सिस्टर ज्योत्सना, ललित सिंह झाला, उषा आचार्य, विजेंद्र सिंह चुंडावत आदि ने जानवी को बधाई दी।

छवि शक्तावत नौसेना में अधिकारी

उदयपुर। लेकसिटी की छवि शक्तावत एसएसबी बोर्ड भोपाल से चयनित एवं इंडियन नेवल एकेडमी एजीमाला केरल से प्रशिक्षण प्राप्त कर भारतीय नौ सेवा में लेफ्टिनेंट बनी हैं। वे मूलत: सिंहाड़ गांव की है। बहुआयामी प्रतिभा की धनी छवि टेबल टेनिस की राष्ट्रीय खिलाड़ी हैं। नेशनल डिबेट कंपीटिशन में गोल्ड मेडल विजेता भी रही हैं।

साड़ी शोरूम का उद्घाटन

उदयपुर। सरदारपुरा में दिवाज द हाउस ऑफ सारी शोरूम का उद्घाटन नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया, मावली विधायक धर्म नारायण जोशी, राजस्थान विद्यापीठ के वीसी प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने किया। इस दौरान उपमहापौर पारस सिंघवी, मालदास स्ट्रीट व्यापार संघ अध्यक्ष, गजेंद्र मंडोत, जसवंत, अक्षय मंडोत सहित शहर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

उपचुनाव में कांग्रेस जीती

चूरू। पं. भंवरलाल शर्मा के निधन के बाद चूरू की सरदारशहर सीट पर हुए विधानसभा उपचुनाव में शर्मा के पुत्र अनिल शर्मा कांग्रेस के टिकट पर जीत गए। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी अशोक पींचा को 26,852 वोट से हराया। आरएलपी के लालचंद मूंड तीसरे नंबर पर रहे। कांग्रेस को सहानूभूति लहर का फायदा मिला। गहलोत सरकार के इस कार्यकाल में 9 उपचुनावों में से कांग्रेस सात में जीती है।

हर मुद्दे पर सरकार विफल: राठौड़

जयपुर। विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का कहना है कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। इतिहास में यह पहली ऐसी सरकार होगी जो न जनता की आकांक्षाओं पर खरी उतरी और न ही अपना घर संभाल पाई। इनकी आपसी लड़ाई के कारण कई माह तक प्रदेश प्रत्यक्ष अराजकता की स्थिति में रहा। नतीजा यह रहा कि यहां गैंगस्टर अब समानांतर सिस्टम चला रहे हैं। राठौड़ ने यह बात सरकार के चार साल पूरे होने पर कही। यह सरकार राजस्थान में कांग्रेस की अंतिम सरकार होगी। इन चार साल में सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है।

अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर लघुकृति

उदयपुर। शहर के शिल्पकार चन्द्र प्रकाश चित्तौड़ा ने अंतरराष्ट्रीय चाय दिवस पर कप-प्लेट की लघुकृति बनाकर सूक्ष्मतम कला की अनूठी अभिव्यक्ति दी। कलाकार ने इन कप प्लेट में चाय की कुछ बूंदे भी भरी और संदेश दिया कि रिश्तों को बांधकर रखने में चाय का विशेष महत्व है। यह कला कृति चॉक स्टिक पर बनी है।

2023 के अवकाश, प्रमुख त्योहार एवं पर्व

❑ 1 जनवरी	रविवार	नववर्ष सन 2023 प्रारंभ	❑ 22 अप्रेल	शनिवार	अक्षय तृतीया, आखा तीज पर्व,	❑ 25 सितम्बर	सोमवार	रामदेव मेला, तेजा दशमी
❑ 13 जनवरी	शुक्रवार	लोहड़ी पर्व पंजाब			परशुराम जं.	❑ 25 सितम्बर	सोमवार	जलझूलनी एकादशी
❑ 14 जनवरी	शनिवार	मकर संक्रांति पर्व पुण्य (पोंगल)	♦ 22 अप्रेल	शनिवार	ईदुलफितर (मीठी ईद)	❑ 28 सितम्बर	गुरुवार	अन्नत चतुर्दशी पर्व/ईद मिलाद
♦ 26 जनवरी	गुरुवार	भा. गणतंत्र दिवस 74वां	❑ 25 अप्रेल	मंगलवार	श्री आद्यशंकराचार्य जं.	❑ 29 सितम्बर	शुक्रवार	महालय श्राद्ध प्रा., तर्पण विधान
❑ 26 जनवरी	गुरुवार	वसंत पंचमी, सरस्वती जं.	❑ 5 मई	शुक्रवार	श्री बुद्ध जयंती, पीपल पूर्णिमा	♦ 2 अक्टूबर	सोमवार	गांधी जं., शास्त्री जं.
❑ 3 फरवरी	शुक्रवार	विश्वकर्मा जं.	❑ 22 मई	सोमवार	प्रताप जयंती	❑ 14 अक्टूबर	शनिवार	सर्वपितृ श्राद्ध
❑ 5 फरवरी	रविवार	गुरु रविदास जं.	❑ 30 मई	मंगलवार	गंगा दशहरा, स्नान पर्व	♦ 15 अक्टूबर	रविवार	शारदीय नवरात्रि, दुर्गापूजा प्रा.
♦ 18 फरवरी	शनिवार	महा शिवरात्रि पर्व	❑ 31 मई	बुधवार	निर्जला एकादशी व्रत,	♦ 22 अक्टूबर	रविवार	महाष्टमी दुर्गा पूजा
❑ 19 फरवरी	रविवार	शिवाजी जं. (महाराष्ट्र) तारीख से			गायत्री जयंती	♦ 24 अक्टूबर	मंगलवार	दशहरा, विजयादशमी पर्व
♦ 6 मार्च	सोमवार	होलिका दहन	❑ 4 जून	रविवार	श्री कबीर जं.	❑ 1 नवम्बर	बुधवार	करवा चौथ चंद्रोदय 20:29
♦ 7 मार्च	मंगलवार	छारड़ी बसंतोत्सव	❑ 20 जून	मंगलवार	रथ यात्रा	♦ 12 नवम्बर	रविवार	महालक्ष्मी पूजा, दीपावली
❑ 15 मार्च	बुधवार	शीतलाष्टमी पूजा, बासोड़ा	❑ 29 जून	गुरुवार	देवशयनी एकादशी, चातुर्मास प्रा.	♦ 13 नवम्बर	सोमवार	गोवर्धन पूजन, अन्नकूट
❑ 22 मार्च	बुधवार	नवीन विक्रम वर्ष गुड़ी पड़वा	♦ 29 जून	गुरुवार	इदुलजुहा (बकरीद)	❑ 14 नवम्बर	मंगलवार	नेहरू जयंती
❑ 22 मार्च	बुधवार	चैत्रीय नवरात्रि प्रा.	❑ 3 जुलाई	सोमवार	व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा	❑ 18 नवम्बर	शनिवार	लाभ पंचमी
♦ 23 मार्च	गुरुवार	झूलेलाल जं., चेटीचण्ड	❑ 17 जुलाई	सोमवार	हरियाली श्रावण अमावस्या पर्व	❑ 23 नवम्बर	गुरुवार	देवप्रबोधिनी एकादशी पर्व
❑ 24 मार्च	शुक्रवार	गणगौर पूजा–मेला	♦ 29 जुलाई	शनिवार	मोहर्रम (ताजिया)	❑ 27 नवम्बर	सोमवार	गंगा स्नान, पुष्कर मेला
♦ 29 मार्च	बुधवार	दुर्गाष्टमी	❑ 1 अगस्त	मंगलवार	तिलक पुण्यतिथि	♦ 27 नवम्बर	सोमवार	गुरु नानक जं.
♦ 30 मार्च	गुरुवार	रामनवमी, दुर्गा नवमी पूजा	♦ 15 अगस्त	मंगलवार	स्वतंत्रता दिवस	❑ 22 दिसम्बर	शुक्रवार	मोक्षदा एकादशी, गीता जं.
❑ 1 अप्रेल	शनिवार	बैंक वार्षिक लेखाबंदी	❑ 21 अगस्त	सोमवार	श्री नागपंचमी पर्व–देशाचारीय	♦ 25 दिसम्बर	सोमवार	क्रिसमस डे,
★ 4 अप्रेल	मंगलवार	महावीर जं.	❑ 23 अगस्त	बुधवार	श्री गोस्वामी तुलसीदास जं.			बड़ा दिन
♦ 6 अप्रेल	गुरुवार	हनुमान जं.	♦ 30 अगस्त	बुधवार	रक्षाबंधन, राखी	❑ 31 दिसम्बर	रविवार	ईस्वी वर्ष पूर्णता–महोत्सव
♦ 7 अप्रेल	शुक्रवार	गुड फ्राइडे	♦ 7 सितम्बर	गुरुवार	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व			
♦ 14 अप्रेल	शुक्रवार	डॉ. अम्बेडकर जं.	❑ 19 सितम्बर	मंगलवार	गणेश जयंती, संवत्सरी जैन संघ			

सूचना संकेत: 1. इस चिह्न ऋक्का अवकाश केवल खजानों-उपखजानों (ट्रेजरी) तथा बैंकों हेतु मान्य है।
2. इस चिह्न ❑ का अवकाश सभी प्रांतों में मान्य नहीं होगा। जिला कलक्टर के आदेशानुसार ही प्रांतीय व्यवस्था से मान्य होगा।
3. इस चिह्न ♦ का अवकाश सम्पूर्ण भारत में मान्य रहेंगे तथापि प्रतिवर्ष मास के सभी रविवार एवं प्रत्येक मास के द्वितीय शनिवार का भी शासकीय अवकाश तथा प्रांतीय व्यवस्था अनुसार चार शनिवार का भी शासकीय अवकाश मान्य होगा।
4. वैकल्पिक-ऐच्छिक दिवस त्योहार तथा तिरूओनम दिवस (अगस्त) जमातुल विदा + शब्बेबारात आदि मुस्लिम त्योहार तथा श्री सिक्ख पंथ + खालसा पंथ के गुरु पर्व तथा गुरु तेगबहादुर शहीदी, गुरु अर्जुनदेव एवं अन्य गुरु पर्व दिवस तथा केरल प्रांतीय पोंगल पर्व वैकल्पिक अवकाश के रूप में मान्य रहेंगे।
5. चन्द्रदर्शन विभेद के कारण सनातन धर्म सम्प्रदाय तिथि विभेद से किन्ही मतांतर स्थितिवश एक दिन का विशेषान्तरीय अवकाश भी मान्य हो सकता है। अत: समय रहते पाठकों को ध्यान रखना चाहिए।
6. सरकारी छुट्टियों का मिलान गजट आने पर अवश्य कर लेंवे।
7. अवकाश प्रकाशन में पूर्ण सावधानी बरती गई है, परंतु किसी भी त्रुटि के लिए प्रत्यूष उत्तरदायी नहीं है।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती सूर्यकांता जी बोरदिया का 19 नवम्बर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति श्री अनिल बोरदिया, पुत्र लविश, पुत्रियां श्रीमती मोनिषा दुग्गड़ व रोमिषा मेहता, दोहित्र जियांश मेहता सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री हरीश जी मोगरा बड़ी सादड़ी वाले का निधन 26 नवम्बर को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती कोमल देवी, भाई सम्पत कुमार, पुत्र प्रदीप, दीपक व दिनकर मोगरा, पुत्री माया सिरोया तथा पौत्र-पौत्री व दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री अशोक कुमार जी मेहता कानोड़ वाले का 29 नवम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे पुत्र प्रतीक एवं प्रियंक तथा भाई-भतीजों, भानजों, दोहित्र एवं पौत्र-पौत्री सहित समृद्ध व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती चन्द्रकांता जी मेहता (धर्मपत्नी श्री पूनमचंद जी मेहता) का 28 नवम्बर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति, पुत्र तनसुख, राजकुमार व मुकेश जैन तथा पौत्र-पौत्रियों व भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती उगमबाई (92) देवपुरा का 4 दिसम्बर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र महेशचन्द्र व कृष्णकुमार, पुत्रियां श्रीमती कौशल्या नुवाल, शकुंतला गट्टानी, पुष्पा सोमानी, कल्पना मंडोवरा व ममता बिड़ला सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती सुमित्रा सामर का 11 दिसम्बर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति श्री मनीष सामर, श्वसुर श्री सुरेन्द्रसिंह, पुत्र पार्श्वी पुत्र संभव सहित माता-पिता श्रीमती दिलखुश-रोशन जी मेहता व भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। एडवोकेट पीयूष शर्मा का 2 दिसम्बर को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त माता-पिता श्रीमती कृष्णा- एडवोकेट सी.पी. शर्मा, पत्नी श्रीमती ममता एवं भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री नारायणजी शर्मा निवासी उदयपुर (पूर्व हिन्दी विभागायक्ष बिन्नानी कॉलेज, नाथद्वारा) का 24 नवम्बर को देहांत हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र विनीत एवं विपिन शर्मा, पुत्रियां श्रीमती सुषमा पंडित व विनीता गौड़ तथा पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री सुंदर गिरी जी गोस्वामी का 13 दिसम्बर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती रूक्मणी देवी, पुत्र संजय व बसंत गिरी, पुत्रियां श्रीमती राजेश्वरी, तारा देवी व निर्मला देवी सहित पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

गोगुंदा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोगुंदा-बी के अध्यक्ष एवं लोसिंग ग्राम पंचायत के सरपंच श्री बाबूलालजी श्रीमाली का 23 नवम्बर को असामयिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती प्रेमलता देवी, पुत्र हेमंत व लोकेश श्रीमाली, पुत्रियां श्रीमती ममता, भारती, भावना, किरण, कल्पना, पूनम व दिव्या श्रीमाली सहित पौत्र-पौत्री तथा दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। ग्राम नाई निवासी श्री आनंदीलाल जी मेहता (वकील साहब) का स्वर्गवास 27 नवम्बर को हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला देवी, पुत्र अनिल मेहता, पुत्रियां श्रीमती अंजना मुर्डिया, कुसुम भंडारी, सरिता कावड़िया, संगीता शाह एवं मोनिका तातेड़ सहित भाई-भतीजों, दोहित्र-दोहित्रियों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

We make
BUSINESS TRAVEL
Easier and Better

TASTEFULLY FURNISHED ROOMS
MEETING SPACES
MULTI-CUISINE RESTAURANT
HIGH-SPEED WIFI

Amantra Group of Hotels & Travels
Amantra Shilpi Resort | Amantra Travels

91 80033 31177, +91 80033 31155 | 5B, Opp. Sahelion Ki Bari, New Fatehpura, Udaipur
www.amantrahotel.com | reservation@amantrahotel.com | amantracomfort

अर्थ
स्किन और फिटनेस

दक्षिणी राजस्थान का स्किन, हेयर, कॉस्मेटोलॉजी व मेडिकल लेज़र का सबसे विशाल व पूर्ण समर्पित सेंटर

भारत का सर्वप्रथम व एकमात्र QAI क्वालिटी प्रमाणित क्लीनिकल कॉस्मेटिक क्लीनिक

तो स्किन व बालों की हर समस्या को करें बाय बाय...

- मेडिकल फैशियल (Medical Facial)
- स्किन ग्लो
- विवाह से पूर्व दूल्हे व दुल्हन का विशेष पैकेज (Prebridal)
- हेयर ट्रांस्प्लांट
- बालों का झड़ना
- चेहरे पर बाल
- अनचाहे बालों से एडवांस्ड लेज़र द्वारा मुक्ति
- Acne, कील मुँहासे एवं Acne Scar (निशान)
- चेहरे पर Pigment
- मस्से, स्किन टैग हटाना
- स्किन की सभी बीमारियों का अत्याधुनिक उपचार

अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षित व अनुभवी टीम

डॉ स्मिता जोनवाल
एमबीबीएस, डीडीवीएल
डरमेटोलोजिस्ट व
क्लिनिकल कॉस्मेटोलॉजिस्ट

डॉ दीपा सिंह
मेडिकल लेज़र स्पेशलिस्ट (Israel & U.K.)
क्लिनिकल कॉस्मेटोलोजिस्ट व पीएमयू (Sweden & U.K.)
क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट (U.K.)

डॉ. अरविन्दर सिंह
वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर
एमबीबीएस, एम डी (गोल्ड मेडलिस्ट)
इंटरनैशनल बोर्ड सर्टिफ़ाइड क्लिनिकल कॉस्मेटिक
डरमेटोलोजिस्ट व पैथोलोजिस्ट

डॉ मनीष जैन
एमबीबीएस, एमडी (डर्मेटोलॉजी)
क्लिनिकल कॉस्मेटोलोजिस्ट

डॉ शालिनी मल्होत्रा
एमबीबीएस, एमडी, ABHRS
अमेरिकन बोर्ड सर्टिफ़ाइड एंड डीएचआई (यूस)
ट्रेंड हेयर ट्रांस्प्लांट सर्जन

Visit us: www.arthskinfit.com / email: info@arthskinfit.com

तीसरी मंज़िल, 4सी-अर्थ बिल्डिंग, मधुबन, उदयपुर

Call: 85598 55945

Rajasthan State Mines and Minerals Limited, Udaipur, India

(A Premier PSU of Government of Rajasthan)

CIN U14109RJ1949SGC000505 GSTIN 08AAACR7857H1Z0

- India's only producer of SMS grade Limestone and also the largest producer of natural Gypsum and Rock Phosphate.
- Mining Operations: Rock Phosphate (Udaipur), Lignite (Nagaur & Barmer), Limestone (Jaisalmer) and Gypsum in western Rajasthan.
- Green Energy: 106.3 MW Wind Power Project at Jaisalmer & 5 MW Solar Power Plant near Gajner in Bikaner district.
- First PSU in India to earn foreign exchange by trading Carbon Credit in international market.
- RSPCL, a subsidiary of RSMML has been formed for development of Oil & Petroleum sector in Rajasthan.
- RSGL, a JV company with GAIL (India) Ltd. has been formed for developing City Gas Distribution network in Rajasthan.

CORPORATE OFFICE

4, Meera Marg, Udaipur - 313 004, Tel. : +91-294-2428763-67, Fax : +91-294-2428770, 2428739, e-mail: info.rsmml@rajasthan.gov.in

REGISTERED OFFICE

C-89/90, Janpath, Lal Kothi Scheme, Jaipur - 302 015, Tel. : 0141-2743734, Fax : 0141-2743735

Visit us at www. rsmm. com

bob World

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सुविधाओं से युक्त बैंकिंग संबंधों की शुरुआत करें

बी3 डिजिटल बचत खाता खोलें

bob World SILVER

शून्य शेषराशि
तिमाही औसत शेषराशि

bob World GOLD

न्यूनतम रु.25,000/-
तिमाही औसत शेषराशि

bob World PLATINUM

न्यूनतम रु. 50,000/-
तिमाही औसत शेषराशि

bob World | बी3 खाता

आसान वीडियो केवाईसी प्रक्रिया

शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं है

बॉब वर्ल्ड सुविधा के माध्यम से आकर्षक रिवार्ड्स

ओटीटी/इंटरटेनमेंट संबंधी ऑफर

बॉब वर्ल्ड ऐप डाउनलोड करने के लिए
क्यूआर स्कैन करें और
अपना बी3 डिजिटल बचत खाता खोलें

अभी डाउनलोड करें | visit bobworld.com

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 20 अंक 9, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001